



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 51]

तई विली, शनिवार, विसम्बर 22, 1973 (पौष 1, 1895)

No. 51]

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 22, 1973 (PAUSA 1, 1895)

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या वी ऊसी है जिससे कि इह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

(PART III—SECTION 1)

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

भारतीय आईनेस फैक्टरियां सेवा,
महानिवेशालय, आईनेस फैक्टरियां

कलकत्ता-16, दिनांक 8 नवम्बर, 1973

सं. 49/73/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों
को अपर महानिवेशक, आईनेस फैक्टरियां, की श्रेणी में प्रेत्यक
के सामने दी गई तारीखों से, पुष्ट करते हैं।

1. श्री एल० वी० थेरानी, स्थानापन्न
एडीशनल डी० जी० ओ० एफ०
(अवकाश प्राप्त) 9 अक्टूबर, 1972
2. श्री एम० एन० हुक्क०, स्थानापन्न
एडीशनल डी० जी० ओ० एफ० 9 अक्टूबर, 1972

सं. 51/73/जी०—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर श्री एल० वी०
थेरानी, क्षेत्रीय महानिवेशक, आईनेस फैक्टरियां (पूर्वी क्षत्र)/स्थायी
376 GI/73

अपर महानिवेशक, आईनेस फैक्टरियां, दिनांक 3 नवम्बर, 1973
से, सेवा निवृत्त हुए।

आर० एम० मुजुमदार,
महानिवेशक, आईनेस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 9 नवम्बर, 1973

सं. 52/73/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी
को स्थानापन्न अपर महानिवेशक, आईनेस फैक्टरियां के पद पर,
उसके सामने दी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त
करते हैं :

श्री सिरी राम, स्थायी उप-महानिवेशक आईनेस फैक्टरियां—
10 मितम्बर, 1973।

दिनांक 12 नवम्बर 1973

सं. 53/73/जी०—श्री के० पी० पी० मेनन, स्थानापन्न
ए० डी० जी० ओ० एफ० /प्रेड-II (मौलिक तथा स्थायी सीनियर
(6807)



३० ए० डी० जो० ओ० एफ०/प्रबन्धक), स्वेच्छापूर्वक सेवा से अवकाश प्रहण करने तक 512 दिनों की संयुक्त लुट्री और सी० एस० आर० की धारा 459 के अन्तर्गत उनके द्वारा दी गई नोटिस की समाप्ति पर, दिनांक 2 अगस्त, 1973 (पूर्वान्त) से सेवा से नियुक्त हुए।

एम० पी० आर० पिलाय,
सहायक महानिदेशक, आईनेम्स फैब्रिरी

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 अक्टूबर, 1973

सं० 38-7/73-सी० एच० एस०-I 1—पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता के नाविक स्वास्थ्य परीक्षा संगठन के चिकित्सा अधिकारी के पद पर स्थानान्तरण होने पर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० प्रथम ग्रेड के अधिकारी डा० एस० बी० दत्ता ने 17 सितम्बर 1973 पूर्वाह्नि को पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता के उप-पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया और उसी दिन पूर्वाह्नि में पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता के नाविक स्वास्थ्य परीक्षा संगठन में चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० प्रथम ग्रेड अधिकारी डा० बी० आर० सरकार ने, जो पत्तन स्वास्थ्य, संगठन कलकत्ता के नाविक स्वास्थ्य परीक्षा संगठन में चिकित्सा अधिकारी के पद पर आसीन थे, अध्ययन-लुट्री से लौटने पर 17 सितम्बर, 1973 को पूर्वाह्नि में पत्तन स्वास्थ्य संगठन, कलकत्ता के उप-पत्तन स्वास्थ्य अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

जी० पंचापकेशन
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1973

सं० 15-10/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० राम गोपाल शर्मा को 22 अगस्त, 1973 पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों तक मानसिक रोग अस्पताल, रांची में मनोविज्ञान के सहायक प्राध्यापक के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

सतपाल गोपाल शर्मा
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1973

सं० 1-47-/73-एस्ट-1—डा० हरिवंश कुमार अरोरा ने अपने त्याग-पत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप पहली मार्च, 1973 अपराह्नि को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई के अधीन कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

डा० हरिवंश कुमार
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1973

सं० 20-8/73-एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एतद्वारा सरकारी चिकित्सा समग्री भंडार, बम्बई के स्थानापन्न

स्टोर अधीक्षक श्री बी० बी० घोलकर को 4 अक्टूबर, 1973 पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री भंडार, बम्बई में सहायक भंडार प्रबन्धक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 20-17/73-एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने निदेशक, लेखा परीक्षा और लेखा, डाक व तार, हैदराबाद के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री ए० कृष्ण मूर्ति को 21 सितम्बर, 1973 पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों तक चिकित्सा सामग्री संगठन में लेखा-अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

पी० सी० कपूर
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 26 नवम्बर 1973

सं० 41-8/73-डी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक एतद्वारा श्री आर० नारायण स्वामी को 12 नवम्बर, 1973 पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के मद्रास स्थित केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन के दक्षिणी जोन कार्यालय में अस्थायी रूप से औषध निरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० एस० रामचन्द्रन
औषध नियंत्रक (भारत)
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

विवेश व्यापार मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत का कार्यालय

आयात तथा नियांत व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1973

सं० 6/965/72-प्रशा० (राज०)—मुख्य नियंत्रक, आयात नियांत एतद्वारा श्री एन० डी० अनिहोत्री, भण्डागार अधिकारी, उपकरण, अनुसंधान तथा विकास संस्थापना, देहरादून, को उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत का कार्यालय, हैदराबाद में 1 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्नि से आगे आदेश होने तक स्थानापन्न नियंत्रक के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर० सी० जी० संकेना
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-नियांत

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 22 नवम्बर 1973

सं० सी० ई० आर०/4/73—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 23 के उपखंड (2) में ग्रदह शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/4/65, दिनांक 24 अप्रैल, 1965 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में—

1. प्रपत्र (फार्म) 'सी' में "मूल्य परिकलन" शीर्षक के अन्तर्गत मद 12 में "ब्रुदारा मूल्य प्रति जोड़ी/प्रति मीटर" इन शब्दों

और चिन्ह के बाद निम्नलिखित अंतःस्थापित किए जाएंगे,

अर्थात्:—

“उत्पादन शुल्क”

उपभोक्ता मूल्य प्रति जोड़ी/थान/प्रतिमीटर

“सेकंड्स” वस्त्र के लिये

एक्स फेक्टरी मूल्य प्रति जोड़ी/थान/प्रतिमीटर

खुदरा मूल्य प्रतिजोड़ी/थान/प्रतिमीटर

उत्पादन शुल्क

उपभोक्ता मूल्य प्रतिजोड़ी/थान/प्रतिमीटर”

2. प्रपत्र “सी”(पी) में “मूल्य परिकलन” शीर्षक के अन्तर्गत मद (3) में “खुदरा मूल्य प्रतिजोड़ी/प्रतिमीटर” इन शब्दों और चिह्न के बाद निम्नलिखित अंतः स्थापित किए जाएंगे,

अर्थात्:—

उत्पादन शुल्क

उपभोक्ता मूल्य प्रतिजोड़ी/थान/प्रतिमीटर

“सेकंड्स” वस्त्र के लिये

एक्स फेक्टरी मूल्य प्रतिजोड़ी/थान/प्रतिमीटर

खुदरा मूल्य प्रतिजोड़ी/थान/प्रतिमीटर

उत्पादन शुल्क

उपभोक्ता मूल्य प्रतिजोड़ी/थान/प्रतिमीटर”

इन्दु विकास दत्त
अपर वस्त्र आयुक्त

हृषि मन्त्रालय

(साधा विभाग)

राष्ट्रीय शक्ति रा संस्था

कानपुर, दिनांक नवम्बर 1973

सं० ए०-19012/21/70-इस्टे—इसी संस्था की दिनांक 14 सितम्बर, 1972 की अधिसूचना के आंशिक संशोधन के रूप में अधीक्षसाधकरक्ता श्री ए० एच० जाफरी की लेखा एवं भण्डार अधिकारी के पद पर दिनांक 29 अगस्त, 1971 से 28 अगस्त, 1972 तक की तदर्थ आधार पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति की सेवा अधिकारी को उनके दो वर्ष के परिवीक्षाकाल में सहर्ष सम्मिलित करते हैं।

सोहन लाल सक्सेना
निदेशक

(हृषि विभाग)

विषयन, एवं निरीक्षण निदेशालय,

प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 15 नवम्बर 1973

सं० फा० 3/104/67-प्रशा० फरी-I—58 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर श्री ई० गोपालन, विषयन अधिकारी, तम्बाकू श्रेणीकरण, बंगलौर तारीख 18-9-1973 अपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गए हैं।

दिनांक 22 नवम्बर 1973

सं० फा० I/171/71-प्र० फरी० I—श्री जे० आर० सोलंकी को विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय में उप वरिष्ठ विषयन अधिकारी वर्ग (1) के पद पर मूलतः स्थायी तौर पर तारीख 22 अगस्त 1973 से नियुक्त किया जाता है।

एन० के० मुरलीधर राव
कृषि विषयन सलाहकार, भारत सरकार

औद्योगिक विकास मन्त्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1973

सं० ए० 19018/97/73-प्रशा० (राजपत्रित)—विकास आयुक्त, लघु उद्योग, नयी शिल्पी श्री पी० प्रभाकर राव को, जो लघु उद्योग सेवा संस्थान हैदराबाद में एक स्थायी लघु उद्योग सम्बद्ध अधिकारी हैं, अगले आदेषों तक के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रेड-II) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री राव ने 9 अक्टूबर 1973 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (प्रेड-II) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया।

क० ब० नारायणन्
उप निदेशक (प्रशासन)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 2 नवम्बर 1973

सं० सी०- /594—निम्नलिखित तकनीकी सहायकों (मानचित्र चिकित्सादन) सलेक्शन प्रेड, को सहायक प्रबन्धक (मानचित्र चिकित्सादन) के अस्थाई पदों के प्रति सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II में स्थानापन्न रूप में 350-25-500-30-590-द० रो० 30-800 रु० के वेतन मान में उनके सामने दी गई तारीखों से अगले आदेष दिए जाने तक नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

क्रम सं०	नाम	पदोन्नति की तारीख
1.	श्री रघुनाथ शर्मा	18-9-73
2.	श्री समर सिंह मलिक	17-10-73
3.	श्री ललता प्रसाद	18-9-73

दिनांक 17 नवम्बर 1973

सं० ई० 4758/881-अधिकारी---डा० (श्रीमती) एस० जी० सेठी को कनिष्ठ महिला चिकित्सक अधिकारी के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II में भारतीय सेवा विभाग के औषधालय में नियमित पदधारी डा० (श्रीमती) पी० सिंह की अवकाश रिक्ति में 350/- रु० प्रतिमाह वेतन पर 350-25-500-30-590-द०रो०-30-830-35-900 रु० के वेतनमान में 2 जनवरी 1973 से 31 जनवरी 1973 तक तदर्थ आधार पर नियुक्त किया

जाता है। उपरोक्त अवधि में उनको 150/- रु प्रतिमाह की दर से प्रैक्टिस बंदी भत्ता भी दिया जायेगा।

हरी नारायण,
महासचिवक, भारत

भारतीय प्राणि विज्ञान, सर्वेक्षण विभाग

फलकस्ता-12, दिनांक नवम्बर 1973

सं० एफ० 92-25-73 स्थापना—निदेशक, भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग द्वारा श्री मुहम्मद हशात को सहायक-प्राणि-वैज्ञानिक (राजपत्रित, द्वितीय श्रेणी) के पद पर अस्थायी रूप से रेगिस्तान ध्वेतीय केन्द्र, भारतीय प्राणि-विज्ञान सर्वेक्षण विभाग, जोधपुर, में 19 अक्टूबर से आगामी आदेशों तक, नियुक्त किया जा रहा है।

डा० एस० खेरा
उप-निदेशक
कृते निदेशक

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-85, दिनांक अक्टूबर 1973

सं० एम/1020/प्रस्थापन-5/43—परमाणु ऊर्जा विभाग में अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर, श्री कृष्ण मूर्ख स्वामी ने 30 अगस्त, 1973 के अपराह्न को सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० पी०/1221/प्रस्था० 5/59—परमाणु ऊर्जा विभाग में अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्ति होने पर, श्री वासुदेव रामचंद्र पटगावंकर ने 30 अगस्त, 1973 के अपराह्न को सहायक कार्मिक अधिकारी के कार्यभार का त्याग किया।

श्री० म्हाले,
उप प्रस्थापन अधिकारी

बम्बई-85, दिनांक 4 अक्टूबर 1973

सं० पी० ए०/78(3)/73-आर०-4—इस अनुसंधान केन्द्र की सम सं०अधिसूचना दिनांक 16 अगस्त, 1973 का संदर्भ। श्री घेसमूदे पुथनवीड जेम्स, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी ने 29 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 3 नवम्बर, 1973

सं० पी० ए०/81(29)/71-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यर्ही के श्री सुधाकर लक्ष्मणराव दिखोलकर, स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक-'सी' को अस्थाई रूप से 1 अप्रैल, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81 (66)/72-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, एक स्थानापन्न पर्यवेक्षक (सिविल) को इसी केन्द्र में अस्थाई रूप से 1 अगस्त, 1972 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड-'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 नवम्बर 1973

सं० पी० ए०/75(7)/73-आर०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इस केन्द्र के श्री इरिकली प्रभाकरन मेनन, एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और अस्थायी भंडारी को इसी अनुसंधान केन्द्र में 1 अक्टूबर, 1973 से आगामी आदेश तक के लिये स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 नवम्बर 1973

सं० पी० ए०/79(21)/65-आर०-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री मुकुंद पद्मनाभ कामत, एक स्थायी अवर श्रेणी लिपिक और भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न अधिकारी, को अस्थायी रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में 5 अगस्त, 1966 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये महायग कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० उम्मीकृष्णन
उप प्रस्थापन अधिकारी (भ)

बम्बई-85, दिनांक 23 नवम्बर 1973

संदर्भ सं० 5/1/73-प्रस्थापन-5/419—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, इसके द्वारा श्री केदारनाथ लक्ष्मण कोटेकर, सहायक को इस अनुसंधान केन्द्र में 1-9-1973 से 1-12-1973 तक के लिये अस्थायी रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० एफ० देसाई,
उप प्रस्थापन अधिकारी

**परमाणु ऊर्जा विभाग
भारी पानी परियोजना**

बम्बई, 400008 दिनांक 30 अक्टूबर 1973

सं० 05000/एल०/15/9142—भारी पानी परियोजना के विशेष-कार्य अधिकारी द्राम्बे टाउनशिप परियोजना (परमाणु ऊर्जा विभाग) के स्थायी मंडल-लेखापाल श्री शशिकान्त कृष्णजी लिमये को 9 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए भारी पानी परियोजना (बम्बई कार्यालय) में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15/17 नवम्बर 1973

सं० 05000/पी०/44/9647—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष कार्य-अधिकारी, भारी पानी परियोजना (ट्यूटीकोरिन) के स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी, श्री हनरी बर्नाविस प्रिन्स को 2 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी परियोजना में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकोर्ति
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

नई दिल्ली, दिनांक 16 नवम्बर 1973

सं० रापविष्प/00101/73-प्रशासन/स्था०/1967—
राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना संयंत्र-स्थल के मुख्य परियोजना अभियन्ता निम्न कर्मचारियों को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से इसी परियोजना में अस्थायी रूप से आगामी आदेश होने तक के लिए विज्ञान अधिकारी/इंजीनियर-प्रेड एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान ग्रेड	तिथि
1.	श्री बी० जी० शर्मा	फोरमैन	1-8-1973
2.	श्री सी० एच० बालाकृष्णन	फोरमैन	1-8-1973
3.	श्री टी० सी० बी० चारी	फोरमैन	1-8-1973
4.	श्री डी० एल० धीमान	विज्ञान सहायक (सी)	1-8-1973
5.	श्री जी० के० शर्मा	फोरमैन	3-8-1973
6.	श्री बी० आर० बालाजी	फोरमैन	24-8-1973
7.	श्री आर० एन० सिध्वाराय	फोरमैन	30-8-1973

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 13 नवम्बर 1973

सं० 16/37/64-स्था०-1—दक्षिणी बनराजिक महाविद्यालय, कोयम्बटूर में सहायक शिक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि समाप्त होने पर श्री टी० राजमन्नार की सेवाएँ दिनांक 10 अगस्त 1973 के पूर्वाह्न से आनंद प्रदेश राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

प्र्यामकिणोर सेठ,
अध्यक्ष,

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 19 नवम्बर 1973

सं० 16/224/73-स्थापना-1—अध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, इस संस्थान के अनुसंधान सहायक, प्रथम वर्ग श्री रामलाल खुराना को दिनांक 1 अगस्त 1973 के पूर्वाह्न से आगले आदेशों तक अस्थायी आधार पर सहर्ष अनुसंधान अधिकारी बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून नियुक्त करते हैं।

व० मी० ब्रेन्ट्रे,
कूलसर्चियर,
बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय,

(प्रशासन-शाखा-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 नवम्बर 1973

सं० प्र०-1/1 (390)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-II में उपनिदेशक श्री आर० एन० दास को दिनांक 5 नवम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न पूर्ति निदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

त० ब० अनन्तनारायणन,
उपनिदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

(खान विभाग)

कलकत्ता-13, दिनांक 13 अक्टूबर 1973

सं० 2181(छी० के० आई०)/19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ व तकनीकी सहायक (रसायन) श्री डी० के० इंदिरा, ए० आई० सी० को सहायक रसायनश के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 3-50-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रु० के वेतनमन में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश आने तक 28 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 14 नवम्बर 1973

सं० 2339(आर० ए० टी०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री राम अकबाल तिवारी को सहायक भूभौतिकीविद् के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश आने तक 5 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2339(एच० डी०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ए० एम० एस० ई० विंग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) के श्री हीरक दास को सहायक भूभौतिक विद् के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश आने तक, 31 अगस्त 1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 नवम्बर 1973

सं० 2251 (जी० के० मी०)/19 बी०—श्री जी० के० चक्रवर्ती को ड्रीलर के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 350-25-500-30-590-द० रो०-

30-800-इ० रो०-30-830-35-900 रु० के बेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश दिय जाने तक 23 अगस्त, 1973 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

श्री जी० के० चक्रवर्ती भारतीय भौवैज्ञानिक सर्वेक्षण में दिनांक 17-3-72 के पूर्वाह्न से तदर्थे आधार पर ड्रीलर का पद संभाले हुए थे।

एम० के० राय० चौधरी,
महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1973

सं० ए० 32013/11/73-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री जी० एस० गुप्ता को 1 नवम्बर, 1973 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में निदेशक विमानन मार्ग और विमान क्षेत्र (परिचालन) के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सुरजीतलाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1973

सं० ए० 19013/14/72-ई० एच०—श्री वाई आर० मल्होदा ने अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन, मांट्रियाल, कनाडा की परिषद् में भारतीय प्रतिनिधि के रूप में अपना समनुदेश पूर्ण कर लेने के बाद 20 अक्टूबर, 1973 से उप महानिदेशक, नागर विमानन के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सुरजीतलाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक, नागर विमानन

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

नई दिल्ली-3, दिनांक 3 अक्टूबर 1973

सं० ई० (1) 04168—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर कार्यालय के श्री एस० चक्रवर्ती, व्यवसायिक सहायक को 13-8-73 के पूर्वाह्न से 30-10-73 तक उन्नासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री चक्रवर्ती, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 3 नवम्बर 1973

सं० ई० (1) 04156—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता कार्यालय के श्री के० एम० विश्वास, व्यवसायिक सहायक को 13-8-1973 के पूर्वाह्न से 30-10-1973 तक उन्नासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री विश्वास, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 6 नवम्बर 1973

सं० ई० (1) 03954—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय के श्री एन० बी० शिराली, व्यवसायिक सहायक को 13-8-73 के पूर्वाह्न से 30-10-73 तक उन्नासी दिन की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एन० बी० शिराली, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, देनशिक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 7 नवम्बर 1973

सं० ई० (1) 05564—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली कार्यालय के लखनऊ के श्री पुष्पोन्नु सरकार, वैज्ञानिक सहायक को भारतीय मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी-II (केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-II) में 11 सितम्बर 1973 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री सरकार निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के अधीन मौसम केन्द्र, लखनऊ में तैनात किये गये हैं।

सं० ई० (1) 04226—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के श्री के० एल० शारदा, व्यवसायिक सहायक को 12 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री के० एल० शारदा, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04369—भारत मौसम विज्ञान विभाग के डा० डी० एन० सिकन्दर, सहायक मौसम विशेषज्ञ (विदेश में असाधारण अवकाश पर) का त्यागपत्र, जो इस समय अंतर्रिक्ष विज्ञान और अभियांत्रिक केन्द्र, विज्ञानसित विश्व विद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में नियुक्त है, 25-8-70 के पूर्वाह्न से स्वीकार कर लिया गया है।

दिनांक 8 नवम्बर 1973

सं० ई० (1) 05634—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना कार्यालय के श्री जी० सी० हलदर, व्यवसायिक सहायक को 11 अक्टूबर, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी प्रादेशिकों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री जी० सी० हलदर, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ वेधशालाओं के उप महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना कार्यालय में ही, तैनात रहेंगे।

नूतन दास,
मौसम विशेषज्ञ
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 2 नवम्बर 1973

सं० 1/326/73-स्था०—वि० प्र० अ०, पूना के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री ए० चन्द्रमौलि को 29 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी कार्यालय में, स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 नवम्बर 1973

सं० 1/327/73-स्था०—परियोजना कार्यालय, नई दिल्ली के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री डी० एस० सक्षेना को 29 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक, उसी कार्यालय में, स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 16 नवम्बर 1973

सं० 1/19/73-स्था०—बम्बई शाखा के स्थायी सहायक पर्यवेक्षक, श्री ए० य० नायक को 3 सितम्बर, 1973 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 2 नवम्बर 1973

सं० 1/301/73-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा आवीं शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री एम० बी० के० कुट्टी को 15 फरवरी, 1973 से लेकर 21 सितम्बर, 1973 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

म० एस० कृष्णास्वामी,
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1973

सं० 1/321/73-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा कलकत्ता शाखा के स्थायी सहायक पर्यवेक्षक, श्री एन० के० दास को 26 जुलाई, 1973 से लेकर 21 अगस्त, 1973 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिये उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

पी० के० जी० नायर,
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग
(जल स्कंध)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 6 अक्टूबर 1973

सं० क-19012/235/73-प्रशासन-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री आर० के० खन्ना को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजी-नियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में स्थानापन्न होने के लिये पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं। उनके 14-9-73 (पूर्वाह्न) से जब तक आगे आवेश नहीं होते, तदर्थ रूप में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजी-नियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में नियुक्त किये जाने पर उन्हें पर्यवेक्षक के पद का ग्रेड-वेतन तथा इस प्रतिशत भत्ता प्राप्त करने का अधिकार होगा।

श्री आर० के० खन्ना ने उपरोक्त तारीख तथा समय से केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 5 नवम्बर 1973

सं० क-19012/415/73-प्रशासन 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग डा० अर्जीत कुमार सेन को एतद्वारा उनके संघ लोक सेवा आयोग द्वारा चुने जाने के परिणामस्वरूप उन्हें केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कंध) नई दिल्ली में 15-10-73 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक सहायक अनुसंधान अधिकारी (विज्ञान रसायन ग्रुप) के पद पर नियुक्त करते हैं।

डा० अर्जीत कुमार सेन उपरोक्त तिथि तथा समय से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर होंगे।

के० पी० बी० मेनन,
ग्रवर सचिव

कृते अध्यक्ष, के० ज० और वि० आयोग

स० 33/4/73-प्रशा०-4—राष्ट्रपति, वरिष्ठ वास्तुक (दिल्ली प्रशासन), एकक-II/लोक निर्माण विभाग, विकास भवन, नई दिल्ली के पास लगे हुए श्री जी० एस० शाही उप-वास्तुक को सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-I में इसी विभाग में 15-10-73 (पूर्वाह्न) से 700-40-1100-50/2-1250 के वेतनमान में स्थानापन्न वास्तुक नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश सरबरिया,
प्रशासन उप निदेशक

कार्यालय प्रधान अधिकारी अधिकारी
प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना,

दहरादून, दिनांक 13 नवम्बर 1973

सं० 6/157/73-लौ० प्र००—निदेशक, प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, श्री एच० बी० इन्डले, सहायक वन संरक्षक वन विभाग महाराष्ट्र सरकार को दिनांक 10-10-73 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक प्रकाष्ठ निष्कासन केन्द्र

परियोजना, चन्द्रपुर (महाराष्ट्र) में अस्थाई रूप से प्रकाश निष्कासन अनुदेशक, सहर्ष नियुक्त बारते हैं।

महेन्द्र नाथ अस्थाना,
प्रधान अधिकारी अधिकारी

दक्षिण मध्य रेलवे

सिकन्दराबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1973

सं० पी० 185/गजट/स्टोर्स—श्री० टी० सुब्रमनियम को, जो भंडार विभाग में श्रेणी-II अधिकारी है, 22-7-1968 से दक्षिण मध्य रेलवे के भंडार विभाग की श्रेणी-II सेवा में स्थाई किया जाता है।

पी० एन० कौल,
महाप्रबन्धक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

इलाहाबाद दिनांक 5 नवम्बर 1973

सं० 121/1973—श्री एच० सी० दीवान, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी-II को, जो बाराणसी मंडल के अन्तर्गत आजमगढ़ में तैनात है, एतद्वारा रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में रु० 800/- के वेतन-स्तर पर दिनांक 22-2-1973 से दक्षता-रोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

दिनांक 14 नवम्बर 1973

सं० 123/1973—श्री हर्षनाथ सिंह, स्थानापन्न अधीक्षक को, जो केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मंडल, इलाहाबाद में तैनात है, रु० 350-25-500-30-590-द० रो० 30-800-द० रो०-30-830-35-900 के वेतनमान में रु० 590/- के वेतन-स्तर पर दिनांक 3-6-1970 से दक्षता-रोक पार करने की अनुमति दी जाती है।

ज्योतिर्मय दत्त,

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, इलाहाबाद

बम्बई, दिनांक 25 अक्टूबर 1973

सं० 23—श्री आर० क० प्रधान, स्थायी मूल्य निरूपक, बम्बई सीमा शुल्क भवन, दिनांक 13-10-73 (अपराह्न) में सेवा निवृत्त हुए।

एम० आर० रामचन्द्रन,
सीमा शुल्क समाहर्ता, बम्बई

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रेसीडेंसी टाइप
फाउन्ड्री प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 31 अक्टूबर 1973

सं० 3(510) 73-74/4968—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि प्रेसीडेंसी टाइप फाउन्ड्री प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और कम्पनी विधिवत हो गई है।

स० प्र० तायल,
कम्पनी निवंधक, विहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं न्यूएरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 3 नवम्बर 1973

सं० 14952/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि न्यूएरा कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिवत हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं राजन मेहता एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 16 नवम्बर 1973

सं० 10035/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राजन मेहता एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिवत कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं नोबेल प्यूपल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई-2, दिनांक 16 नवम्बर, 1973

सं० 11395/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नोबेल प्यूपल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिवत कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं इवैजलीकल बापटिस्ट फैलोशिप के विषय में

बम्बई-2, दिनांक 17 नवम्बर 1973

सं० 13751/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इवैजलीकल बापटिस्ट फैलोशिप का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिवत कर दी जाएगी।

एस० नारायणन्,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम 1956, की धारा 445 (2)के अधीन
सूचना

एरणाकुलम, दिनांक 5 नवम्बर 1973.

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और पासलैण्ड कोपरेशन प्राइवेट लिमिटेड के मामले में सिविल अर्जी सं० सी० पी० ३ आफ 1973 में केरल में स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 1-6-1973 के आदेश द्वारा पासलैण्ड कोपरेशन प्राइवेट लिमिटेड का परिसामापन करने का आदेश दिया गया है।

के० के० मेस्ट्र मुहम्मद
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स स्कायलाइन
एक्सीबीटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1973

सं० 1952/560/—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स स्कायलाइन एक्सीबीटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, गुजरात

अभिलेखों का विनाश

कटक, दिनांक 9 नवम्बर 1973

सं० जे० आर० क्य०-11/73-2174—एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निर्धारित दिनांक में कम्पनी आईन और अवश्यक के अनुसार रजिस्टर में काट दी गई और विघटित हो गई अधीलिखित कम्पनियों कागजात और पत्रालय भारत के राजपत्र में प्रकाशन से तीन महीनों के बाद नष्ट कर दिया जायेगा।

कम सं०	कम्पनियों का नाम	किस तारीख में रजिस्ट्रेशन हुई	किस तारीख में काट दी गई ^{या} हो गई
--------	------------------	-------------------------------------	---------------------------------------------------

1	2	3	4
मर्वे मैसर्स			
1.	ईलेक्ट्रोकल आसोसियेशन लिमिटेड	18-4-40	27-4-51
2.	उड़ीसा ग्लास वर्क्स लिमिटेड	28- 2-46	29-10-51
3.	द्वार्गेल प्रेस लिमिटेड	28-11-46	22-2-50
4.	नेशनल इंजीनियर्स लिमिटेड	28-11-46	22-2-50
5.	डुमा इलेक्ट्रोकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड	19-12-46	9-2-50

1	2	3	4
मैसर्स सर्वे			
6. उड़ीसा मेटल एण्ड टिम्बर इंडस्ट्रीज लिमिटेड	26-3-47	21-5-51	
7. हैस्टन स्काईवेज लिमिटेड	26-3-47	10-8-50	
8. हिन्द ट्रेडिंग कम्पनी लिमिटेड	5-2-47	3-9-49	
9. सुमान्डी सलट काकाट्री लिमिटेड	25-7-47	22-5-51	
10. सीभा एण्ड कम्पनी लिमिटेड	3-9-47	2-4-51	
11. उड़ीसा फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड	4-10-47	22-2-50	
12. मोहन कैमीकल एण्ड आयर्वेंदिक कम्पनी लिमिटेड	12-1-48	4-4-49	
13. उड़ीसा नेशनल बैंक लिमिटेड	28-2-48	10-8-50	
14. उड़ीसा आइरन स्टील हाईड्रेयर्स कोपरेशन लिमिटेड	7-5-48	21-2-50	
15. उड़ीसा मार्शिनिंग सोन्डीकेट लिमिटेड	11-4-48	29-5-50	
16. एम० सी० डीवाल एण्ड कम्पनी (उड़ीसा) लिमिटेड	29-1-49	27-5-50	
17. कृष्ण इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमि- टेड	13-9-50	12-6-52	
18. राजगान्गापुर इन्वेस्टमेंट कम्पनी लिमिटेड	13-9-50	12-6-52	
19. मिनिरल्स लिमिटेड	4-7-51	27-7-52	
20. पटना मिलज इंडस्ट्रीज आसो- सीयेशन लिमिटेड	3-11-42	15-8-51	
21. उड़ीसा डब्लेपर्मेट ट्रस्ट लिमि- टेड	3-9-47	2-4-51	

एस० एन० गृहा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गंगा फिल्म्स प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 12 नवम्बर 1973

सं० 831/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गंगा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
सहायक कम्पनियों का रजिस्ट्रार (तमिलनाडु)

प्रैरुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12-12-1973

मंआरए०सी०-१२९/७३-७४-यतः मुझे एस० बाल० मुश्तक्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० 3/28 नया नं० 5/57 कादिरी है, जो अनन्तापुर में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनन्तापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री के० गोपाल कृष्णमध्या गृहा, कादिरी अनन्तापुर (अन्तरक)

2. श्री एम० वेंकटरत्नम् एम० जी० रोड, कादिरी अनन्तापुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में, यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—3-28, नया नं० 5-53, मकान तथा उपर का मजला, जो कादिरी गांव, गांधीनगर, अनन्तापुर में स्थित है।

एस० बालमुश्तक्यम
मध्यय अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-12-1973

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता
दिनांक 10 दिसंबर, 1973

निर्देश सं० ए०सी०-७५/आर०-II कैल/73-७४-यतः
मुझे एम०एन०तिवारी सहायक आयकर आयुक्त, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 37/ए है, जो 'बी' ड्लौक न्यू अलीपुर, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीपुर सदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-थ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कुमारी दीपाली चक्रवर्ती (अन्तरक)

2. श्री असित बरन चौधरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक 'बी' न्यू अलीपुर कलकत्ता में प्लॉट नं० 37 ए जिसका को बफल 4.63 रेक्टा है।

पी० एन० तिवारी
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अमिक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, II, पी०-13, चौरांगी स्क्वायर,
कलकत्ता।

तारीख : 10-12-73

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस० · · · · ·

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण कार्यालय,

अर्जन रेज II

पी-१३ चौरंगी स्कवायर कलकत्ता

दिनांक 10 दिसम्बर 1273

निर्देश सं० एसी०-७६/आर०-११/कैल/७३-७४—यतः मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है और जिसकी सं० 264 बी (पश्चिमी भाग) है, जो जतीन आगच्छी रोड टालीगंज कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुच्छेदी में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-६-१९७३ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के सिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अन्नपूर्ण घोष (अन्तरक)

2. श्री माया मालाकार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी०आई०टी० स्कीम नं० XLVII में नं० 264 की जतीन बागची रोड थाना टालीगंज जिला 24 परगामा, कलकत्ता के पश्चिमी भाग की 2 कट्टा 5 छटांक 29 वर्गफीट जमीन

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, पी-१३ चौरंगी स्कवायर कलकत्ता
तारीख : 10-१२-७३
मोहर :

प्रस्तुप आई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II

पी-13, चौरंगी स्कवायर कलकत्ता
दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० एसी० आर०-11/फैल/73-74 यतः, मुझे
एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी नो, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० 27 (पूर्वी भाग) है, जो कूक्लर लेन टालीगंज
कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार
अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 22-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीट्रुट विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269वा के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुमुदनी विश्वास (अन्तरक)

2. मेसर्स टेक्नी प्रोसेस प्रा०) लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध वित्ती
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर भग्नालि
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आशेषों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएं
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा प्राशेष किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 27 कूक्लर लेन (थाना टाली गंज, कलकत्ता और
का पूर्वी भाग, जिसमें 2 कट्ठा 1 छटांक 34 वर्गफीट जमीन हैं।

एम० एन० तिवारी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, II
पी-13, चौरंगी स्कवायर कलकत्ता

तारीख : 10-12-1973

मोहर :

प्रस्तुति आई०टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज I

पी-13 चौरंगी स्कवायर, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 दिसम्बर 1973

निर्णय पं० टी० आर० 509/सी० 96/कल-1/73-74
यतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 58 है, जो मैकलियोड स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्योरेंसेज 5 गवर्नर्मेंट प्लेस, नार्थ कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन 1973 को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पल्ह ह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुल्क करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नील रत्न औदी (अन्तरक)
 2. शेख मनुषर अली आबाद शेख मुरसिदुल ईस्लाम (अन्तरिती)
 3. श्री सी०आर० लोपेज
 4. श्री हरि साधन धोप वह व्यक्ति/जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।
- उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेस संख्या 58 मैकलियोड स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित तीन मंजिला हैंट निर्मित मकान जगीन के साथ रकबा 3 कट्टा 1 छटाक।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I,
पी-13 चौरंगी स्कवायर कलकत्ता-1
तारीख 27 दिसम्बर 1973
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....
 आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-घ-(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़
 156, सेक्टर 9-बी
 चण्डीगढ़, दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० एम० के० एल० /1023/73-74—यतः, मुझे
 जी० पी० सिंह सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
 चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹० से अधिक है और
 जिसकी सं० प्लाट है जो मलेरकोटला में स्थित है (और इसमें
 उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 के (1908 का 16) के अधीन
 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
 उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
 रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
 यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
 उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
 प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
 (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया
 गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
 उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और / या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रोशन पुत्र उमरा मलेरकोटला (अन्तरक)
2. (i) श्री ओम प्रकाश
 (ii) श्री देसराज
 (iii) श्री हंस राज
 (iv) श्री शाम लाल
 (v) श्री हारी राम
 (vi) श्री प्यारे लाल
 (vii) श्री रामधारी पुत्र/पुत्री भागी राम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जो मलेरकोटला में स्थित है। (जायदाद जो सम्पत्ति अनुसार 4 जून, 1973 में 1045 रजिस्ट्रीडीड नं० दिया है)।

जी० पी० सिंह
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 14-12-73

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०.....
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4,
बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 120 निःस०आ० आ०ई०-४/७३/७४—अतः
मुझे, श्री ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बम्बई-4, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43.) की धारा 269 ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25000-रु० से अधिक है
और जिसकी सर्वें सं० 1000 प्लाट सं० 1027 (भाग) और 1028
है, जो मुलुंड, में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बान्द्रा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 4-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-
ष्ठत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं :—

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्से एल्हरीन बिल्डर्स/149,
नवीन निवास, तिमरा भाला, डेन्जी सेठ,
अंजतानगा लेन, बम्बई-2 (अन्तरक)
2. वेस्ट नन्ननवन को-आ० हार्डिंग सोसाइटी लिमिटेड,
1028, बावा पदुमसिंह रोड, मुलुंड, बम्बई-८० (अन्तरिती)

3. अन्तरिती याने वेस्ट नन्ननवन को-आ० हा० सो० लि०
के मेस्वर्से ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या शंगा, जो उस पर^{खड़े} ढाँचों और तीन मालेके बिल्डिंग सहित उप-जिला बान्द्रा,
वृहत बम्बई उपनगर के बावा पदुमनसिंह कास रोड पे मुलुंड में,
मौजूद और पड़ा हुआ है, जिसकी सर्वेक्षण सं० 1000, प्लाट सं० 1027 (भाग) और प्लाट सं० 1028, जिसका क्षेत्रफल नाप
से 2540-४ वर्गजग, या 2124 वर्ग मीटर के समकक्ष है और
जो निम्न प्रकार घिरा हुआ है—याने,

उत्तर में या और अंशतः प्लाट सं० 1001 और प्लाट सं० 1002 से, दक्षि में या और बावा पदुमनसिंह कास रोड से पश्चिम
में या और पुरावोत्तम दासजी कोठारी के और बेलजी दामजी
कोठारी के संपत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 1000, प्लाट सं० 1026 (भाग) और प्लाट सं० 1027 (भाग) से ।

ग० सो० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बम्बई-४

तारीख : 10-12-1973

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० १९७३—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक), अर्जन रेंज-4

बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० अ० सं० 119/नि०स०आ० अ०ई०-4/73-74—
यतः मुझे, श्री ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2
हिस्सा सं० 3 (अंश) सी०टी० एस० सं० 538/2, 538 और
538/1, प्लाट सं० 19, 20 और 21 हैं, जो ओशिवरा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 1-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

3--376GI/73

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नोशिखान मुलुक इरानी और अन्य,
15, कावारूपी पटेल स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1
(अन्तरक)

2. मुलतार सी० मुन्जी और अन्य
मुनिबर अबाद चारिटेबल ट्रस्ट के स्ट्रीज, 132,
मुटन स्ट्रीट, बम्बई-3
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीयाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस प्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, को सुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रायुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची 1. —भूमि या मैदान का बहुतमाम टुकड़ा या अंश जो रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, बम्बई उपनगर जिले में, बूहूत बम्बई नगर के कक्ष में ओशिवरा गांव में जो जोगिश्वरी के नजदीक है, मौजूद और पड़ा हुआ है, जो प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 19, जो माप से 530-70 वर्गगज याने 444 वर्गमीटर या उसके लगभग के समकक्ष है, और लैण्ड रेकार्ड के डिस्ट्रिक्ट इन्सपेक्टर के अनुसार 444 वर्गमीटर है और जिसकी सर्वेक्षण सं० 2 हिस्सा सं० 3 (अंश) नगर सर्वेक्षण सं० 538/2 है, और जो निम्न प्रकार से घिरा हुआ है :—याने पूर्व में या और 20 फीट चौड़े रास्ते से और उसके पीछे उसी प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 21 और 22 से, पश्चिम में या और भूमि से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 2, हिस्सा सं० 2 से, उत्तर में या और उसी प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 20 से और दक्षिण में या और उसी प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 17 और 18 से और उसके पीछे 30 फीट संलग्न सड़क से जो स्वामी विवेकानन्द रोड से मिलती है, और जो संलग्न नक्शे में लाल सीमा रेखाओं से रेखांकित किया गया है और निर्देशित प्लाट की नगर सर्वेक्षण सं० 538/2, के वार्ड सं० 5391(19) स्ट्रीट सं० 19 है।

अनुसूची 2.—भूमि या मैदान का बहुतमाम टुकड़ा या अंश जो रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, बम्बई उपनगर जिले में, बहुत बम्बई नगर के कक्ष में ओशिवरा गांव में जो जोगेश्वरी के नजदीक है, मौजूद और पड़ा हुआ है, जो प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 20 है, जो माप से 535-50 वर्ग गज याने 448 वर्गमीटर या उसके लगभग के समकक्ष है और लैण्ड रेकार्ड के डिस्ट्रिक्ट इन्सपेक्टर के अनुसार, 448

वर्गमीटर है और जिसकी सर्वेक्षण सं० 2 हिस्सा सं० 3 (अंश) नगर सर्वेक्षण सं० 538 है और जो निम्न प्रकार घिरा हुआ है याने पूर्व में या और उसी प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 21 से हिस्सा सं० 2, उत्तर में या और उस संपत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 2, हिस्सा सं० 3 (अंश), दक्षिण में या और अंशतह उसी प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 19 और 20 फीट चौड़ा जमीन के टुकड़े से और जो संलग्न नक्शे में लाल सीमा रेखाओं से रेखांकित किया गया है और निर्देशित प्लाट की नगर सर्वेक्षण सं० 538, के वार्ड सं० 5391(20), स्ट्रीट सं० 20 है।

अनुसूची 3. : भूमि या मैदान का बहुतमाम टुकड़ा या अंश जो रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, बम्बई उपनगर जिले में बहुत बम्बई नगर के कक्ष में ओशिवरा गांव में जो जोगेश्वरी के नजदीक है, मौजूद और पड़ा हुआ है, जो प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 21, जो माप से 555-8 वर्गगज याने 465 वर्गमीटर या उसके लगभग के समकक्ष है और लैण्ड रेकार्ड के डिस्ट्रिक्ट इन्सपेक्टर के अनुसार 465 वर्गमीटर है और जिसकी सर्वेक्षण सं० 2 हिस्सा सं० 3 (अंश) नगर सर्वेक्षण सं० 538/1 है और जो निम्न प्रकार घिरा हुआ है याने पूर्व में या और उस भूमि से, जिसकी सर्वेक्षण सं० 17 हिस्सा सं० 14 है, पश्चिम में या और अंशतः उसी प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 20 और अंशतः 20 फीट चौड़े जमीन के टुकड़े से, उत्तर में या और उस भूमि से जिसकी सर्वेक्षण सं० 2, हिस्सा सं० 3 (अंश) है, दक्षिण में या और उसी प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 22 से और जो संलग्न नक्शे में लाल सीमा रेखाओं से रेखांकित किया गया है और निर्देशित प्लाट की नगर सर्वेक्षण सं० 538/1, के वार्ड सं० 5397(21), स्ट्रीट सं० 21 है।

ग० सो० राध
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष)
अर्जन रेज, 4, बम्बई।

प्रलेप आई० टा० एन० एस० —
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज 4, बम्बई
तारीख 10-12-1973

निर्देश सं० अ० सं० 118/नि० सं० आ० अ० ई० 4 73-74—
अतः मुझे श्री ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 2, हिस्सा
सं० 3 (अंश) सी० टी० एस० सं० 538/5, प्लाट सं० 17 है, जो
ओशिवरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 1-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझ यह
विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तर-
कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए युक्त बनाना; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

अतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए
गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर,
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथाति :—

1. श्री नोशिखान मुलुक इरानी और अन्य 15, कावास्जी
पटेल स्ट्रीट, फार्ट, बम्बई-1। (अन्तरक)
2. श्री मुख्तार सी० मुजो और अन्य मुनिवर अबाद आरिटेल-
ट्रस्ट के ट्रस्टीज, 132 मुट्टन स्ट्रीट, बम्बई-3। (अन्तरिती)
की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियर्त किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का तमाम वह टुकड़ा या अंग जो रजिस्ट्री उप-
जिला बान्दा, उपनगर जिले में बहुतबम्बई नगर के कक्ष में ओशिवरा
गांव जो जोगेश्वरी के नजदीक है, मौजूद और पड़ा हुआ है जो
प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 17 है, जो मापसे 731-
57 वर्गांज याने 611-66 वर्गमीटर या उसके लगभग समकक्ष
है और लैण्ड रेकार्ड के डिस्ट्रीक्ट, इन्स्पेक्टर के अनुसार जिसका
क्षेत्रफल 612 वर्गमीटर है, और जिसकी सर्वेक्षण सं० 2, हिस्सा
सं० 3, अंश नगर सर्वेक्षण सं० 538/5 है और जो
निम्नप्रकार से घिरा हुआ है—याने पूर्व में या और उसी प्राइवेट
डेवलपमेंट स्कीमकी प्लाट सं० 18 से पश्चिम में या और उसी
प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीमकी प्लाट सं० 16 से उत्तर में या और
अंशत उसी संपत्ति से जिसकी सर्वेक्षण सं० 2, हिस्सा सं० 2 (अंश)
और अंशत उसी प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 19
दक्षिण में या और 30 फीट चौड़ी संलग्न सड़क से, जो स्वामी
विवेकानन्द रोड से मिलती है, और जो संलग्न नक्शे में लाल सीमा
रेखाओं से रेखांकित किया गया है और निर्देशित प्लाट की नगर
सर्वेक्षण सं० 538/5 के वाई सं० 5397(17) स्ट्रीट सं० 17
है।

ग० सो० राष्ट्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4, बम्बई
दिनांक 10-12-1973।
मोहर

प्रूप आईटीएनएस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता ।

पी० 13 चौरंगी स्कोवार, कलकत्ता,

विनाक 10 दिसंबर, 1973

निर्देश सं० ए० सी० 74/८ II/कलकत्ता/73-74:-यतः

मुझे एम० एन० तिवारी आयकर अधिनियम, 1961, 1961 का 43 की धारा 269ष के अधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 27 है, जो कफलार लेन, कलकत्ता (पश्चिमी भाग) में स्थित है और इससे उपाखद अननुच्छी में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ण अधिकारी के कार्यालय साबरजिस्ट्रार, अलीपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

अन्तरक

श्रीमती कुमुदिनी विश्वास 16, साउथ ए पार्क, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

जटेन्द्री प्रोसेस प्रा० लि०, 23, कामाक स्ट्रीट, कलकत्ता ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के आधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

द्वाली जमीन जिसके परिमाण 2 काटा 11 छटांक 11 काप्ता जो नं० 27 कफलार लेन (पश्चिमी भाग) कलकत्ता में अव्यवस्थित है।

एम० एन० तिवारी
संशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II पी० 13, चौरंगी स्कोवार
कलकत्ता ।

तारीख: 10-12-1973।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43 की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज 4 बम्बई
दिनांक 10-12-1973

निदश सं० अ० सं० 117/नि० स० आ० अ० ई० 4
73-74— अतः मुझे, श्री ग० स० राव,
सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज बम्बई आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000रु० से
अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 2 हिस्सा सं० 1(अंश) और 3.
(अंश) सी० टी० एस, सं० 538/4, प्लाट सं० 16।
है, जो ओशिवरा में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1-6-7-3 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख
के अनुसार अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुआ प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्री नोशिरवान मुलुक इरानी और अन्य 15 कानजी पटेल
स्ट्रीट, पोर्ट, बम्बई-1 (अन्तरक)
2. श्री मुहम्मद री० मुज्जी और अन्य मुनीबर अबाद चारिटेबल
ट्रस्ट के ट्रस्टीज, 132, मुटन स्ट्रीट, बम्बई-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या अंग, जो रजिस्ट्री
उप-जिला बान्दा, बम्बई उप-नगर जिले में बूहत, बम्बई नगर के
कक्ष में ओशिवरा शांव में, जो जोगेश्वरी के नजदीक है, मोजूद और
पड़ा हुआ है, जो प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 16 है, जो
मापसे 819-44 वर्गगज याने 698-50 वर्गमीटर या उसके
लगभग समकक्ष है और लैण्ड रेकार्ड के डिस्ट्रीक्ट इन्वैक्टर के
अनुसार 698 वर्गमीटर है और जिसकी सर्वेक्षण सं० 2 हिस्सा
सं० 3 (अंश), और 1(अंश), नगर सर्वेक्षण सं० 538/4 है
और जो निम्नप्रकार से घिरा हुआ है:— याने पूर्व में या और उसी
प्राइवेट डेवलपमेंट स्कीम की प्लाट सं० 17 से, पश्चिम में या और
44 फीट चौड़ी सड़क से, उत्तर में या और अंशतः उसी संपत्ति से,
जिसकी सर्वेक्षण सं० 2 हिस्सा सं० 2 और दक्षिण में या और 30
फीट चौड़ी संलग्न सड़क से जो स्वामी विवेकानन्द रोड से मिलती है
और जो संलग्न नक्शे में लालसीमा रेखाओं से रेखांकित किया गया
है और निर्देशित प्लाट की नगर सर्वेक्षण सं० 538/4 के बांड
सं० 5397(16), स्ट्रीट सं० 16 है।

ग० स० राव,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

विनांक 10-12-1973

अर्जन रेंज-4 बम्बई।

मोहर :

प्ररूप, आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 दिसंबर 1973।

निर्देश सं० अ० सं० 116/नि० सं० आ० अ० ई०-4/73-74—

अतः मुझे, श्री ग० सो० राव, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 41 (अंश) और 48 (अंश) सी० टी० एस० सं० 113 और 111 (अंश) हैं, जो तुनावा गांव में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वास के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. दुर्गादेवी, चन्द्राभेन भुरामल शर्मा की पत्नी दुर्गानिधास, पवई, बम्बई-78 (अन्तरक)

2. मोहनलाल भुदरभाई गांधीट्रस्ट देवकरन मान्यन पहला माला, 63, प्रिन्सेस स्ट्रीट, बम्बई-2 (अन्तरिती)

3. मर्गसं कानजी शावजी पारेख, 51, मन्गलदास, रोड, बम्बई-2। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अनुद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-दद्दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिग्रन्ति किया जाता है कि इस स्थायर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की गुणावृत्ति के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिग्रन्ति किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय लुप्त जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक कृषि या भूमि का वह तमाम टुकड़ा या अंग जो बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा, रजिस्ट्री, उप-पजला बम्बई उपनगर के तूनवाडा गांव में पवई इस्टेट में पड़ा हुआ है। जिसका क्षेत्रफल कुल माप 131.5 वर्गमीटर या उसके लगभग या 10965-84 वर्गमीटर या उसके लगभग के समकक्ष है (जो वास्तविक माप से 13204 वर्गमीटर या नाप से 11039-86 वर्गमीटर या उसके लगभग) जिसकी पहले लैण्डलाईंड की पुरानी सर्वेक्षण सं० 31 (अंश), जो माप से 12485 वर्गमीटर या उसके लगभग या 10439 वर्गमीटर या उसके लगभग के समकक्ष है और पहले लैण्डलाईंड की पुरानी सर्वेक्षण सं० 83 (अंश) जो नाप से 630 वर्गमीटर या उसके लगभग या 526-76 वर्गमीटर या उसके लगभग के समकक्ष है, अभी जिस जमीन की नया सर्वेक्षण सं० 41 (अंश) और 48 (अंश) और नगर सर्वेक्षण सं० 114 (अंश) और 113 (अंश) और जो निम्न प्रकार घिरा हुआ है।

याने पूर्व में या ओर साकी विहार रोड से, पश्चिम में या ओर उस संपत्ति से, जिसकी पहले लैण्डलाईंड की पुरानी सर्वेक्षण सं० 30 (अंश), उत्तर में या ओर अंशत मेसर्स खाण्डेलवाल ब्रदर्स के संपत्ति से और अंशत बाच फैक्ट्री से जिसकी पहले लैण्डलाईंड की पुरानी सर्वेक्षण सं० 31 (अंश) और दक्षिण में या ओर संपत्ति से जिसकी पहले लैण्डलाईंड की पुरानी सर्वेक्षण सं० 88 (अंश) और जमीन का वो टुकड़ा या अंग, जिसकी नया सर्वेक्षण सं० 41 (अंश) और 48 (अंश), जो संलग्न लगाये प्लान में लाल कलर रेखाओं से रेखाकृत किया गया है।

ग० सो० राव,

समक्ष प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

दिनांक 10-12-1973

अर्जन रेंज 4 बम्बई

मोहर :

प्रदूष आई थी। एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 दिसंबर 1973

निर्देश सं० अ० सं० 115/नि० सं० आ० अ० ई०-४/७३-७४--
अतः मुझे, ग० सो० राव, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4 बम्बई, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि अस्थाई
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु से अधिक
और जिस की सं० सर्वे सं० 8, हिस्सा सं० 5 है, जो आंधिवली गांव
में स्थित है (और इससे उत्तरांश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 20-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से गम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पलटह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिनी द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दिलिप हिमतलाल तालसानिया 105, प्रिसेस स्ट्रीट,
बम्बई-2। (अन्तरक)

2. केतनावर्ष बत्तलभाई पटेल गुरुनगर नं० 1, वरसौवा
रोड, अंधेरी, बम्बई-58 (अन्तरिती)।

3. गणपत बाबू (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, उन सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसको सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप दिया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
को सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का यह तमाम टुकड़ा या अग जो ब० उ० जि०
अंधेरी के आंधिवली गांव में स्थित है और जिसका विवरण निम्न-
लिखित है :— रजिस्ट्री जिला बान्द्रा जिला बम्बई उपनगर।
सर्वे सं० हिस्सा सं० क्षेत्रफल वर्गग्रन्ति क्षेत्रफल वर्गमीटरों
में में

1328

110-38

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक 5-12-1973

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज-4 बम्बई
बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० अ० सं० 114/नि० सं० आ०, अ०ई० 4/73-74—
अतः, मुझे ग० सो० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विष्वास करने का कारण है कि अस्थाई सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000- रु० अधिक है और जिसकी
सं० सर्वे सं० 16, हिस्सा सं० 3 और 4 है, जो आंबिवली
गांव में स्थित है (और इससे उत्तरद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है,
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिति में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बोबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. चंदन हिम्मतलाल तालसानिया, 105, प्रिसेन्स रट्टीट
बम्बई-2 (अन्तरक)
2. रमेश प्रभुभाई पटेल, गुरु नगर नं० 1 बरसोवा रोड,
अंधेरी, बम्बई-59 (अन्तरिती)
3. गणपत बाबू और बायजीबाई तुलजा वाली (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती वैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथाप्रभावित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उपरोक्त पहली अनुसूची

कृषि भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो ब० उ०
जि० अंधेरी, के आंबिवली गांव में स्थित मौजूद और पड़ा हुआ है
और जिसका विवरण निम्नलिखित है:—रजिस्ट्री उप-जिला और
जिला बम्बई नगर।

सर्वे सं०	हिस्सा सं०	क्षेत्रफल वर्गगजों में	क्षेत्रफल वर्ग मीटरों में
16	3	567	481-61

उपरोक्त दूसरी अनुसूची

कृषि भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या अंग जो ब० उ०
जि० अंधेरी के आंबिवली गांव में स्थित मौजूद और पड़ा हुआ है
और जिसका विवरण निम्नलिखित है:—रजिस्ट्री उप-जिला
और जिला बम्बई नगर।

सर्वे सं०	हिस्सा नं०	क्षेत्रफल वर्गगजों में	क्षेत्रफल वर्ग मीटरों में
16	4	333	278-43

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 5-12-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० ई० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4 बम्बई

दिनांक 5 दिसंबर 1973

निर्वेण सं० अ० सं० 113/नि० सं० आ०, अ० ई० 4/73-74

यतः मझे, ग० सो० राव, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन समक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी मं० मर्वे सं० 138 ए (भाग-3) प्लाट सं० 28 है, जो आंविली गांव में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती अन्तरितियों के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगजार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :—

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. करतार कोर रकुवीर सेट्टी, रामचन्द्र मान्नन, न्यू भाटवाडी, ए० जी० स्ट्रीट, बम्बई। (अन्तरक)

4-376GI/73

2. कुमारी धी इमेनटीसी एम्प्लाइज को० आ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड मेंकर भवन नं० 2, 90, न्यू मरीनलाईन्स, बम्बई-20' (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम भाग या टुकड़ा उस पर खड़े ढांचों सहित, जो आंविली गांव (जिस आंविली भी कहा जाता है), में स्थित मौजूद और पड़ा हुआ है। इसका तालुका दक्षिण भालसेट्ट है, जो बान्द्रा के उपनिले में और बम्बई उपनगर जिले में आता है प्लाट नं० 28 है। अत्रिफल 876 वर्गगज है जो 732-42 वर्गमीटर के वरावर या लगभग हैं और यह सर्वे मं० 138 ए (भाग-3) का हिस्सा है तथा संलग्न नक्शे में लाल सीमा रेखाओं से दिखाया गया है। गांव निम्नप्रकार घिरा हुआ है :—अर्थात् उत्तर में या ओर प्लाट नं० 29 की सम्पत्ति से, दक्षिण में या ओर प्लाट नं० 27 से पूर्व में या ओर दाके कालोनी से और पश्चिम में या ओर 30 फीट चौड़ी सड़क में।

ग० सो० राव,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 4 बम्बई

दिनांक 5-12-1973

मोहर :

प्र० आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण महायक आयकर आयुक्त-अर्जन लखनऊ
का कार्यालय

दिनांक 11-12-1973

निर्देश० सं० 23ए/अर्जन—यतः मुझे एस० सी० वहल
निरीक्षक महायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वारा बारने का बारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से
अधिक है और जिसकी स० 59, 62, 63 है, जो जिला नैनीताल में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वारा बारने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उगके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथा पात्रा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग, के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दीनत राम (अन्तर्गत)

2. श्री अमीचन्द्र आदी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर वे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सूने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में स्थापारिभायित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता क्रपि भूमि जिसका रक्खा 70 बीघा और 12
विस्वा है जो जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० वहल,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख 11-12-73

मोहर :

जो लागू न हो उसे काट दीजिए

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ
का कार्यालय

दिनांक 10-12-73

निवेश सं० 38 वी अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल
निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन, लखनऊ आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० खाता नं० 3 है, जो ग्राम वर्धनिगर में रिथत है। (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
26-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाप्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देव सिंह (अन्तरग.)

2. श्रीमती बचन कौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किरी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, अक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम भूमि 42 बीघा 5 विस्ता जो वि: ग्राम वर्धनिगर जिला मैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 10-12-73

मोहर :

जो लाग न हो उसे काट दीजिए।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ध-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ
का कार्यालय

दिनांक 10-12-73

निम्नेश सं० 37वीं अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल निरीक्षक सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 684/7/690/1/18 ग्राम तल्लीबनोरी है, जो जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण किलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दूर्घ किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना, और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, लिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पतः—

1. श्री जगन्नाथ (अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र कुमार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 2 बीघा 5 बिस्त्रा और एक प्लाट 82-10X185 हैं जो कि जिला नैनीताल में स्थित हैं।

एस० सी० बहल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 10-12-73

मोहर :

(जो सागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्र० प्र० आर्द्ध० टी० एन० इस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ
का कार्यालय

लखनऊ दिनांक 7 दिसम्बर 73

निर्देश सं 20 पी० अर्जन—यतः मुझे एस०सी० वहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 22 से 30, और 195 है, जो कोथगिरी में स्थित है, (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, हल्दवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्री-कृत विनेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं :—

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के 1 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सौदामर मिह (अन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कुषिक भूमि 69 बोधा 12 विस्वा 10 खिस्वनासी जो ग्राम कोथगिरी जिला नैनीताल में स्थित है ।

एस० सी० वहल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-12-73

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज

लखनऊ तारीख 11-12-73

निर्देश सं० 24ए/अर्जन—यह, मुझे एस० रु० २५ हल निरीक्षी सहायक आयकर आयकर अर्जन रेंज लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की संख्या 80, 96, 100 है, जो गहड़ारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से बाणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दावानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 53) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, या

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जसवन्त सिंह (अन्तरक)

2. श्री अर्जीत सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपित भूमि 80 बोधा जो कि ग्रोम शहदोरा ज़िला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० वहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन, रेंज लखनऊ

तारीख : 11-12-73

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

निरीक्षी भाग्यक आयकर आयुक्त अर्जन रेज कार्यालय

लखनऊ दिनांक 11-12-73

निदेश सं० 21 जी० अर्जन—यतः मुझे एम० सी० वहल निरीक्षी भाग्यक आयकर आयुक्त अर्जन रेज लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 90, 93 है, जो खादोग में स्थित है (और इससे उपावद अनुसन्धी में और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय द्वालदावानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-6-73 को पुर्वान्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरपाल सिंह (अन्तरक)
2. श्री गुरवेन्द्र मल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी मूलगा हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेपों किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति यों, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्रृति भूमि 80 वीघा जो कि ग्राम झंडोरा जिला नैनीताल में स्थित है।

एम० सी० वहल,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 11-12-73

मोहर :

प्रस्तुत आदृ० टी० पन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-लखनऊ

दिनांक 5 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 42-आयकर अर्जन—अतः, मुझ एस० सी० वहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी मूल्य 5 है, जो बजीर हमने रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-73 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास धारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिये सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री वलीउद्दीन अहमद (अन्तरक)

2. श्री राज सहकारी गृह निर्माण भविति लिंग लखनऊ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फिरी होल्ड भूमि 6949 वर्ग फीट जिसमें सर्वेंट क्वाटरस हैं इस पर मालिक का पूर्ण अधिकार है जो कि खेलावान के नाम से जानी जाती है और यह लखनऊ में बजीर हस्त रोड पर स्थित है।

एस० सी० वहल

मक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 15-12-73

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 11-12-73

निर्देश संख्या 21 जे-अर्जन --यतः मुझे एस० सी० वहल निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है। और जिसकी संख्या 87/1 है, जो पटसेनी में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में रूप से और पूर्ण वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्द्वानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बिमला देवी (अन्तरक)

2. श्री अगीर सिंह आदी (अन्तरिती)

5—376GI/73

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा,¹ अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला कृषि भूमि जिसका रक्का 57 बीघा और 12 बिसाचा है और जो, ग्राम पहसनी जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० वहल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 11-12-73

मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 11-12-73

निर्देश सं० 5 टी० अर्जन—य॒, मुझे एस० सी० वहल निरीक्षण
महायक आयकर आयुक्त अर्जन, लखनऊ आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 7 है, जो नरपतपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अश्रुनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय हलदारानी में भारतीय रजिस्ट्रीरकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-73 को पुर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विभाग के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पृथ्वी राज (अन्तरक)

2. श्री विलोक सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 48 बीघा 6 विस्ता जो कि ग्राम नरपतपुर जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० वहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 11-12-73

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

1. श्री राणा बिहारी अग्रवाल (अन्तरक)

2. श्री प्रताप नारायण सिंह (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
259-घ(1) के अधीन सूचनाको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ

दिनांक 5-12-73

निर्देश सं० 17-पी० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० वहल निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की संख्या 286/1 है जो जनेशपुर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन 4-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातः—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तोः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 36 डि० और चार छोटी छोटी कोठरी, शौचालय एक कुआं एक ड्राइंग कमरा एक और एक स्नान घर जो कि मुहल्ला गनेशपुर वाराणसी में स्थित है।

एस० सी० वहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर (आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख 5-12-73

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन) का कार्यालय,
लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 21-ए०/अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज लखनऊ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०
7/75065 है, जो श्री पुर (हल्दानी) में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय हल्दानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28 जून 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचाने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा:—

- | | |
|------------------------|------------|
| 1. श्री पुरुषोत्तम लाल | (अन्तरक) |
| 2. श्री अमर सिंह आदि | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए सारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्वरूपीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कृषि भूमि जिसका रकवा 96 बीघा है जो श्रीपुर
जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज लखनऊ

तारीख: 6 दिसम्बर 1973
मोहर:

प्ररूप, आई०टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज लखनऊ,

लखनऊ दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 36 वी० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 29/1 39/1 है, जो रत्नपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हलदवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित विए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री महेन्द्र

(अन्तरक)

2. श्री बलवन्त सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपिक भूमि 80 बीघा जो कि ग्राम रत्नपुर जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख: 7 दिसम्बर 1973

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निदेश सं० 19 जी० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 232/1 है, जो जिला नंदीताल में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हलदावनी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाथ गथा ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भवने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पूर्ण करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मनोहर सिंह

(अन्तरक)

2. श्री गोपाल सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आधेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आधेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आधेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 63 बीघा 12 बिस्ता जो कि जिला नंदीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन

लखनऊ का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निदेश सं० 22-के०/अर्जन—यतः, मझे एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7 है, जो जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हलदावानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना; या

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पृथ्वी राज

(अन्तरक)

2. श्री केवल सिंह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 50 बीघा 12 बिस्वा जो कि जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 7 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन, लखनऊ का कार्यालय

लखनऊ, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निदेश सं० 10-सी०/अर्जन—यतः, मुझे, एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० है, जो गिरधर नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय हलदावानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोहन सिंह

(अन्तरक)

2. श्री चौधरी राम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

छुपिक भूमि 47 गोदा 6 बिस्ता और एक किता मकान 10×12 जो कि ग्राम गिरधर नगर जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 7 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 45 एस० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल निरीक्षी आयुक्त सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है और जिसकी सं० 22 से 26 है, जो कोथगिरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दबानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय वाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोदागर सिंह (अन्तरक)

2. श्रीमती सुर्जित कौर (अन्तरिती)

6—376GI/73

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपिक भूमि 68 बीघा 12 विस्तार 10 विस्तारसी जो कि ग्राम कोथगिरी जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निदेश सं० 9 एल० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सज्जन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 7 जो ग्राम जगतपुर जिला नैनीताल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हूलदवानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोना राम

(अन्तरक)

2. श्री लदीन चन्द

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतस्तम्भकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आधोंपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 46 बीघा जो कि ग्राम जगतपुर जिला नैनीताल में स्थित है।

(एस० सी० बहल)

सधम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-12-1973।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० 44 एस० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 136, 118 है, जो टैगोर टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुन्ज मोहन बनर्जी (अन्तरक)

2. श्री शयामा पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता माकान 1165 वर्ग गज है और साथ में एक भूमि जो टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 5-12-1973

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० 20 जी० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० वहल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 193/2/337/6 है जो ग्राम रमना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-6-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री युधनाथ और अन्य (अन्तरक)

2. श्री जगराम और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 8.45 एकड़ जो कि ग्राम रमना जिला बाराणसी में स्थित है।

एस० सी० वहल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 5-12-1973

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 दिसम्बर, 1973

निवेश सं० 19 पी० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० डी०/४८/१३६ है, जो पिशयोखरा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री माडम पैदा रामय्या सुपुत्र वेंकटाचलम् कलेक्टर मोजे,
कर्नूल जिला (अन्तरक)

2. श्री गीता लक्ष्मी ट्रेडर्स, कर्नूल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

• स्पष्टीकरण—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता माकान जिस में दस कमरे, एक रसोई घरे, एक
आंगन और बड़ी सी छत है जो कि वाराणसी में स्थित है।

(एस० सी० बहल)

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 5-12-1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज, लखनऊ।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 दिसंबर, 1973

निदेश सं० 45-एस० अर्जन—यतः मुझ एस० सी० बहल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और सिसकी सं० 2/361 है, जो पंडपुर में स्थित है और इसमें उत्पादद्वारा अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-1973 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सोहन लाल (अन्तरक)

2. श्री सोभा मल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उनर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भवन और भूमि जो कि 133-18 वर्ग मि० है और यह पंडपुर जिला वाराणसी में स्थित है

(एस० सी० बहल)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 5-12-1973

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

'कार्यालय' सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ
156, सैब्टर 9-वी

लखनऊ, दिनांक 5 दिसंबर, 1973

निदेश सं० 18-पी० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० बहल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी नं० 274 है, जो खानीपुर में स्थित है (श्री इसे
उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी
के कार्यालय लखीमपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-6-1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रीमती बलबीर कौर और अन्य (अन्तरक)
 - 2. श्री प्रेम नाथ कपुर और अन्य (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 50 एकड़ जो कि ग्राम खानीपुर जिला लखीमपुर में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ।

तारीख : 5-12-1973

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन

कार्यालय लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5-12-73

निवेश सं० 6 पी० अर्जन—अतः, मुझे एस० सी० वहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 42/95 है, जो परिपुर स्क्वायर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम्ब के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शुरू करने के कारण से द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रेम चन्द्र (अन्तरक)

2. श्रीमती विद्यावती (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एक्स-द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला भवन जो कि परिपुर स्क्वायर लखनऊ में स्थित हैं।

एस० सी० वहल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 5-12-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन
कार्यालय लखनऊ
दिनांक 7-12-73

निदेश सं० 48 एस० अर्जन—यतः, मुझे एस० सी० वहल निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिस की सं० 83/88/71, 90/12/3 है, जो गोविन्दपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-376GI/73

* 1. श्री शिवदयाल (अन्तरक)

* 2. श्री सहब सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 101 बीघा जो कि ग्राम गोविन्दपुर ज़िला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० वहल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेञ्ज लखनऊ

तारीख 7-12-73

मोहर :

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रूष आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन कार्यालय,

लखनऊ, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 47 एस० अर्जन—यतः मुझे एस० सी० बहल, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन लखनऊ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 199-19/88 है, जो अलखदर्या में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हलद्वानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

* 1. श्री जगन नाथ और अन्य (अन्तरक)

* 2. श्री सुन्दर सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रेष्ठन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 52 बीघा और एक किला मकान 12×30 वर्ग फिट जो कि ग्राम अलखदर्या जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 7-12-1973

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का, 43) की धारा
269वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय
अर्जन रेंज

लखनऊ, दिनांक 4 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 4260/अर्जन—यतः मुझे, एस० सी० बहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 138 है, जो ग्राम गोनरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1973 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

* 1. श्री मुहम्मद युसुफ (अतन्तरक)

* 2. थी तेज सिंह और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 16. 39 एकड़ जो कि ग्राम गोनेरी, जिला' पीली-भीत में स्थित है।

एस० सी० बहल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 4-12-1973

मोहर :

* (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
महायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० ए०/ए० पी०-394/73-74/3305—
यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी मूल्य सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 938
जून 1973 में लिखा है, जो बाजार चौक बाबा साहब, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम केदृश्य-
मान का प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का राग है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सक्र बनाना; और /या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सकर बनाना ।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-शाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कैलाश पुत्र श्री मंगत राम, चौक बाबा साहब, अमृतसर।
(अन्तरक)
 2. श्री फकीर चन्द्र पुत्र श्री जगत राम, चौक बाबा साहब,
अमृतसर।
(अन्तरिटी)

3: जैसा कि नं० 2 पर है (वह अंत जिसके अधिभोग में अधोहस्ताधरी जागता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवादियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेष्य, यदि कोई हो, तो--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकाल व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तर्गती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आखेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 938 जून 1973
को रजिस्टर्ड अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

डी० एस०गुता
सधाम प्राधिकारी

तारीख : 14-12-1973

भौहर

प्रस्तुप श्राई० टी० एस० —————

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० ए० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1060
जून 1973 में लिखा है, जो लोहगढ़ चौक, अमृतसर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुपूर्णी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न
के लिए कार्यवाही शुल्क करने के कारण से द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं ।

ग्रन्त: अब्र, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रष्टान् :—

1. श्री मुद्रेश कुमार पुत्र श्री शौरी लाल, जेल रोड अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार और विजय कुमार पुत्र श्री तारा चन्द्र
हांश, दुर्गा अम्बाडी, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके
अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मूल्य रखता है। (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अंतर्न के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई
हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैश के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में प्रयोगसिभावित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

उम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1060 जून 1973
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 14-12-1973

मोहर

प्रस्तुत आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुल०/ए० पी०-३९६/७३-७४/३३०७-यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सधूम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है और जिसकी सं० दुकान नं० 8 जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2553 जून 1973 में लिखा है, जो सतलुज मार्केट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्ज सतलुज चिट फण्ड (प्रा०) लिमिटेड, जालन्धर मार्फत श्री अजीत सिंह देवगढ़न। (अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री सरैन सिंह पुत्र श्री लाल्ह सिंह, ई० एफ० 419, कृष्ण नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 8 सतलुज मार्केट जालन्धर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2553 जून, 1973, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर, में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 14-12-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निदश सं० ए०एस०आर०/जुल०/ए० पी०-३७९/७३-७४/३३०८-यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 7 सतलुज मार्केट, जालन्धर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2554 जून, 1973 में लिखा है जो सतलुज मार्केट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, जूनको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही पूर्ण करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्ज सतलुज चिट फण्ड (प्रा०) लिमिटेड, जालन्धर मार्केट श्री अर्जीत सिंह देवगण सतलुज मार्केट जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री निर्मल सिंह पुत्र श्री सरैन सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह, ई० एफ० 419, कुण्ड नगर, जालन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 7, सतलुज मार्केट जालन्धर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2554 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-12-1973

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसंबर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुल०/ए० पी० 398/73-74/
3309—यतः, मुझे डी० ए० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीड्यूट विलेख नं० 2910
जून 1973 में लिखा है, जो माडल टाउन, जालन्धर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड्यूट विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तथा पाप्रा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तीयों, अर्थात् :—

1. श्री गुरुदाम गुप्ता पुत्र श्री फकीरनन्द गुप्ता पुत्र श्री राधा कृष्ण गुप्ता, 263 सिविल लाईन, धर्मशाला। (अन्तरक)

2. श्री जसबीर सिंह पुत्र कैप्टन उमराव सिंह 34-ए० माडल टाउन, जलन्धर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अद्विभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के गीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीड्यूट विलेख नं० 2910 जून, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा है।

डॉ० एस० गुप्ता
राधाम प्राधिकारी

तारीख : 14-12-1973 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर : अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
ग्रम्मतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० अमृतसर /बटाला/ ए० पी०-३९९/७३-७४/३३१०

—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) कि धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्री विलेख, नं० 1008 जून 1973 को लिखा है, जो जी० टी० रोड, बटाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन की शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. इकबाल चन्द पुत्र श्री खुशहाल चन्द वासी बटाला।
(अन्तरक)

2. मैसर्स एटलस इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज जी० टी० रोड, बटाला (अन्तरिती)

8—376GI/73

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्य व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्थान सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, 6 करनाल 15 मरला जी०टी० रोड बटाला में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1008 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 14-12-73

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 14-दिसंबर 1972

निदेश सं० अमृतसर/शिमला/ ए० पी०-४००/७३-७४/३३१—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) कि धारा 269 ध के अधिन सज्जम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण ह कि सथावर सम्पत्ति चिस का उचित मूल्य 25000 रुपये स अधिक है

और जिस की सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 308 जून 1973 में लिखा है जो शिमला में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निन्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री मनोरहर सिंह ठाकुर सपुत्र श्री ठाकुर दास गांव रेहाई, तहसील तथा जिला शिमला। (अन्तरक)

२. राम सरूप ठाकुर सपुत्र श्री ठाकुर दास रायल होटल, शिमला (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कियह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप, व्यक्ति कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 308 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शिमला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज अमृतसर,

तारीख : 14-12-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (अर्जन) का कार्यालय

लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 22-ए०/अर्जन—यतः मुझे, एस० सी० बहल सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज लखनऊ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 955 है, जो प्रतापपुर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हल्दानी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत सिंह आदि (अन्तरक)
2. श्रीमती अमर कौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हस्त स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला छापि भूमि जिसका रकवा 55 बीघा है और जो ग्राम प्रतापपुर जिला नैनीताल में स्थित है।

एस० सी० बहल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 6 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14-12-73

निदेश सं० ऐ० एस० आर० के० पी० आर०/ए० पी०
-402/73-74/3313—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता
आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की
सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 944
जून 1973 को लिखा है जो गांव कपूरथला में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
13 जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री सोहन सिंह पुत्र श्री देहरा सिंह लाहौरी गढ़, कपूरथला (अन्तरक)

2. करतार कौर पड़नी श्री शंगारा सिंह गांव कोकपुरी जिला कपूरथला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधीस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति सूचना के उत्तर में किए गए आशेषों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आशेष किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 944 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला से लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख 14-12-73

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14, दिसम्बर 1973

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/ए० पी०-403/73-74/
3314—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीड्यूट विलेख नं० 946 जून 1973 को लिखा है जो गांव भवानीपुर में स्थित है (और इसमें उपाद्वार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड्यूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अत, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दीवान सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह वासी कोट भवानीपुर जिला कपूरथला (अन्तरक)

2. धर्म सिंह पुत्र श्री वसावा सिंह वासी गोपीपुर जिला कपूरथला (अन्तरित)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उत्तद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उत्तद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

उत्तद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीड्यूट विलेख नं० 946 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 14-12-73।

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेज
अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 दिसंबर 1973

निदेश सं० अमृतसल/कपूरथला/ए०पी०-४०४/७३-७४/३३१५
—यतः मुझे भी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 482 जून 1973 को लिखा है जो गांव बहोई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. हरबंस सिंह पुत्र श्री हुक्म सिंह गांव शेखपुरा जिला कपूरथला (अन्तरक)

2. गुरचरन सिंह पुत्र श्री पुरासिंह गांव भगवानपुर जिला कपूरथला (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है स्थान सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 482 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख: 14-12-73

मोहर :

प्रूप आई० टी० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय अर्जन रेंज
अमृतसर

अमृतसर दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/ए०पी०-४०६/७३-७४/
३३१६—यतः, मुझ डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम,
(1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 669 जून 1973 को लिखा है जो शैफलावाद में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरु करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा—

1. श्रीमती कर्म कौर पत्नी श्री तेजा सिंह गांव शैफलावाद जिला कपूरथला (अन्तरक)
2. श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह गांव शैफलावाद जिला कपूरथला (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हृचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 669 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख: 14-12-73

मोहर :

प्रूप आईटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 14-12-73

निर्देश सं० अमृतसर/फगवाड़ा/ए०पी०-413/73-74/
3323—यतः मुझे ढी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम पाठ्यकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 682 जून 1973
में लिखा है जो गंव भगाना में स्थित है (और इससे उपायद्वा
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को
पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ्य पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. शाम सिंह सपुत्र श्री ईशर सिंह गंव रेहाना जाटा
(अन्तरक)

2. दर्शन सिंह, सेवा सिंह, सोहन सिंह सपुत्रान जगत सिंह गंव रेहाना जाटा
(अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभार में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हच्छ रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

प्रतिद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 682 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्रधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-12-73 ।

मोहर :

प्र० आई० टी० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर
 दिनांक 14-12-73

निर्देश सं० अमृतसर /कपूरथला/ए०पी० 412/73-74/
 3322—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
 को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
 सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक
 और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 464
 जून 1973 को लिखा है जो कपूरथला में स्थित है (और इससे
 उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए विलेख नं० 464 जून 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कैष्टन महाराज दास पुत्र राय साहू भगवान दास कपूरथला (अन्तरक)
2. हजरा सिंह लीगल हेयर श्री खुशहाल सिंह वासी कंजाली (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में गति रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 464 जून 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
 सक्षम प्रधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 14-12-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज

अमृतसर

दिनांक 14-12-73

निवेश सं० अमृतसर/फगवाड़ा/ए० पी०-415/73-74/

3325—यतः मुझे ढी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 543 जून 1973 में लिखा है, जो माडल टाइन, फगवाड़ा में स्थित है (और इसे डापाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुरमीत कौर पनी मलकीयत सिंह बासी राजीपुर तहसील फगवाड़ा, मुख्तयार सिंह, परमजीत सिंह, बासी फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्री सुखबीर सिंह, अवतार सिंह सपूत्रान श्री नवर्ण सिंह, बासी फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधीक्षताकारी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता हो (यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिस्बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए, तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्जी

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 543 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है

ढी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 14-12-73

मोहर :

प्रस्तुत ग्राइंड टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर
का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निर्देश स० ए० एस० आर० / पी एच जी-/ए पी-
416/73-74/3326—यत ; मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 553 जून 1973 में लिखा है, जो नारंग शाहपुर तहसील फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बाम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना :

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आत्मा राम सायन श्री गंगा राम नारंग शाहपुर तहसील फगवाड़ा (अन्तरक)

2. श्रीमती नसीब कौर पत्नी श्री रूप सिंह, नारंग शाहपुर, तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सूचि रखता है

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है, कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिये अधिकार होगा।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 553 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 14 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रलेप. आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/पी०एच०जी०/ए०षी०-४१८/
७३-७४/३३२७—यतः मुझे, डी०एस० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकूटि विलेख नं० 554 जून 1973 में लिखा है, जो गांव संगतपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूटि विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्हुङ्ग प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) - अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपग्राहा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री मेला सिंह
श्री हरी सिंह पुत्र श्री नरंजन सिंह
श्रीमती प्रीतम कौर पत्नी श्री गुरदियाल सिंह, गांव संगतपुर
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरवचन कौर पत्नी श्री मोहिंदर सिंह, संगतपुर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुधि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूटि विलेख नं० 554 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 14 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक: 14 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/पी० एच०जी०/ए०पी०-४१८/
73-74/३३२८—यतः, मझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 555 जून 1973 लिखा है, जो देवा सिंह बालहा में स्थित है (और इससे उपाश्रम अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री उधो राम पुत्र श्री रामधन, गांव खेड़ा (अन्तरक)

2. श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री तुलसा सिंह, श्रीमती प्रीतम कीर पत्नी श्री गुरदियाल सिंह, गांव अकालगढ़, तहसील फगवाड़ा (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हस्त रखता हो। वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 555 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 14 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर०/पी० एच० जी०/ए० पी०-४१९
७३-७४/३३२९—यतः मुझे, दी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 576 जून 1973 को लिखा है, जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, द्वारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री दिलबाग सिंह, निलेख सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह, श्रीमती तेज कौर विधवा श्री जानन सिंह, फगवाड़ा पूर्व

(अत्तरक)

2. श्री मोहन लाल पुत्र श्री गुरदास राम शर्मा यासी खोदरा तहसील नवांशहर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्थित रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान, नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क में यथापरिभायित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 576, जून 1973 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है :

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर-१

तारीख : 14 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रश्न आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-अमृतसर

अमृतसर, फिनांक 14 दिसम्बर, 1973

निवेश सं० ए०एस०आर०/पी०एच०जी०/ए०पी०-424/73-74
3334—यतः, मुझे भी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 612
जून 1973 में लिखा है। जो गांव चौकी तहसील फगवाड़ा में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जून 1973 को पूर्वीचित

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रफट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अदात्:—

(1) श्री केहर सिंह सपुत्र नंद सिंह, (अन्तरक)
बासी चौकी तहसील फगवाड़ा।

(2) सर्वे श्री रणजीत सिंह, अमरीक सिंह,
रेशम सिंह सपुत्रान निरंजन मिह
गांव बिरक तहसील फिल्लौर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 612 जून 1973 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

(डी० एस० गुप्ता)

तारीख : 14-12-1973

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर

अर्जन रेंज अमृतसर

प्रलेप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1973

निवेश सं० ए० एस० आर०/पी० एच० जी०/ए० पी०-४२५/७३-७४
३३३५—यतः, मुझे शी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण, है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 506
जून 1973 को लिखा है, जो गांव हृदियावाद में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मनसंन्दर नाथ पुत्र श्री दुर्गा दास गांव हृदियावाद। (अन्तरक)
- (2) श्रीहेम राज पुत्र श्री रक्खा राम, श्रीमती तारा रानी पत्नी श्री हेम राज, श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री ज्ञान सिंह गांव हृदियावाद। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचि

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 506 जून 1973 को रजिस्ट्रीकृती अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

तारीख : 14-12-1973

मोहरः

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

प्रह्लाद आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 14 दिसंबर, 1973

निदेश सं० ए० एस० आर०/जुल०/ए० पी०-४२०/७३-७५/३३६—यतः, मुझे डी० एस० गुरुता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत लेख नं० 2192 जून 1973 में लिखा है जो माडल टाऊन, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दियाने के लिये सुकर बनाना;

और यस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिसिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269 घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—376 GI/73

- (1) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री शिवा नन्द सपृत्र श्री हंस गज, माडल टाऊन, जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेम बत्ती पत्नी श्री बजीर चन्द, जालन्धर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह आक्त जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय मुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापारिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति माडल टाऊन जालन्धर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2192 जून 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

डी० एस० गुरुता
सहम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 14-12-1973

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

156, सफ्टर 9-वी

अमृतसर, दिनांक 14 दिसंबर, 1973

निदेश सं० ए०ए०स०आ०र०/एन०टी०आ०र०/ए०षी०-४३१/७३-७४/३३३७—यतः मुझे ही० ए०स० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती 12 मरले आराजी निजाम [गांव नकोदर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 536 है, जो जून 1973 को लिखा है जो गांव नकोदर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बग्गा सिंह एलम रमेश मिह

पुत्र काला सिंह, नकोदर। अन्तरक

(2) श्री नाजर सिंह मतवधापुत्र भगवान सिंह

वामी भंडीरी, तहसील नकोदर।

अन्तरिती

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिकारी में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में भीच रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है) को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मध्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व को कोई अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 536 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नकोदर में लिखा है।

डी० ए०स० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14-12-1973

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का
अर्जन रेंज-अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14-12-1973

निकेण सं० ए०एस०आर०/एन०डी०आर०/ए०षी०-४३२/
७३-७४/३३३८—यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी भू० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० ६७०
जून 1973 तिथा है, जो गांव मेहानपुर तहसील नकोदर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973,
जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम
ते दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अनुचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि वशालीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल गे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथा पाथा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

यांत्र यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण भेर द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

यतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरनाम कौर विधवा श्री ईश्वर सिंह पुत्र श्री दोवा
सिंह माहितपुर तहसील नकोदर अन्तरक। (अन्तरक)
2. श्री रणवीर सिंह, बलवंत सिंह और कुलवंत सिंह पुत्र श्री
हरभजन सिंह, गांव सास्त्रिव (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० २ पर है।
वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में दच्च रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति, के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में व्यापरिभावित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० ६७० जून, 1973
को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, नकोदर में लिखा है।

(डी० एस० गुप्ता)
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 14 दिसम्बर, 1973

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14-12-1973

निवेश सं० ए०एस०आर०/एन०डी०आर०/ए०पी०-४३३/
७३-७४/३३३९—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 772 जून 1973 लिखा है, जो गांव खरा मुश्तका तहसील नकोदर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए, था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दर्शन सिंह, गुरदियाल सिंह पुत्र दलेल सिंह एलस दलीप सिंह पुत्र हरी सिंह वासी खेरा मुश्तका तहसील नकोदर। अन्तरक

2. श्री लखन सिंह पुत्र जवाला मिह पुत्र बुढ़ु सिंह वासी सिंगपुर तहसील नकोदर। (अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 772 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नकोदर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 27-11-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 14 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/एन०डी०आर०/ए०पी०-४३४/७३-७४/३३४०-यतः मुझे डी०एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीडूत विलेख नं० 802 जून 1973 में लिखा है। जो गांव तलवंडी भासी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीडूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, आरा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्रीमती बुध कौर विधवा तथा हरनाम कौर सुपत्री खुशल सिंह तलवंडी भासी। (अंतरक)

2. श्री कश्मीर सिंह सुपुत्र तरलोचन सिंह, तलवंडी भासी।

3. जैसा कि नं० 2 में है। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उग अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीडूत विलेख नं० 802 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-अमृतसर

तारीख : 14 दिसम्बर, 1973

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————
 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
 की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत मरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर
 अमृतसर, विनांक 14 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० ए०ए०आर०/एन०डी०आर०/ए०पी०-४३५/
 ७३-७४/३३४१-यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम,
 1961 (1961 का 43) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 804 जून 1973 में लिखा है, जो गांव तस्वीरी भासो में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

भारत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269व के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती बुद्ध कौर विधवा तथा हरनाम कौर सुपुत्री खुशाल सिंह तलवन्डी भासो। (अन्तरक)
2. श्री जगत सिंह सुपुत्र श्री खुशाल सिंह, तलवन्डी भासो।
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षारी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति (वह व्यक्ति जिसके बारे में रुचि रखता है) अधोहस्ताक्षारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी।

एदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 804 जून 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 14 दिसम्बर, 1973

मोहर:

प्रलूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक . . .

निदेश सं० ए०एस०आर०/एन०डी०आर०/ए०पी०-४३६/७३-७४/३३४२—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 793 जून 1973 में लिखा है।, जो तहसील चौक, नकोदर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ, के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चमन लाल सुपुत्र चरन धास, नकोदर । (अन्तरक)

2. श्री अमर सिंह सुपुत्र सुमदर सिंह सुपुत्र सोहना, नकोदर ।
(अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है सथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

अनुसूची

एक दुकान जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 793 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक : 14 दिसम्बर, 1973 ।

मोहर : .

प्रस्तुत आई० टी० पृ० ५८० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर।

अमृतसर, दिनांक

निदेश सं० ए०ए०आर०/एन०डी०आर०/ए०पी०-४३७/७३-७४/३३४३—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 506 जून 1973 में दिया है। ह, जो नकोदर में स्थित है (और इसे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री साधू राम सुप्रत ठाकर दास सुप्रत काहना, नकोदर।
(अन्तरक)
2. श्री अशोक कुमार सुप्रत सोम प्रकाश सुप्रत लेख राज, नकोदर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितयद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसव्हारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हों तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जाने सकेंगे।

एसव्हारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसव्हारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 506 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

तारीख :

मोहर :

प्रस्तु आई० टी० एन० एम० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर.

अमृतसर, दिनांक 14 दिसंबर, 1973

निदेश सं० ए० एम० आर०/एस०आर०आर०/ए० पी०—
438/73-74/3344—यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी मं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 181 जून
1973 को लिखा है जो आला दिता में स्थित है (और इसे उपायद्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के
कार्यालय सुल्तानपुर लोधी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, जून
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आब की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आब वा किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) वा धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनि :—

1. श्री मग्धर लाल पुल श्री भोहन दास मुख्यारे आम श्री बीड
भाई, श्रीमती गोपाली भाई पुली भादु राम, श्री आया राम
पुल देवा राम पुल मोहन दास, शतीश कुमार पुल वक्ता राम
पुल आया राम, श्री हीरा नंद पुल जिदा राम पुल आयाराम,
अल्ला दिता।
(अन्तरित)

2. श्री मेजर मिह, सतोबान सिंह पूल तारा सिंह पुल ईंद्र चिंह,
कुलार।
(अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सूचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति ने हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में हिता गया है।

अमृसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 181 जून, 1973 को
रजिस्ट्रीकृती अधिकारी सुल्तानपुर लोधी में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 14-12-1973

मोहर :

प्र० रूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार वित्त मंत्रालय

सद्व्यक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1973

निवेश मं० ए० एस० आर० / पी० ए० च० जी० / प० पी० - 423/73-74

3333—यतः मुझे डी० ए० स० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिवकी मं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख नं० 745 जून 1973 में लिखा है। जो गांव पन्छटा में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीड विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, लिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती भागवन्ती विधवा बाबू राम (अन्तरक) सुपुत्र श्री गोपी राम गांव पन्छटा।
- (2) श्री सतनाम सिंह, जसबीर सिंह सपुत्रान रखबीर, गांव पन्छटा। (अन्तरिती)
- (3) श्री सतनाम सिंह, जसबीर सिंह सपुत्रान रखबीर गांव पन्छटा
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में मूलि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतदद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निश्चित किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीड विलेख नं० 745 जून 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

(डी० ए० स० गुप्ता)
सशम अधिकारी

सारीख : 14-12-1973

मोहर :

सद्व्यक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 दिसम्बर 1973

निदेश सं० ए०एस०आर०/एस०पी०आर०/ए०पी०- 439/73-74/3345—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 353 जून, 1973 में लिखा है। जो नथपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुल्तानपुर लोधी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पापा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

प्रतः, अब धारा 269-व के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बलकार सिंह सुपुत्र सूरता सिंह वाम रोड़ाला तहसील अजनाला। गजन सिंह सुपुत्र महा सिंह, श्रीमती सुखबत कौर सुपत्री गजन सिंह मुख्तारे आम सुखबत कौर वासी जालाबार (अमृतसर)

2. श्री मुख्तार सिंह, अवतार सिंह, बंता सिंह पुत्र रला सिंह रतन सिंह श्री हरी सिंह पुत्र शेर सिंह पुत्र ठैल हिंह गांव डन्डोपुर वासी जंतुसितार।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्रिये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार द्वारा

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 353 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुल्तानपुर लोधी में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख 7 दिसम्बर 1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० ए०एस०आर/भुलट/ए०पी०-441/73-74/3347—
यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सभी प्राप्ति-कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 602 जून, 1973 में लिखा है। है, जो बोधाराए० में स्थित है (और इससे उपांत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भुलश में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूट विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) जो अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या किसी अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्याय 20-क के शब्दों में पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ध के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) जगीर सपुत्र बेला सपुत्र हरनाम वासी बोधाराए० (अन्तरक)

(2) श्री गुरदयाल सपुत्र मिलची वासी बोधाराए० (अन्तरिती)

(3). जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके नारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना जारी कर के पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आधेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आधेपों, यदि कोई हो, को सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आधेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आधेपों को सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अंदर होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

• अनुसूची

मूर्मि जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख नं० 602 जून, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भुलश में लिखा है।

डी० पृ० गुप्ता,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 14 दिसम्बर, 1973।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रख्य आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसंबर, 1973

निर्देश सं० ए० ए० आर०/भूलट/ए० दी०-४४२/७३-७४/३३४४
यत्; मुझे, डी० ए० स० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 603 जून 1973 को लिखा है जो बोगाराय में स्थित है (और इसे उपायद अनुसूची में और धूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भार्यालय भूलेख में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकूत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि वह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और वह कि अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तब यादा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की आवत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वाकिल में कमी करने वा उससे बचने के लिए बुकर बनाना; और/वा

(ख) ऐसी किसी आव वा किसी बन वा अन्व आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने के लिए बुकर बनाना,

और यह: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वाव 20-के घट्टों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण वे द्वारा अधिलिखित किए गए हैं।

जह: अब, धारा 269-च के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तिः—

- (1) श्री जागीर पुस्त सी देला पुल श्री हरनाम वासी बोप राय (अन्तररक)
- (2) श्री गुरदेव पुल श्री मिलकी राम वासी बोपाराय। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के एतद्वारा कार्यवाहिकां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्व व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा वह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उसरे में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान निश्चित किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तब सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्वाव 20-के बाब्परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अन्वाय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 603 जून, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भूलेख में लिखा है।

डी० ए० गुप्ता,
सकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख: 14 दिसंबर, 1973

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० ए० एस० आर० पी० ए० जी०/ए० पी०/-
446/73-74/3349/ यत; मुझे, डी० एस० गुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 687
जून, 1973 लिखा है, जो गांव मीरां पुर में स्थित है (और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1973 जून,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तब पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कहित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया या या किमा जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यत: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के अव्याप्ति में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करने के कारण ने द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता:—

(1) श्री जौगिंदर सिंह पुत्र श्री कर्म सिंह वासी गुजराता
तसील फगवाड़ा (अन्तरक)

(2) श्री मोहिदर सिंह और श्री गुरदेव सिंह पुत्रां श्री दूरेन
सिंह, कोतकलां (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा वह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 687 जून, 1973
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 14 दिसम्बर, 1973।

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसंबर 1973

निर्देश सं० ए० एम० आर०/एन० डी० आर०/
ए० पी०-४४७ / ७३-७४ / ३३५० / :— यतः मुझे
डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- हू० से अधिक है और जिसकी
म० भरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 527 जून, 1973
को लिखा है जो नकोदार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-
लय नकोदार में आयतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1973 जून, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा धन किसी या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री साधु राम पुत्र श्री छाकुर दास पुत्र काहना बासी
नकोदार (अन्तरक)

(2) श्री तीर्थ राम पुत्र श्री सोहन लाल पुत्र श्री नेत्र राज,
नकोदार (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिक्षेप
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिका शुरू करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्त्वबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा मह अधिकृति किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा जाने वह अधिकृति किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वबन्धी पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रश्नोत्तर शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अन्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 527, जून, 1973
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नकोदार में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 14 दिसंबर, 1973।

मोहर :

(जो सागू न हो उसे काट दीजिए)

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

महायक आयकर आयकर (निरीकण) का कार्यालय अर्जन रेंज
बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 11 दिसंबर 1973

निदेश सं० वि० आर० 62/1442/73-74/—यतः मुझे,
बी० माधवन, सहायक आयकर आयकर (निरीकण) बैंगलूर आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन
संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 336 है, जो अप्पर प्यालस आरचैंस, बैंगलूर
में स्थित है (और इसमें उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर वे
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरुण के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति वा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उदेश से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया
है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर हेने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने
के लिए सुकर बनाना; और /वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या भानकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री महारुद्रप्या बेनी 336, प्यालस अप्पर आरचैंस,
बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार बेनी जी० पी० ए० होलडर द्वारा
गिरकुमार बेनी 336, प्यालस अप्पर आरचैंस, बैंगलूर (अन्तरक)

को यह सूचना आरी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहिका शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, बदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरद्वयों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान अधिनियम में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थान अधिनियम
के अर्जन के प्रति इस सूचना के डलर में किए गए आक्षेपों, बदि
कोई हो, की मुनबाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की मुनबाई के समव सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्थानीकरण :—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 336, प्यालस अप्पर आरचैंस, बैंगलूर का 1/3
भाग।

बी० माधवन
संक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीकण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर।

तारीख : 11 दिसंबर, 1973

मोहर :

प्रलूप आई०टी०एन०एस०

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1973

निर्वेश सं० ए०एस०आर०/एस०वी०आर०/ए० पी०-४४०/
७३-७४/३३४६:—यतः, मुझे डी०एस० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 193
जून, 1973 को लिखा है जो भीरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सुल्तानपुर लोधी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973,
जून को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि मध्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से क्षमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मेंगामल पुत्र संत राम पुत्र हीरा मंद मंडारी सु-
लानपुर लोधी। (अन्तरक)।

12—376GI/73

(2) सुरेन सिंह पुत्र श्री याम सिंह श्री साधु सिंह, जागीर
सिंह पुत्र श्री सुरेन सिंह, सोबल तसील सुल्तानपुर लोधी।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4). कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में स्वत्र रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके आरे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में व्यापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 193 जून, 1973 को
लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर।

तारीख : 14 दिसम्बर, 1973

मोहर :-

(जो सागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 13 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 51/73-74/एच० ए० सी० क्य०—यतः, मुझे,
आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन
रेज हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी
सं० सि० हि० एस० नं० 3094 है, जो वार्ड नं० 3, भुसपेह
हुबली में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 30 जून 1973 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करने के
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कोदानपुर गुरुलिंगपा मल्लीकर्जुनपा, निवृत्त
इंजीनियर, श्री शैलम् बिल्डिंग, मकान नं० 24, वेस्ट पार्क रोड,
मल्लेश्वरम्, बैंगलूर-3
(अन्तरक)

2. श्री कोदानपुर गुरुलिंगपा चेन्नावीरपा, श्री शैलम् बिल्डिंग,
मकान नं० 24, वेस्ट पार्क रोड, मल्लेश्वरम्, बैंगलूर-3।
 1. श्री बसंत मल्हारी राव कचुरे
 2. श्री श्री कांत मल्हारी राव कचुरे
 3. श्री सुमास मल्हारी राव कचुरे
- के० ए० नांदगेरीकर, के भागीदार, भुसपेट, हुबली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये
जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

हुबली, वार्ड नं० 3, भुसपेट, सि० हि० एस० नं० 3094 में
आंबाज से 262 चंद्र याँड़ क्षेत्र का एक सैट और उस पर खड़ा
हुआ एक पुराना मकान का आस्ती है और इस प्रकार सीमित
है :—

पूरब में—सि० टी० एस० नं० 2756
पश्चिम में—मुनिसिपल रोड,
उत्तर में—असि० टी० एस० नं० 3093,
दक्षिण में—सि० टी० एस० नं० 3095।

आर० पार्थसारथी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेज हुबली

तारीख 13 दिसम्बर 1973

मौहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज
अमृतसर

दिनांक 14-12-73

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/ए० पी०-408/73-74/
3318/यतः, मुझे डी० एस० गुप्ता

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेज, अमृतसर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 854 जून
1973 में लिखा है जो गाँव लखन कलाँ में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

यतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपस्थारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. करतार सिंह, डाल सिंह सपुत्रान हरनाम सिंह गाँव लखन कलाँ। (अन्तरक)
2. बस्ती राम, खरायती लाल सपुत्रान देवी दिसा मल, मोहम्मद अरफ बाला, कपूरथला (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 854 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 14-12-1973

मोहर :

प्रैरूप आई० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(घ)(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज का
कार्यालय अमृतसर

दिनांक 14-12-73

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/ए० पी०-409/73-74/
3319—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 946
जून 1973 में लिखा है, जो गाँव भिवानीपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के बायित में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दीवान सिंह सपुत्र गुलाब सिंह सपुत्र गुरु दित्ता वारी
कोट भिवानी तहसील कपूरथला (अन्तरक)

2. धर्म सिंह सपुत्र वसावा सिंह वासी गोपीर्याँ तहसील
कपूरथला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में सूचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो आयकर¹
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 946 जून 1973 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख 14-12-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज
अमृतसर]

दिनांक 14-12-73

निदेश सं० अमृतसर/कपूरथला/ए०पी०-411/73-74/
3321—पतः मुझे ढी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 642 जून
1973 में लिखा है, जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसन्धी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन जन 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संतराम सिंह सपुत्र देवा राम सिंह, मोहल्ला बावियाँ,
कपूरथला (अन्तरक)

2. करतार सिंह सपुत्र ईश्वर सिंह, मोहल्ला करीमपुरा
कपूरथला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होंगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 642 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 14-12-73

मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज
अमृतसर

दिनांक 14-12-1973

निवेश सं० अमृतसर/कपूरथला/ए० पी०-410/73-74/
3320—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 722
जून 1973 को लिखा है जो कपूरथला में स्थित है (और इसे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुआर अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया
ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण सेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गुजर मल पुत्र श्री पोहंलो मल कपूरथला (अन्तरक)

2. राम लाल पुत्र श्री सोभा राम डिपो होल्डर, मोहल्ला
खजांचियाँ, कपूरथला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभेद में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए¹
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 722 जून 1973
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख 14-12-73

मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक 14 दिसम्बर, 1973

निरेश सं० 45 ए० सी० क्य०-23-58/19-8/73-74:—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 36/2 और 37/2 प्लाट 12 है, जो खटोद्रा सूरत में स्थित है (और इससे उपान्दृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्हव् प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचाने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी पीरोजशा होरमसजी बालीवाला होमाय फारमरोज मरचंट मनी फारमरोज दादाचान्जी (अन्तरक)

(2) श्री/श्रीमती/कुमारी मोहम्मद हुसैन उस्मान भाई शेख (अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके अधिकारी में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी सुमन्तराय खंडुभाई देसाई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को मह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैंग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 36/2 और 37/2 प्लॉट नं० 12, 961 वर्ग गज जमीन रजिस्ट्रीकृत विलेख २० नं० १६०३, तारीख २ जून, १९७३ के अनुसार।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज—II अहमदाबाद।

तारीख : 14 दिसम्बर, 1973

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिए)

प्रलेप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण का कार्यालय)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 5-12-73

निम्नों सं० 20 ए० अर्जन—अतः मुझे एस० सी० वहल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की संख्या है जो अग्रस्त कुन्डा में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची के और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 के अधीन 13-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व ये कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजुवाला

(अन्तरिकर्ता)

2. अमूलया चन्द्रा राय (अन्तरिकर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किसामकान जो कि मुहल्ला अग्रस्त कुन्डा जिला बाराणसी में स्थित है।

एस० सी० वहल

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख 5-12-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० श्री० एम० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज

अमृतसर

दिनांक 14-12-73

निवेश सं० अमृतसर/फगवाड़ा/ए०पी०-414/73-74/3324—
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 487 जून 1973 में लिखा है जो पलाही में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- माहन सिंह सुपुत्र श्री भगत सिंह वासी पलाही सहस्रील फगवाड़ा (अन्तरक)

२. अमरजीत, मुख्यमंत्री तथा भूमि भवान स्वर्ण मिह पलाही, तहसील फगवाड़ा, श्री तारा मिह मानव श्री जगन मिह, पलाही तहसील फगवाड़ा। (अन्तरिती)

३. जैसा कि नं० २ में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताधरी जानता है)

४. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में इच्छा रखता है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताधरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में प्रथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 487 जून 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

मकान प्रधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

तारीख : 14-12-73

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एस० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत [संग्रहालय
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 14-12-73

निवेश सं० ए०ए०आर०/ए०डब्ल्यू०ए०ल०/ए० पी०-
401/73-74/3312—यतः मुझ डी० एस० गुप्ता आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये
में अधिक है और जिस की सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 285 जून 1973 में लिखा है जो नजदीक रेलवे स्टेशन बालूगंज
(शिमला) में स्थित है (और इस से उपर अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय शिमला
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिङ्गित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

कर्नल मदनजीत सिंह जग्गाल तथा अवतार सिंह सपुत्र निरंजन
मिह वासी हैडल लिला, शिमला। (अन्तरक)

2. वर्षेशर दास सपुत्र किरपा राम तथा श्री राजिन्द्र लाल
सपुत्र श्री वर्षेशर दास, राम बाजार, शिमला। (अन्तरित)

3. जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधीहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-के यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 285 जून 1973
को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी शिमला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 14-12-73

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए) प

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 11 दिसम्बर, 1973

निवेदित सं० सि० आर० 62/1443/73-74/ए० सी० क्य० (भी०) :— यतः मुझे वी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 336 है, जो व्यालस अपर आरचर्डस, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पादा गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महाराष्ट्रपा खेनी 336, व्यालस अपर आरचर्डस बैंगलूर, (अन्तरक)

2. श्री शिवकुमार खेनी 336, व्यालस अपर आरचर्डस बैंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 336, व्यालस अपर आरचर्डस, बैंगलूर का 1/3 भाग ।

वी० माधवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर ।

तारीख 11 दिसम्बर, 1973
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, कार्यालय, 60/61 एरंडवना, बावे रोड, पूना-411004

दिनांक 17 दिसम्बर, 1973

निर्देश सं० सी० अ० 5/हवेली-II/जून '73/85/73-74—

यतः मुझे, जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 112-ए० और बी०, 113, 114, 117, 118, 119, 122-ए०, 123, 296-बी०, 297-ए०, 318 प्लाट नं० 19/1 है, जो हृदपसर इंडस्ट्रीयल स्टेट्स, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II, पूना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकरण विवेद्य के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (a) श्री राजमल देवीचन्द राठोड, 230 सोलापुर बाजार पूना-1
- (b) श्री चांद मल देवी चन्द राठोड, 230 सोलापुर, बाजार, पूना-1.

2. "काउन एन्टर प्राइसेस"

पार्टनर्स :

- (a) श्री पी० एफ० तवारिया 5 साधू वासवानी कुंज पूना-1
- (b) श्री के० डी० पारेख, 406/11, मोटीमहल, क्वार्टर गेट, पूना-2
- (c) श्री टी० जे० पटेल, 12 सोलापुर, बाजार, पूना-1
- (d) श्रीमती कुमुद भरतकुमार पारेख, अंबर, प्लाट-75, सायन (वेस्ट) मुंबई-22
- (e) श्रीमती भारती प्रदीप चन्द्र पारेख अबर, प्लाट-75, सायन (वेस्ट) मुंबई-22 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० नं० 112-ए, और बी०, 113, 114, 117, 118, 119, 122-ए०, 123, 296-बी०, 297-ए०, और 318 प्लाट नं० 19/1, हृदपसर इंडस्ट्रीयल स्टेट्स, पूना, क्षेत्रफल 10,000 वर्ग फीट, और एक रोड, क्षेत्रफल 3350 वर्ग फीट।

जी० कृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

तारीख : 17-12-73

मोहर:

प्रस्तुत आई०टी० एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 11 दिसंबर, 1973

निर्देश सं० भि० आर०-62/1366/73-74/क्य० (वी०) :—
यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 453/19 है, जो 11 क्रास, सदाशिव नगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के आधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विसेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से बहुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालय शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एस० राजगोपाल सुपुत्र श्री एन० सब्रमन्य अथवा 453/19, 11 क्रास, सदाशिवनगर, बैंगलूर (अन्तरक)

2. श्री एच० एस० नागप्प सेट्टी सुपुत्र एच० एस० तिम्मपा मेट्टी 7, प्यालस माडल हैसेस इट्टीगेड, मैसूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आशेष, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आशेषों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आशेष किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आशेषों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 453/19, 11 क्रास, सदाशिवनगर, बैंगलूर।

बी० माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 11-12-1973

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सि० आर० ६२/१४५३/७३-७४/एक्य० (बी०) :—
यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्व० नं० 444 है, जो करिके गांव, भागमन्डलनाडु, कूर्ग में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय गरकरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बाच्चिमला टिम्बर कम्पनी, क्यालिकट (केरल)

(2) कूर्ग टिम्बर कम्पनी, बालियापटाम (केरल)

(अन्तरक)

1. श्री पी० बे० लमबर्स टिम्बर व्यापारी मूरियाड, क्यालिकट (केरल) (प्रबन्ध भागीदार पी० के० असैन हाजी द्वारा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्यव्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के सिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एसद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“बाच्चिमला” काउंसल एस्टेट सर्व० नं० 444/251/- 30 एकर, करिके रोड, करिके गांव, भागमन्डलनाडु, कूर्ग (सकरि अर्जित जमीन छोड़कर)।

बी० माधवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर।

तारीख : 11-12-73

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज व्यायालिय
बैंगलूरु

बैंगलूरु दिनांक, 11 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० सी० आर० 62/1440/73-74/ () :—
यतः मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) बैंगलूरु आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है और जिसकी मकान नं० 196, 197 लिंक रोड, मल्लेश्वरम, बैंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27 जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना, ।

अंतर: आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, शब्द धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० बी० नागराज नं० 197, लिंक रोड, गल्लैन्सरम, बैंगलूरु (अन्तरक)

2. श्रीमती० सुव्य लक्ष्मी तिट्ठना होमली गांव, मन्दिरा ज़िला (अन्तरिती)

3. (1) श्री के० लेनकटरनम,
(2) आर० जीवनदास,
(3) अष्टव थथा, (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पंरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों आंग पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 196 आर० 197, लिंक रोड, मल्लेश्वरम, बैंगलूरु 3।

बी० माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैंगलूरु

तारीख: 26-11-1973

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज बैंगलूर

बैंगलूरु, दिनांक 11 दिसम्बर, 1973

निदेश सं० सी० आर० 62/1370/73-74/एक्य० (बी०) :—

यतः, मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), बैंगलूरु आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० खुली जगह आर० टी० ओ० आफीस के पास (बाजू म) है, जो जयमहल एक्सटेनशन, बैंगलूरु में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सी अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर, बैंगलूरु में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के सिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० पी० महता, पी० प० होलडर द्वारा श्री प० पी० महता, 338 प्यालम अप्पर आरन्डैस, बैंगलूरु-६
(अन्तरक)

2. श्री संघद हबीबुल ३१, मारपा ड्लाक, मुनिरेहू-पाल्या, बैंगलूरु।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिक स्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकें।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएंगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त ३०वों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह जिसकी सीमा ९५ फीट पर ८० फीट है और जो आर० टी० ओ० आफीस के बाजू म जयमहल एक्सटेनशन, बैंगलूरु में स्थित है।

बी० माधवन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैंगलूरु।

दिनांक : 11 दिसम्बर 1973।

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 15 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० सि० आर० 62/1572/73-74ए० सि० क्य० (बी) —यतः
मुझे, बी० माधवन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से
अधिक और जिसकी सं० सैट नं० 305/66 है, जो VIII ब्लाक, जयनगर,
बैंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर,
बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 25-7-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न लिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, आ
छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये
हैं।

14—376GI/73

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पंच० एल० किण्णकुमार नं० 197, IV ब्लाक, जयनगर
बैंगलूर-11 (अन्तरक)

2. श्रीमती जयलक्ष्ममा उर्फ, राजम्भा सारकी, उत्तरहङ्गली
होल्ली, बैंगलूर सौत तालूक, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यालयी शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्ट्रोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुनें जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह नं० 305/66, VIII ब्लाक, जयनगर, बैंगलूर।

बी० माधवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख : 15-12-1973

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 15 दिसम्बर 1973

निदश सं० सि० आर० 62/1418/73-74 ACQ (B)—
यतः मुझे, बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 6, 7/2 और 68 और नया नं० 148 है, जो मैसूर रोड, III-सी० I डिविजन, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण भेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जिं आर० तिलवेन्नाडम कोट्टी 1209, कान्तराज अर्ग रोड क्रिणमूर्ति पुरम एक्सटेनशन, मैसूर - 4 (अन्तरक)

2. (बी० ई० कोनडम्मा, नं० 125/1, मैसूर रोड, बैंगलूर-26

M/s दी० मार्गनिन अंड रिफैन्च आइल्स-कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेड, 125/1, मैसूर रोड, बैंगलर, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एदद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. स्थावर सम्पत्ति मुनिसिपल नं० 148, मैसूर रोड, बैंगलूर जिसकी सीमा लगभग 4 एकड़ 2 गुना है (खुलीजगह, कारखानों की इमारतें, मकानात, शेड्स, ब्याट्स, काम्पोड दीवारें आदि)

2. 10 गुन्टे जगह जिसकी सर्वे नं० 68 है और जो केम्पापुरा, कसबा होल्ली, बैंगलूर नति तालुक में स्थित है।

बी० माधवन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 15-12-1973

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

का कार्यालय अर्जन रेज हुबली

हुबली दिनांक 13 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 48/73-74/H.Acq. यतः, मुझे आर०

पार्थसारथी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन लक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी रू०

है, जो कुच्चरेम् गाँव, क्वेपेम् तालूक (गोवा) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्वेपेम् 8-6-1973 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विजया नाइक उर्फ विजया फोर्जेटिना, बोर्ड मडगांव (गोवा) (अन्तरक)

2. (1) श्री भास्कर पुंडलीक धुलापकर (2) श्री कांता पुंडलीक धुलापकर (3) श्री अलोक पुंडलीक धुलापकर (4) कुमार संजीव पुंडलीक धुलापकर अन्यवधी संरक्षणदार और पिता श्री पुंडलीक नागेण धुलापकर सिने प्रशांत के सामने, कुच्चरेम् सौगंधेम् रास्ता, कुच्चरेम् क्वेपेम् तालूक, (गोवा)। (अन्तरिती)

4. (i) श्री पुंडलीक नागेण धुलापकर (ii) श्रीमती अनसूया पुंडलीक धुलापकर (सिने प्रशांत के सामने, कुच्चरेम् सौगंधेम् रास्ता, कुच्चरेम् क्वेपेम् तालूक, (गोवा)

(वह व्यक्ति जिसके सामने में अधोहस्ताक्षरों जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हू० ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

गोवाअ क्वेपेम् तालूक के कुच्चरेम् गाँव में कुच्चरेम् सौगंधेम् रोड पर एक प्लाट पर “Lote E” नामक एक मकान का आस्ती में आधा हिस्सा, जो ल्याण रजिस्ट्रेशन, आकीस में नं० 16633, फोलियो 158/बुक, बी० 45 में वर्णित है । सीमाएं इस प्रकार हैं:—

पूरब में:—दियोगोपेरेण इन्वादियों के आस्ती ।

पश्चिम में:—आकोश के दाकीबाई की आस्ती ।

उत्तर में:—सालिनो फर्नेडोस का आस्ती ।

दक्षिण में:—कुच्चरेम् सांगवेम् रोड ।

आर० पार्थसारथी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज हुबली ।

तारीख: 13-12-1973

मोहर ।

प्रलेप श्राई० टी० एन० पृ० ३० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेज बगलूर

दिनांक 11 दिसम्बर 1973

निवेश सं० सि० और० 62/1433/73-74—ACQ(B)
बत: मुझे बी० माधवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बैगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०
19 है, जो आर० बी० ले औट, स्थानी रोड, बैगलूर-20
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धीनगर,
बैगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जून 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अस्थित नहीं
फिया गया है :—

- (क) अन्तरण से होई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन करदेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिनियमित किए गए हैं।

अतः, जब धारा 269-ग के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

1. श्रीमती प्रानकुवेर कुशियाक न० 82/4ए० सोनिया
स्पानशन स्थान स्थान बन्ड रोड इटिंगेन्ड, मैसूर (अन्तरक)

2. (1) श्री बी० आर० चन्दसेखर (2) आर० राजसेखर,
(3) बी० आर० विजयनरसिम्हन (4) बी आर० ब्रालक्रिष्ण,
96, I मैन रोड, शेशाद्रिपुरम, बैगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वय व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सके।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती दैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाते के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जगह ने 19, आर० बी० ले औट, स्थानी रोड, बैगलूर-20

बी० माधवन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज बैगलूर

तारीख : 11-12-1973

मोहर :

प्र० अरुप आई टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वा कार्यालय

अर्जन रेज, लखनऊ

जड़ुबासी-580021, दिनांक 13 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 49/73-74/एच० ए० सी जी०—अयतः, मुझे, आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन जरेज दुली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्राम जिसकी सं० और जिसकी सं० है, जो कुर्चेरेज गांव, क्षेत्रम् नालूक ऋगोआ) में स्थित है (और इससे उपागढ अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, क्षेत्रम् में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21 जुलाई 1973 के दिन

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं० कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथोपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी आय की बोबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

ओर यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपष्ट्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री विजया नाइक उर्फ विजया फोर्जेटिना, बोडी, मजगांव क्रृगोवा) (अन्तरक)

2. (i) श्री भास्कर पुंडरीक धुलापकर

(ii) श्री कांता पुंडलीक धुलापकर

(iii) श्री अशोक पुंडलीक धुलापकर

(iv) कुमार संजीव पुंडलीक धुलापकर

अल्पबहु संरक्षणदार और पिता

(i) श्री पुंडलीक नागेडा धुलापकर

(ii) (नि० प्रशान्त के सामने, कुर्चेरेज-सांगवेम् रास्ता, कुर्चेरेज, क्षेत्रम् तालूक, क्रृगोवा) '(अन्तरिती)

4. (i) श्री पुंडरीक नागेडा धुलापकर

(ii) श्रीमती अनन्या पुंडरीक धुलापकर निम्न प्रशान्त के सामने, कुर्चेरेज-सांगवेम् रोड, कुर्चेरेज, क्षेत्रम् तालूक क्रृगोवा)

अद्य ह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी इनता है कि वह संपत्ति में हितवय है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वक सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यान्वयन शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन वी अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हरऐस व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हरऐस व्यक्ति का, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन 'सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-के यथापरिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोवा, क्षेत्रम् तालूक के कुर्चेरेज-गांव में कुर्चेरेज-सांगवेम् रोड पर एक घ्लाट पर "LOTE E" नामक एक मकान का आस्ती में आधा हिस्सा, जो न्यांड रिजिस्ट्रेशन आफिस में नं० 16633 फोलियो 158/बी० 45 में वर्णित है। सीमाएं इस प्रकार हैं :—

पूरब में—दियोगो पेरैस इत्यादियों के आस्ती।

पूर्व चम में—काकोरा के दाकीबाई की आस्ती।

उत्तर चम—सालिनी फैनीडीस का आस्ती।

दक्षिण में—कुर्चेरेज-सांगवेम् रोड।

(आर० पार्थसारथी)

सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण)

अर्जन रेज हृष्णी !

तारीख : 13 दिसम्बर 1973

मोहर

(जो सागू न हो उसे काट दीजिये।)

प्ररूप आई० दी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हुबली

हुबली-580021, दिनांक 13 दिसम्बर 1973

निर्देश सं० 50/73-74/एच० ए० सी० क्य०—यतः, मुझे, आर० पार्थसारथी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हुबली आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो गोवा जिले के बाड़े तालूक, सोकोरो, सेरुला थारिश, सेरुला गांव, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भूधिकारी के कार्यालय, में बाड़े भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13 जून 1973 के दिन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथा पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे हारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-व के अनुसरण में, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. म० जान सालिवास शेवियर रेवेरेडो, हारा मिडल ईस्ट के लिटिश बैंक, कुवैट

2. श्रीमती मरिया रोसा, लिटिश बैंक, हेलन रेवेरेडो, हारा मिडल ईस्ट के लिटिश बैंक, कुवैट।

3. म० रेजिनाल्डो अनेस्टो कुटिन्हो, बैंक ऑफ कुवैट, पौ० ओ० बी० नं० 71, कुवैट। (अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

गोवा जिले के बाड़े तालूक, सोकोशे, सेरुला थारिश, सेरुला गांव में बेती-म्हापसा रोड पर बी० 2 जमीन के प्लाट नं० 158 का आस्ती जिसका कोई विशेष नाम नहीं है और जिसका क्षेत्र 393.75 चदर मीटर है, पूरे हमारत के साथ स्थित है। सीमाएं इस प्रकार हैं :—

पूरब में—बेती-म्हापसा रोड,
पश्चिम में—वही आस्ती का प्लाट ए०,
उत्तर में—वामुनिडाडे की जमीन,
दक्षिण में—अंटोनियो जोर्ज लोबो की जमीन।

आर० पार्थसारथी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज हुबली

तारीख 13 दिसम्बर 1973

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

विज्ञापन सं. 51

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। उम्मीदवारों की आयु 1-1-1974 को निर्धारित आयु सीमाओं के अंतर्गत होनी चाहिए, किन्तु सरकारी कर्मचारियों को, उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसी छूट न देने का उल्लेख किया गया हो, आयु सीमा में छूट दी जा सकती है। ऊपरी आयु-सीमा में भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से आए विस्थापित लोगों तथा बर्मी और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों तथा कीनियाँ, उगांडा और संयुक्त गणराज्य टंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों से प्रव्रज्ञन कर आए लोगों के कुछ वर्गों को 45 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट दी जा सकती है। विशिष्ट परिस्थितियों को छोड़कर अन्य लोगों को किसी प्रकार की छूट नहीं दी जाएगी और यह छूट किसी भी स्थिति में 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी। अन्य दृष्टियों में सुधार्य उम्मीदवारों को, आयोग यदि चाहे तो, योग्यताओं में छूट प्रदान कर सकता है। केवल उन पदों को छोड़कर जिनके संबंध में ऐसा वैतन न देने का उल्लेख किया गया हो विषेशतया योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को उच्च प्रारंभिक वैतन दिया जा सकता है।

आवेदन-प्रपत्र और विवरण सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011, से प्राप्त किए जा सकते हैं। प्रपत्र के लिए अनुरोध करते समय पद का नाम विज्ञापन संख्या, एवं पद-संख्या अवश्य लिखें और साथ ही प्रत्येक पद के लिए कम से कम 29×10 में ० मी० आकार का अपना पता लिखा हुआ टिकट रहित लिफाफा भेजना चाहिए। लिफाफे पर उस पद का नाम लिखा होना चाहिए जिसके लिए आवेदन-प्रपत्र मार्गा जा रहा है। आयोग 1-1-1964 को या उसके बाद किन्तु 25-3-1971 से भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से प्रदर्शन कर आए वस्तुतः विस्थापित तथा 1 जून, 1963 और 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद कमशः बर्मी और श्रीलंका से प्रत्यावर्तित व्यक्तियों का शुल्क माफ कर सकता है जो यथार्थतः निर्धन हों। प्रत्येक पद के लिए अलग-अलग शुल्क के साथ अलग-अलग आवेदन पत्र भेजना चाहिए। विदेशों में रहने वाले उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र न मिलने पर सादे कागज पर आवेदन कर सकते हैं। और स्थानीय भारतीय दूतावास में शुल्क जमा कर सकते हैं। अपेक्षित होने पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए उपस्थित होना पड़ेगा। ₹ 8.00 (अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित आदिम जातियों के लिए ₹ 2.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आंडर सहित, आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख 21 जनवरी 1974 (विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार हीपसमूह तथा लक्ष्मीपुर में रहने वाले आवेदकों के लिए 4 फरवरी, 1974) है। खजाना रसीदों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम-संख्या 17 तथा 27 के पद स्थायी हैं। क्रम-संख्या 2, 4, 11, 18 तथा 35 के पद स्थायी हैं किन्तु उन पर नियुक्ति अस्थायी आधार पर की जायगी। क्रम-संख्या 1 का पद स्थायी है किन्तु उस पर नियुक्ति 5 वर्ष के लिए संविदा/कार्यकाल के आधार पर की जाएगी। क्रम-संख्या 12, 14, 28, तथा 29 के पद अस्थायी हैं।

किन्तु उनके स्थायी कर दिए जाने की संभावना है क्रम-संख्या 3, 5, 6, 7, 8, 9, 13, 15, 16, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 31, 32, 34, तथा 36 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके अनिश्चित काल तक चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 20 का पद अस्थायी है किन्तु उसके द्वितीयकालीन आधार पर चलते रहने की संभावना है। क्रम-संख्या 10, 30 तथा 33 के पद अस्थायी हैं किन्तु उनके चलते रहने की संभावना है।

क्रम-संख्या 11, 25, 32, का पद तथा क्रम-संख्या 36 का एक पद अनसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है तथा इनके लिए केवल वे ही आवेदन करें। क्रम-संख्या 22 तथा 30 में से प्रत्येक का एक पद तथा क्रम-संख्या 29 के दो पद अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 27 का एक पद यदि अनुसूचित जातियों के उम्मीदवार मिलते हैं तो उनके लिए आरक्षित है अन्यथा उसे अनारक्षित समझा जायगा।

क्रम-संख्या 29 तथा 30 में से प्रत्येक का एक पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है। क्रम-संख्या 19 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है किन्तु यदि अनुसूचित आदिम जातियों/अनुसूचित जातियों का उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिलता तो उसे अनारक्षित समझा जायगा। क्रम-संख्या 26 तथा 27 में से प्रत्येक का एक पद तथा क्रम-संख्या 14 का पद अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है और उन के न मिलने पर अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रहेंगे और दोनों के न मिलने पर उन्हें अनारक्षित समझा जाएगा।

क्रम-संख्या 24 का पद, यदि ऐसा उपयुक्त उम्मीदवार मिलता है तो, उन आपातकालीन आयुक्त/अत्यकालीन सेवा आयुक्त अधिकारियों के लिए आरक्षित है जिन्हें 1-1-1962 को या उसके बाद किन्तु 10-1-1968 से पूर्व सशस्त्र नेताओं में कमीशन प्राप्त या जो परवर्ती तारीख से पहले किसी कमीशन पूर्व प्रशिक्षण में सम्मिलित हो गए थे किन्तु जिन्हें उस तारीख के बाद कमीशन प्राप्त हुआ था और जो निर्मुक्त हों/सैन्य सेवा के कारण हुई विकलांगता के फलस्वरूप अपांग हों/निर्मुक्त होने वाले हों अन्यथा उसे अनारक्षित समझा जाएगा।

1. एक निवेशक, राष्ट्रीय पुस्तकालय, कलकत्ता, संस्कृति विभाग। वेतन :—₹ 2500/- (नियत)। आयु-सीमा :—50 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मानविकी, सामाजिक विज्ञान, प्राकृत विज्ञान से संबद्ध किसी मुख्य विषय अथवा पुरतकालय विज्ञान में कम से कम डितीय धेरणी की "मास्टर" डिग्री (ii) उम्मीदवार राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता-प्राप्त पूर्वीय विद्वान् हो तथा उनके उच्च कोठि के प्रकाशन निकल चुके हों।

2. यांत्रिक इंजीनियरी (अभिकल्पन) का एक आवार्य, विल्ली इंजीनियरी कालेज, विल्ली, दिल्ली प्रशासन : वेतन : ₹ 1100-50-1300-60-1600। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएँ अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से यांत्रिक इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय

श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से अभिकल्पन में विणेपत्रता सहित याँत्रिक इंजीनियरी में स्नातकोत्तर डिग्री अथवा गमकक्ष योग्यता। (iii) अनुसंधान/व्यावहारिक कार्य/अधिकल्पन में “मास्टर” डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए कम से कम 10 वर्ष का अनुभव (डाकटरेट डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए 8 वर्ष का अनुभव) (जिसमें कम से कम 3 वर्ष का अनुभव डिग्री/स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ाने का हो)।

3. एक प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी, धन अवस्था भौतिकी प्रयोगशाला, शिल्पी, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 1100-50-1200-100-1500। आयु-वरीयत : 45 वर्ष से कम। योग्यताएं-अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से याँत्रिक इंजीनियरी में कम से कम वरिष्ठत : द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) व्हृत्त कर्मशालाओं के नियंत्रक तथा अम समस्याओं के निपटान की योग्यता के साथ “अनुसंधान एवं विकास संबंधी वैज्ञानिक शोध। R&D (Scientific Research) में प्रयुक्त सूक्ष्म पुर्जों, उपस्करों तथा यंत्रों के अभिकल्पन एवं निर्माण का लगभग छह वर्ष का अनुभव जिसमें कम से कम तीन वर्ष का अनुभव किसी दायित्वपूर्ण पद पर निदेशकीय और प्रणासकीय हैंसियत से अवश्य हो।

4. एक कार्मिक परीक्षक, सिविल विमानन विभाग, पर्यटन और सिविल विमानन मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250 तथा साथ में रु० 100/- प्रतिमास विशेष वेतन। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं-अनिवार्य : प्रथम श्रेणी का ड्रिटिंग या भारतीय दिक्षालान का या ड्रिटिंग उड्डयन दिक्षालान का लाइसेंस तथा साथ में कम से कम 100 घंटे का हृषाई अनुभव।

5. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड I, हिमालय रेडियो प्रसारण एकक, अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयत : 40 वर्ष से कम। योग्यताएं-अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिकी या दूर-संचार इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) संचार प्रणालियों के लिए विशेष रूप से उद्दिष्ट बी० एच०एफ० तथा सूक्ष्म तरंग लौहमाण्ड के अभिकल्पन तथा विकास में लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

6. एक बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड I, वैमानिक निवेशालय, अनुसंधान तथा विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु :—वरीयत : 40 वर्ष से कम। योग्यताएं-अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से विद्युत इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री। (ii) वायुयान विद्युत प्रणालियों तथा वायु वाहित वैद्युत उपस्करों के क्षेत्र में अनुसंधान, अभिकल्पन तथा विकास का लगभग 4 वर्ष का अनुभव।

7. इलेक्ट्रॉनिकी एवं वैद्युत संचार का एक आध्याता पंजाब इंजीनियरी कालेज, खण्डगढ़, प्रशासन। वेतन :—रु० 400-30-700/40-1100। आयु-सीमा :—30 वर्ष। योग्यताएं-अनिवार्य :—किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिकी

एवं वैद्युत संचार इंजीनियरी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा हासिलक्षण योग्यता।

8. पांच बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड II, मोटर गाड़ी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, आषाढ़ी अनुसंधान एवं विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयत : 30 वर्ष से कम। योग्यताएं-अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से याँत्रिक/आटोमोबिल इंजीनियरी में द्वितीय श्रेणी की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) अनुसंधान/अभिकल्पन तथा विकास में लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

9. एक कर्मशाला अधीक्षक (आटोमोबिल), ड्वायज पाली-टैक्सीक, विल्ली प्रशासन, विल्ली। वेतन :—रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो० 35-950। आयु-सीमा : 40 वर्ष। योग्यताएं-अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से आटोमोबिल/याँत्रिक इंजीनियरी में डिग्री/डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी विद्यालय आटोमोबिल कर्मशाला में डिग्री प्राप्त उम्मीदवार के लिए लगभग 2 वर्ष का तथा डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए 5 वर्ष का व्यावसायिक अनुभव।

10. एक मास्टर, मोटर लान्च ‘बिक्री’, जहाज़रानी और परिवहन मंत्रालय। वेतन :—रु० 725-25-825। आयु-सीमा :—45 वर्ष। योग्यताएं-अनिवार्य :—भारतीय नौ मेना में देशी व्यापार पोताध्यक्ष (Home trade Master) का प्रमाण-पत्र या विदेशगामी जलयानों का मालिम अफसर (Mate) अथवा समकक्ष योग्यता।

11. एक उप निवेशक (शक्कर नियन्त्रण), शक्कर तथा अन्तर्पति निवेशालय, कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग)। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—50 वर्ष। योग्यताएं-अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कला, वाणिज्य या विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) शक्कर या खाद्य नियंत्रणों से संबद्ध किसी शक्कर उद्योग या सरकारी संगठन में, किसी दायित्वपूर्ण पद पर, लगभग पांच वर्ष का अनुभव।

12. एक सहायक निवेशक (रसायन विज्ञान), पुलिस अनुसंधान एवं विकास व्यूरो, गृह मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। आयु-सीमा :—40 वर्ष सरकारी कर्मचारियों को छूट नहीं दी जाएगी। योग्यताएं-अनिवार्य :—(i) रसायन विज्ञान में एम० एस० सी० डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) विश्लेषणात्मक पद्धतियों तथा उनमें अनुसंधान का 7 वर्ष का अनुभव।

13. एक उप निवेशक, राष्ट्रीय मान चिकित्सालो संगठन विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग। वेतन :—रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा :—50 वर्ष। योग्यताएं-अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से भूगोल या समर्थगी विषय में ‘मास्टर’ डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी

प्रतिष्ठित मानविक प्रकाशन कार्यालय में दायित्वपूर्ण पद पर लगभग 3 वर्ष का अनुभव तथा गाथ में आरेखन तथा सुदृश्य विभिन्न मानविकों के प्रकाशन की विभिन्न अक्षियों का ज्ञान।

14. एक लोक विश्लेषक, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह प्रशासन, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय। वेतन : रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950।

आयु-सीमा :—35 वर्ष। **योग्यताएँ :** अनिवार्य :—(i) भारत में कानून द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के विषय के साथ विज्ञान में डिग्री अथवा केन्द्रीय सरकार से इस मम्बन्ध में मान्यताप्राप्त समकक्ष योग्यताएँ तथा निम्नलिखित में में किसी के अधीन प्रयोगशाला में खाद्य पदार्थों के विश्लेषण का कम से कम 7 वर्ष का अनुभव :—(क) अधिनियम के अन्तर्गत नियुक्त लोक विश्लेषक या (ख) सरकार की रसायन परीक्षक या (ग) रायल हस्टीट्यूट आफ क्रेट ट्रिटेन (आंच ई) का फेलो, या (घ) इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय या राज्य सरकार द्वारा विशेषतया अनुमोदित किसी मंस्था का अध्यक्ष या (इ) महानिदेशक, खाद्य प्रयोगशाला ; अथवा (ii) भारत में कानून द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान या जीव-रसायन-विज्ञान या कृषि विज्ञान या खाद्य प्रौद्योगिकी या खाद्य एवं व्येषज में एम०ए०सी० अध्यत्र रसायनज मंस्थान (भारत) की एसोशिएटेडिप योग्यताएँ जो रसायनज मंस्थान (भारत) द्वारा मंनालित खाद्य विश्लेषण स्कंध की परीक्षा द्वारा प्राप्त हों अथवा इस मम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार से मान्यताप्राप्त समकक्ष योग्यताएँ तथा उपर्युक्त खड़ I में प्रमक्त प्रयोगशालाओं में में किसी में खाद्य पदार्थों के विश्लेषण का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव। अथवा (iii) भारत में कानून द्वारा स्थापित किसी विश्वविद्यालय में आयुविज्ञान (मेडिसिन) में ऐजुएट या लोक रवास्थ्य या जीव रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताओं के साथ इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार से मान्यताप्राप्त समकक्ष योग्यताएँ तथा उपर्युक्त खड़ I में प्रमक्त प्रयोगशालाओं में में किसी एक में खाद्य पदार्थों के विश्लेषण का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव, अथवा (iv), रायल हस्टीट्यूट आफ केमिस्ट्री आफ क्रेट ट्रिटेन (आंच ई) का फैलो और साथ में भारत में खाद्य पदार्थों के विश्लेषण का कम से कम एक वर्ष का अनुभव।

15. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड II, रक्षा विज्ञान प्रयोगशाला, शिल्ली, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। **आयु:**—वरीयता: 30 वर्ष से कम। **योग्यताएँ :** अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान कम से कम द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री अथवा गमकक्ष योग्यता। (ii) सौनिक, आकर्वनिक अथवा औद्योगिक रसायन विज्ञान में शंकड़ सम्बन्धित पर लगभग 2 वर्ष का अनुभान का अनुभव।

16. दो कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, धनअवस्था भौतिकी प्रयोगशाला, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900। **आयु:**—वरीयता: 30 वर्ष से कम। **योग्यताएँ :** अनिवार्य : धनअवस्था भौतिकी विषय के गाथ औनिकी भौतिकी शैक्षणिकी की 'मास्टर' (डिग्री)।

15-376 GI/73

17. एक अधीक्षक, पशुधन फार्म, गोआ, दमन और विषु मरकार। वेतन :—रु० 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800। **आयु-सीमा :**—35 वर्ष। **योग्यताएँ :** अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय ने पशुरोग विज्ञान/पशु विज्ञान विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) पशु प्रजनन प्रबन्ध का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

18. एक सहायक निदेशक, ग्रेड II (फल परिवर्कण), औद्योगिक विकास मंत्रालय। वेतन : रु० 400-25-500-30-680। **आयु-सीमा :**—35 वर्ष। **योग्यताएँ :** अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से विज्ञान में डिग्री अथवा कृषि या उद्यान विज्ञान में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) खाद्य पदार्थ तथा वनस्पति परिवर्कण का अथवा फल डिक्ट्यूटी फैक्टरी में लगभग दो वर्ष का अनुभव।

19. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक (फोटोग्राफी), केन्द्रीय विधि, चिकित्सा विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय। वेतन : रु० 325-15-475-द० रो०-20-575। **आयु-सीमा :** 35 वर्ष। **योग्यताएँ :** अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से वरीयता: विज्ञान के विषय में डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। अथवा किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में मैट्रिक्युलेशन अथवा समकक्ष योग्यता तथा साथ में किसी मान्यताप्राप्त मंस्थान में फोटोग्राफी में डिप्लोमा। (ii) फोटोग्राफी की विभिन्न शाखाओं में लगभग 2 वर्ष का अनुभव जिसमें वैज्ञानिक फोटोग्राफी का अनुभव सम्मिलित हो तथा साथ में इसकी समस्त प्रविधियों का अच्छा संशोधित तथा व्यावहारिक ज्ञान हो।

20. एक निदेशक (मेडिकल), डाक व तार महानिवेशालय, संचार मंत्रालय। वेतन :—रु० 1300-60-1600-100-1800 तथा साथ में रु० 600/- प्रतिमास की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता। **आयु-सीमा :** 50 वर्ष। **योग्यताएँ :** अनिवार्य : (i) भारतीय मेडिकल वार्डमिल अधिनियम, 1956, की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में अथवा तृतीय अनुसूची के भाग ii में निवड़ (लाइसेंसिएट योग्यताओं को छोड़कर) मान्य मेडिकल योग्यता। तृतीय अनुसूची के भाग ii में निवड़ गंधिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों की भारतीय मेडिकल वार्डमिल अधिनियम, 1956, की धारा 13(3) में निर्दिष्ट गतीयों को भी पूरा करना होगा। (ii) आयुविज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे, पर्म ३० द० पर्म ०, आर० सी० पी० आदि। (iii) लगभग 12 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव। (iv) विस्तृत व्यावहारिक तथा प्रशासनिक अनुभव जो वरीयता: औपचार्यों के पर्यवेक्षण से संबद्ध हो।

21. एक प्राचार्य, नेहस्य होम्योपैथिक मैडिकल कालेज तथा अस्पताल, शिल्ली प्रशासन, शिल्ली। वेतन :—रु० 1100-50-1300-60-1600। **आयु-सीमा :**—45 वर्ष। **योग्यताएँ :** अनिवार्य :—(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से होम्योपैथी में डिग्री अथवा किसी मान्यताप्राप्त होम्योपैथिक संकाय या बोर्ड में होम्योपैथी में कम से कम चार वर्ष का डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त प्रतिनिधि होम्योपैथी शिक्षण संस्था में कम से कम 10 वर्ष का अध्यापन तथा प्रशासन का अनुभव।

22. दो शाल्यचिकित्सा विशेषज्ञ, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग), केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा कलास का विशेषज्ञता प्रेड। वेतन :—रु० ६००—४०—१००—८० रु०—५०—१३०० तथा साथ में वेतन के ५० % की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० ८००/- प्रति मास होगा आयु-सीमा :—४५ वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—वही जो उपर्युक्त मद-मंख्या २० (i) में है। (ii) शाल्य चिकित्सा में स्नातकोत्तर योग्यतां जैसे, एम० एम०, एफ० आर० सी० एस०, एफ० ए० सी० एस०, अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) विशेषज्ञता में संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम ३ वर्ष का कार्य तथा स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए विशेषज्ञता में संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम ५ वर्ष का कार्य।

23. एक स्त्री रोग विज्ञानी, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग), केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा कलास I का विशेषज्ञता प्रेड। वेतन :—रु० ६००—४०—१०००—८० रु०—५०—१३०० तथा साथ में वेतन के ५० प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० ६००/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—४५ वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वह जो उपर्युक्त मद-मंख्या २० (i) में है। (ii) स्त्री रोग विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यतां जैसे, एम० डी०, एम० ओ० एम० आर० सी० और जी०, एफ० आर० सी० एस० या एम० एस० (स्त्री रोग विज्ञान), डी० जी० डी० अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) विशेषज्ञता से भंवद्व किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम से कम तीन वर्ष/पांच वर्ष का कार्य।

24. एक प्रभारी अधिकारी, प्रामाण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़, विस्लो, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)। केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा कलास I का विशेषज्ञता प्रेड। वेतन :—रु० ६००—४०—१०००—८० रु०—५०—१३००/- तथा साथ में वेतन के ५० प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० ६००/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—४५ वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वह जो उपर्युक्त मद-मंख्या २० (i) में है। (ii) लोक स्वास्थ्य में स्नातकोत्तर योग्यताएँ जैसे, एम० डी०, एम० आर० सी० पी० एच० डी० पी० एच०, डी० डी० एम० पैड एच०, एल० पी० एच०, डी० डी० एम०, डी० आई० एच० अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) विशेषज्ञता से संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए कम से कम ५ वर्ष का कार्य।

25. एक कार्य-चिकित्सक, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग), केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा कलास I का विशेषज्ञता प्रेड। वेतन :—रु० ६००—४०—१०००—८० रु०—५०—१३००/- तथा साथ में वेतन के ५० प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० ६००/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—४५ वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वही हो उपर्युक्त पद संख्या २० (i) में है। (ii) आयु-विज्ञान में

स्नातकोत्तर योग्यताएँ जैसे, एम० डी० एम० सी० पी० एच० डी० (मेडिकल), एम० एम० सी० (मेडिकल), एम० एम० सी० (मेडिसिन) (नागपुर) या एल० मेड० (डवेलिन) अथवा समकक्ष योग्यताएँ। (iii) स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए विशेषज्ञता के संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद या कम से कम ३ वर्ष का कार्य तथा स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए विशेषज्ञता में संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम ५ वर्ष का कार्य।

26. दो स्त्री रोग विज्ञानी, वंडकारण्य, परियोजना, पुनर्वास विभाग। वेतन :—रु० ६००—४०—१०००—८० रु०—५०—१३०० तथा साथ में वेतन के २५ प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो कम से कम रु० १५०/- प्रतिमास तथा अधिक से अधिक रु० ४००/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—४५ वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मद-मंख्या २० (i) में है। (ii) स्त्री रोग विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएँ जैसे, एम० डी०, एम० ओ० एम० आर० सी० और जी०, एफ० आर० सी० एस० या एम० एस० (स्त्री रोग विज्ञान), डी० जी० ओ० अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) विशेषज्ञता से संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए क्रमशः कम में कम तीन वर्ष/पांच वर्ष का कार्य।

27. दो जिला चिकित्सा अधिकारी, भारतीय रेस चिकित्सा सेवा, कलास I, रेस मंत्रालय, (रेस बोर्ड) वेतन :—रु० ७००—४०—११००—५०/२/१३००/- तथा साथ में वेतन के ३५ प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का पारमोमित भत्ता जो अधिक से अधिक रु० ४००/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—४२ वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त मद-मंख्या २० (i) में है। (ii) सामान्य आयु-विज्ञान या सामान्य शल्य चिकित्सा में स्नातकोत्तर योग्यताएँ जैसे, एम० डी०, एम० आर० सी० पी०, एम० एस०, एक० आर० सी० एस०, एक० ए० सी० एम० अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) सात वर्ष का व्यवसायिक अनुभव जिसमें कम में कम ५ वर्ष का कार्य विशेषज्ञता से संबद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर हो।

28. एक परियोजना निवेशक, प्रसूति चिकित्सालय, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन विभाग, पांडिकेरी सरकार। वेतन :—रु० ४००—४००—४५०—३०—६००—३५—६७०—८० रु०—३५—९५०। आयु-सीमा :—३५ वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—(i) वही जो उपर्युक्त पद-मंख्या २० (i) में है। (ii) प्रसूति विज्ञान तथा स्त्री रोग विज्ञान में भान्य स्नातकोत्तर डिप्लोमा या डिग्री। (iii) प्रसूति विज्ञान तथा स्त्री रोग विज्ञान में लगभग तीन वर्ष का अनुभव।

29. सात निवेशक, सशस्त्र सेवा मंडिकल कालेज, पूना, सशस्त्र सेवा चिकित्सा सेवा भान्यनिवेशालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० ३२५—१५—४२५ तथा साथ में वेतन के २५ प्रतिशत की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो कम में कम रु० १५०/- प्रतिमास होगा। आयु-सीमा :—३५ वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य :—वही जो उपर्युक्त मद-मंख्या २० में (i) में है।

30. पांच आळ्याता, नेहरू होम्योपैथिक मैडिकल कालेज,
और अधिकारी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली। वेतन: २० ४००-
४००-४५०-३०-६००-३५-६७०-द० रु०-३५-९५०। आयु-
सीमा:—३५ वर्ष। योग्यताएँ: अनिवार्य:—(i) किसी
मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से होम्योपैथी में छिपी या
किसी मान्यता प्राप्त होम्योपैथिक संकाय या वार्ड से होम्योपैथी
में कम से कम चार वर्ष का शिल्पोमा अध्यता समक्ष योग्यता।
(ii) उक्त व्यवसाय में कम से कम ५ वर्ष का अनुभव जिसमें
से ३ वर्ष का अनुभव निदर्शक/सहायक ग्राहकाना की हैमिटन
से हो।

31. प्रयुक्त विज्ञानों, (गणित) का एक सह आचार्य, पंजाब इंजीनियरी कालेज, चंडीगढ़, चंडीगढ़ प्रशासन। वेतन : हर 800-50-1300/50-1600। आयु-सीमा : 40 वर्ष। योग्यताएँ : असिक्षार्थी : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में गणित में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री के साथ गणित में डाक्टरेट डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) डिग्री कक्षाओं में पढ़ाने का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव। अस्थाया (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में गणित में कम से कम द्वितीय श्रेणी की "मास्टर" डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) कम से कम 8 वर्ष का अध्यापन और/या अनुसंधान का अनुभव जिसमें कम से कम 3 वर्ष का अनुभव किसी इंजीनियरी संस्थान में डिग्री कक्षाओं में पढ़ाने का हो।

32. एक उप निवेशक, प्रेष III, भारतीय सांख्यिकी सेवा पलास 1, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग, मंत्रिमंडल सचिवालय। बेतन : रु० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा : 25 तथा 40 वर्ष के बीच। योग्यताएँ : अनिवार्य : किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से सांख्यिकी या गणित या अर्थ शास्त्र में डिप्टीय श्रेणी की "मास्टर" डिप्टी अध्यवा गणित या सांख्यिकी के विषय सहित डिप्टी तथा साथ में सांख्यिकी में कम से कम 2 वर्ष के स्नातकोत्तर प्रणिक्षण के बाद प्राप्त मान्य डिप्लोमा। (ii) मान्यता प्राप्त संस्थाओं या संस्कारी विभागों में या विद्यालयात् वार्षिक प्रतिष्ठानों में सांख्यिकी कार्य/ अन्वेषण/ अनुसंधान का पांच वर्ष का अनुभव। (iii) सांख्यिकी तथा संबद्ध विज्ञानों की आधुनिक गतिविधियों से परिचय का प्रमाण।

33. एक आधार्य (मात्रिस्थकी अर्थशास्त्र), केन्द्रीय मात्रिस्थकी शिक्षण संस्थान, बम्बई, कृषि मन्त्रालय (कृषि विभाग)। वेतम् : ह० 700-40-1100-50/2-1250। आयु-सीमा : 45 वर्ष।

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
CENTRAL REVENUES**

New Delhi, the 21st November 1973

No. Admn. 1/5-5/Promotion/70-74/2116.—The Accountant General, Central Revenues, has been pleased to appoint the following Section Officers of this office/Superintendents of the C.A.G.'s office, allotted proforma to this office, to officiate as Accounts Officers in the time scale of Rs. 590—30—830—35—900 w.e.f. the dates shown against each until further orders.

योग्यताएँ : अभिभाव्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र में 'मास्टर' डिग्री अर्थवा समकक्ष योग्यता। (ii) अर्थशास्त्र के क्षेत्र में अन्वेषण अर्थवा अनुसंधान का लगभग सात वर्ष का अनुभव जिसमें भालिस्पकी अर्थ-शास्त्र का अनुभव सम्मिलित हो।

34. पश्तो का एक आख्याता, चिंदेशी भाषाओं का स्कूल, रक्षा मंत्रालय : वेतन : रु० 400-400-450-30-600-35-670-द० रो०-35-950। आयु-सीमा : 35 वर्ष। योग्यताएँ : अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री अथवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से आधुनिक पश्तो में डिग्री या डिप्लोमा अथवा समकक्ष योग्यता। (iii) अंग्रेजी में प्रवीणता।

35. एक ओटोग्राफिक अधिकारी, रक्षा मंत्रालय में वेतन :
रु० 350-25-500-30-590-द० रु०-30-800। आयुसीमा :
35 वर्ष। सरकारी कमेन्चारियों को छूट नहीं दी जाएगी। योग्यताएं :
अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिक्युलेशन
अर्थवा समकक्ष योग्यता। (ii) किसी सरकारी या अद्वं सरकारी
विभाग या विभाग वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में फोटोग्राफी का
लगभग 7 ब्रेंच का अनुभव जिसमें सिरों कैमरा मैत्रि की हैसिखत
से वरीयतः समाचार दर्शन (Newsreel) या वृत्त चित्र समनुवेशन
(Documentary Film Assignments) का पर्याप्त अनुभव
सम्मिलित हो।

36. दो प्राविधिक सहायक (विज्ञापन), विज्ञापन तथा दृश्य प्रचार निदेशालय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय। बेतन : द० 325-15-475-द० रो०-20-575। आयु-सीमा — 35 वर्ष। घोष्यताएँ : अनिवार्य : (i) किसी मान्यताप्राप्त विज्ञविद्यालय की डिग्री अधिकार समकक्ष घोष्यता। (ii) किसी विज्ञापन अभिकरण के उत्पादन विभाग में या किसी समाचार पत्र या पत्रिका के विज्ञापन विभाग में या किसी सरकारी या वाणिज्यिक संगठन में प्रेस विज्ञापन और/या यांत्रिकीय उत्पादन हेतु संधान (media) के चयन में लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

अशोक चर्म्म अमृतोपाध्याय
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

3. Shri U. S. Sharma Permanent S.O.—6-11-73 F.N.
Sd/- **ILLEGIBLE**
St. Dy. Accountant General (A)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

No. 49/73/G.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of Addl. Director General Ordnance Factories, with effect from the dates shown against each:

1. Shri L. B. Thairani, Offg. Addl. DGOF (Retd.)—9th Oct., 1972.

2. Shri M. N. Hukku, Offg. Addl. DGOF—9th Oct., 1972.

No. 51/73/G.—On attaining the age of 58 years Shri L. B. Thairani, R.D.O.F. (ER)/Permt. Addl. D.G.O.F. retired from service with effect from 3rd Nov., 1973.

R. M. MUZUMDAR
Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 9th November 1973

No. 52/73/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg Additional Director General, Ordnance Factories, with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri Siri Ram, perm't. Dy. D.G.O.F.—10th Sept. 1973.

The 12th November 1973

No. 53/73/G.—On expiry of combined leave for 512 days pending voluntary retirement and notice given by him under Article 459 C.S.R., Shri K. P. P. Menon, Offg. A.S.G.O.F./Gr. II (Subst and Permt. Sr. A.S.G.O.F./Manager) retired from service with effect from 2nd Aug., 1973 (F.N.).

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Factories

**DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES
(Directorate General of Health Services)**

New Delhi-11, the 30th October 1973

No. 38/7/73-CHS.I.—On his transfer to the post of Medical Officer, Seamen's Medical Examination Organisation, Port Health Organisation, Calcutta, Dr. S. B. Dutta, an officer of GDO Grade I of the Central Health Service relinquished charge of the post of Deputy Port Health Officer, Port Health Organisation, Calcutta on the forenoon of the 17th Sept., 1973 and assumed charge of the post of Medical Officer, Seamen's Medical Examination, Orgn., Port Health Organisation, Calcutta, on the same day forenoon.

On return from study leave, Dr. B. R. Sarkar, an officer of G.D.O. Grade I of the Central Health Service holding the post of Medical Officer, Seamen's Medical Examination Organisation, Port Health Organisation, Calcutta, assumed charge of the post of Deputy Port Health Officer, Port Health Organisation, Calcutta on the forenoon of the 17th September, 1973.

G. PANCHAPAKESAN
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 1st November 1973

No. 15-10/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. R. G. Sharma in the post of Assistant Professor of Psychology at the Hospital for Mental Diseases, Ranchi with effect from the forenoon of the 22nd August, 1973, on an officiating basis and until further orders.

S. P. GOSWAMI
Deputy Director Administration

New Delhi, the 19th November 1973

No. 1-47/73-Estt.—I consequent on the acceptance of his resignation, Dr. H. K. Arora relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, under the C. G. H. Scheme, Bombay on the afternoon of the 1st March, 1973.

K. VENU GOPAL, Dy. Director Admn. (CGHS)

New Delhi, the 20th November 1973

No. 20-8/73-SI.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri B. B. Ghokar, officiating Store Supdt., Government Medical Store Depot, Bombay, to the post of Assistant Depot Manager, in the Medical Store Depot, Bombay, with effect from the forenoon of 4th October, 1973 and until further orders.

New Delhi, the 22nd November 1973

No. 41-83/73-D.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. Krishnamurthy, Section Officer, in the Office of the Director of Audit and Accounts, Post and Telegraphs, Hyderabad, as Accounts Officer in the Medical Stores Organisation with effect from the forenoon of 21st September, 1973 and until further orders.

P. C. KAPUR,
for Director General of Health Services

(DRUGS SECTION)

New Delhi-11, the 26th November 1973

No. 41-83/73-D.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri R. Narayanaswamy as Drugs Inspector in the South Zone Office of Central Drugs Standard Control Orgn. of the Dte. General of Health Services at Madras, in a temporary capacity, w.e.f. the forenoon of the 12th Nov. 1973 and until further orders.

P. S. RAMACHANDRAN,
Drugs Controller (INDIA)
for Director General of Health Services

**MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS AND EXPORTS**

New Delhi, the 21st November 1973

**IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL
(Establishment)**

No. 6, 965, 72-Admn(G)/4629.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri N. D. Agnihotri, Stores Officer, Instruments Research and Development Establishment, Dehra Dun, as Controller in the Office of the Dy. Chief Controller of Imports & Exports, Hyderabad, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1973, until further orders.

R. C. G. SAXENA,
Dy. Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-22, the 22nd November 1973

No. CFR/4/73.—In exercise of the powers conferred on me by sub clause (2) of clause 23 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioners Notification No. CER/4/65, dated the 24th April, 1965, namely. In the said Notification :—

I. In the form 'C' under the head 'Price calculations' in item 12, after the words and mark "Retail price per pair/ per metre" the following shall be inserted, namely :—

"Excise duty

Consumer price per pair/piece/per metre
For 'Seconds' Cloth

Ex-factory price/per pair/piece/per metre

Retail price per pair/piece/per metre

Excise Duty

Consumer price per pair/piece/per metre"

II. In the Form 'C (P)' under the head 'Price calculation' in item (3), after the words and mark, "Retail price per pair/ per metre" the following shall be inserted, namely :—

"Excise duty.

Consumer price per pair/piece/per metre
For 'Seconds' cloth

Ex-factory price per pair/piece/per metre

Retail price per pair/piece/per metre

Excise duty.

Consumer price per pair/piece/per metre"

I. B. DUTT, Additional Textile Commissioner
[CLBI/4/12-E/73]

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF FOOD)
NATIONAL SUGAR INSTITUTE
Kanpur, the 13th November 1973

No. A-19012/21/70-Estt./7585-91.—In partial modification of the Notification of even No. dated 14-9-72, the undersigned is pleased to count Shri A. H. Jatri's period of Adhoc officiating in the post of Accounts-cum-Stores Officer from 29th August, 1971 to the 28th August, 1972 towards his probationary period of 2 years in the same post.

S. L. SAXENA, Director.

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

N. H. IV Faridabad, (Haryana State) the 16th Nov. 1973

No. F. 3/104/67-AFL.—On his attaining the age of 58 years, Shri E. Gopalan, Marketing Officer, Tobacco Grading Bangalore, superannuated from Government Service w.e.f. 18th September, 1973, afternoon.

The 23rd November 1973

No. F. 1/171/71-AFL.—Shri J. R. Solanki is appointed substantively to the permanent vacancy of Deputy Senior Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing & Inspection w.e.f. 22-8-1973.

N. K. MURALIDHARA RAO,
Agricultural Marketing Adviser

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 21st November 1973

No. A. 19018/97/73-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri P. Prabhakar Rao, a substantive Small Industry Promotion Officer, S.I.S.I., Hyderabad, to officiate as Assistant Director (Gr. II) in S.I.S.I., Madras in the forenoon of 9th October, 1973.

K. V. NARAYANAN,
Deputy Director (Admn.)
for Development Commissioner (SSI)

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-13, the 13th October 1973

No. 2181(DKI)/19B.—Shri D. K. Indra, A.I.C., S.T.A. (Chem), G.S.I. is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs 350—25—500—30—590—EB—30—30—830—35—900/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28th September, 1973, until further orders.

The 14th November 1973

No. 2339(RAT)/19B.—Shri Ram Akbal Tiwari, Senior Technical Assistant (Geophysics), Geological Survey of India, is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 5th September, 1973 until further orders.

No. 2339(HD)/19B.—Shri Hirak Das, Senior Technical Assistant (Geophysics), A.M.S.E. Wing, Geological Survey of India, is appointed as Assistant Geophysicist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st August 1973, until further orders.

The 16th November 1973

No. 2251(GKC)/19B.—Shri G. K. Chakraverty is appointed as Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 23rd August, 1973, until further orders.

Shri G. K. Chakraverty was holding the post of Driller in the Geological Survey of India with effect from 17-3-1972 (F.N.) on ad hoc basis.

M. K. ROY CHOWDHURY
Director General

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Dehi, the 5th November 1973

No. A.32013/11/73-EH.—The president is pleased to appoint Shri G. S. Gupta, as Director of Air Routes and Aerodromes (Operation), purely on ad-hoc basis in the Civil Aviation Department, with effect from 1st November, 1973 (forenoon), and until further orders.

The 9th November 1973

No. A.19013/14/72-EH.—On completion of his assignment as Representative of India on the Council of ICAO, Montreal, Canada, Shri Y. R. Malhotra has assumed charge of the Office of Deputy Director General of Civil Aviation with effect from the afternoon of the 20th October, 1973.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 3rd November 1973

No. E(1)04156.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. M. Biswas, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of seventynine days with effect from the forenoon of 13-8-1973 to 30-10-1973.

Shri Chakravorty, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04168.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. Chakravorty, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of seventynine days with effect from the forenoon of 13-8-1973 to 30-10-1973.

Shri Chakravorty, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

The 6th November 1973

No. E(1)03954.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. B. Shirali, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay to officiate as Assistant Meteorologist for a period of seventynine days with effect from the forenoon of 13-8-1973 to 30-10-1973.

Shri N. B. Shirali, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

The 7th November 1973

No. E(1)05564.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Pushpendu Sarcar, Scientific Assistant, Lucknow, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in Indian Met. Service, Class II (Central Service, Class II) in officiating capacity with effect from the forenoon of 11th September, 1973 and until further orders.

Shri Sarcar has been posted at the Meteorological Centre, Lucknow under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

No. E(1)04226.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri K. L. Sharda, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 12th October, 1973 and until further orders.

Shri K. L. Sharda, Offg. Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(1)04369.—Resignation of Dr. D. N. Sikdar, Assistant Meteorologist, India Meteorological Department (on-extra ordinary leave ex-India) at present employed with the Space Science and Engineering Centre, University of Wisconsin, U.S.A. has been accepted with effect from the forenoon of 25-8-1970.

The 8th November 1973

No. E(1)05634.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri G. C. Haldar, Professional Assistant, Office of the Deputy Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 11th October, 1973 and until further orders.

Shri G. C. Haldar, offg. Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona.

NOOTAN DAS
Meteorologist
for Director General of Observatories

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 2nd November 1973

No. 1/326/73-EST.—Shri A. Chandramouli, Officiating Technical Assistant, D.T.S., Poona is appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 29th September, 1973 and until further orders.

The 12th November 1973

No. 1/327/73-EST.—Shri D. S. Saxena, Officiating Technical Assistant, Project Office, New Delhi is appointed as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same office with effect from the forenoon of the 29th September, 1973 and until further orders.

The 16th November 1973

No. 1/19/73-EST.—Shri A. U. Nayak, Permanent Asstt. Supervisor, Bombay Branch, is appointed as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch, with effect from the forenoon of the 3rd September, 1973, and until further orders.

P. G. DAMLE
Director General

Bombay, the 2nd November 1973

No. 1/301/73-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri M. V. K. Kutty, Officiating Technical Assistant, Arvi Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 15th February, 1973 to the 21st September, 1973 (both days inclusive).

M. S. KRISHNASWAMY,
Administrative Officer,
for Director General

Bombay, the 5th November 1973

No. 1/321/73-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri N. K. Das, Permanent Assistant Supervisor, Calcutta Branch, as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from the 26th July, 1973 to the 21st August, 1973 (both days inclusive).

P. K. G. NAYAR,
Dy. Director (Admn.),
for Director General

CENTRAL WATER & POWER COMMISSION (WATER WING)

New Delhi-22, the 6th October 1973

No. A-19012/233/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri R. K.

Khanna to officiate as Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission on a purely temporary and ad-hoc basis. He will be entitled to draw his grade pay as Supervisor plus 10% allowance while employed as Extra Assistant Director/Assistant/Assistant Research Officer (Engg.) on an ad-hoc basis, with effect from 14-9-73 (F.N.) until further orders.

Shri R. K. Khanna took over charge of the office of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

The 15th November 1973

No. A 19012/415/73-Adm.V.—Consequent upon his selection by the Union Public Service Commission, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Dr. Ajit Kumar Sen to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water and Power Commission (Water Wing), New Delhi, with effect from 15-10-73 (F.N.) till further orders.

Dr. Ajit Kumar Sen will be on probation for a period of 2 years with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON, Under Secy.
for Chairman, C.W. & P. Commission,

New Delhi, the November 1973

No. 33/4/73-Adm.IV.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Sahi, Dy. Architect, attached to SA(DA) Unit No. II, P.W.D., Vikas Bhawan, New Delhi, to officiate as Architect in the General Central Service Class I in the scale of Rs. 700-40-1100-50/2-1250 in the same Department with effect from 15-10-1973 (Forenoon).

Sd/-ILLEGIBLE
Dy. Director of (ADMN.)

(LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT)

Dehra Dun, the 13th November 1973

No. 6/157/73-LTCP.—The Director, Logging Training Centres Project is pleased to appoint Shri H. B. Ingle, Assistant Conservator of Forests of Maharashtra State Forest Department, as Logging Instructor in Logging Training Centre, Chandrapur (Maharashtra) in a temporary capacity with effect from the 10th October, 1973 (forenoon), until further orders.

M. N. ASTHANA, Chief Executive Officer

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 19th November 1973

No. P. 185.Gaz/Stores.—Shri T. Subramanian, a Class II Officer of the Stores Department is confirmed in Class II service of that Department on the South Central Railway with effect from 22-7-1968.

P. N. KAUL, General Manager

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, ALLAHABAD

Allahabad, the 5th November 1973

No. 121/1973.—Shri H. C. Dewan, an officiating Superintendent of Central Excise, Class II, posted at Azamgarh in the Divisional Office, Varanasi, is hereby allowed to cross the Efficiency Bar at the stage of Rs. 800/- in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900, with effect from 22-2-1973.

The 14th November 1973

No. 123/1973.—Shri H. N. Singh, an officiating Superintendent, posted in the Central Excise Division, Allahabad, is hereby allowed to cross the Efficiency Bar at the stage of Rs. 590 - in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900, with effect from 3-6-1970.

J. DATTA
Collector
Central Excise, Allahabad.

NEW CUSTOM HOUSE
Bombay-400001, the 25th October 1973
(CUSTOMS)

No. 23.—Shri R. K. Pradhan, permanent Appraiser, Bombay Custom House, retired from service with effect from 13-10-1973 (AN).

M. R. RAMACHANDRAN
Collector of Customs
Bombay

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, BIHAR

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Presidency Type Foundry Private Limited*

Patna, the 6th November 1973

No. 3(510)73-74/4968.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Presidency Type Foundry Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Bihar, Patna

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
MAHARASHTRA

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. New Era Construction Co. Pvt. Limited*

Bombay, the 3rd November 1973

No. 14952/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. New Era Construction Co. Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Rajan Mehta and Company Private Limited*

Bombay-2, the 15th November 1973

No. 10035/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Rajan Mehta and Company Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Noble People Private Limited*

Bombay-2, the 16th November 1973

No. 11395/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Noble People Private Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Evangelical Baptist Fellowship*

Bombay-2, the 17th November 1973

No. 13751/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Evangelical Baptist Fellowship, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN
Addl Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

*In the matter of Companies Act, 1956 and in the matter of
Palmland Corporation Private Limited*

Ernakulam, the 5th November 1973

By an order dated 1-6-1973 in C.P.3 of 1973 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up the Palmland Corporation Private Limited.

K. K. SYED MUHAMMAD
Registrar of Companies
Kerala

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Skyline Exhibitors Private Limited*
Ahmedabad, the 8th November 1973

No. 1952/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Skyline Exhibitors Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies, Gujarat

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES, ORISSA

DESTRUCTION OF RECORDS

Cuttack, the 9th November 1973

No. J.R.O. 11/73-2174.—Notice is hereby given that the Records and Correspondence of underlined Companies which were struck off the Register of Companies on the date specified against each pursuant to the provisions and rules of the Companies Act, then in force, will be destroyed after 3 (three) months from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

Sl. No	Name of the Co.	Act under which regd.	Date of Registration	Date of striking off
1.	M/s Electrical Association Ltd.	1913	18-7-40	27-4-51
2.	M/s Orissa Glass Works Ltd.	"	28-2-46	29-10-51
3.	M/s Kharabel Press Ltd.	"	28-11-46	22-2-50
4.	M/s National Engineers Ltd.	"	28-11-46	22-2-50
5.	M/s. Doduma Electrical Industries Ltd.	"	19-12-46	9-2-50
6.	M/s Orissa Match & Timber Industries Ltd.	"	26-3-47	21-2-51
7.	M/s. Eastern Skyways Ltd.	"	26-3-47	10-8-50
8.	M/s. Hindi Trading Co. Ltd.	"	5-2-47	3-9-49
9.	M/s. Sumandi Salt Factory	"	4-7-47	24-4-50
10.	M/s. Suway & Company Ltd.	"	25-7-47	22-5-51
11.	M/s. Orissa Development Trust Ltd.	"	3-9-47	2-4-51
12.	M/s. Orissa Food Products Ltd.	"	4-10-47	22-2-50
13.	M/s. Mohan Chemicals & Ayurvedic Company Ltd.	"	12-1-48	1-4-51
14.	M/s. Orissa National Bank Ltd.	"	28-2-48	10-8-50
15.	M/s. Orissa Iron Steel Hardwares Corporation Ltd.	"	7-5-48	21-2-50
16.	M/s. Orissa Mining Syndicate Ltd.	"	11-9-48	21-2-50
17.	M/s. M.C. Dwel & Co. (Orissa) Ltd.	"	29-1-49	27-5-50
18.	M/s. Krishna Investment Co. Ltd.	"	13-9-50	12-6-52
19.	M/s. Rajagangpur Investment Co. Ltd.	"	13-9-50	12-6-52
20.	M/s. Minerals Ltd.	"	4-7-51	27-7-52
21.	M/s. Patna Village Industries Association Ltd.	"	3-11-42	15-8-51

S. N. GUHA,
Registrar of Companies, Orissa

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
MADRAS

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Ganga Films Private Limited*

Madras-6, the 12th November 1973

No. 831-560-73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of Ganga Films Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Assistant Registrar of Companies

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Susheela Devi, D/o. N. Ganesa Mudaliar,
No 34, Sivan Koil St., Salem.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD

Madras-6 the 12th December 1973

No. E. 517/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO,
being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing door No. situated at No. 47, 3rd Main Road, Gandhinagar, Madras-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet on 14-6-1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) B. S. Saroja Ramachandran; Ramachandran; & R. R. Ganesh, 47, III Main Road, Gandhinagar, Madras-20.
(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land & building in No. 47, 3rd Main Road, Gandhinagar, Adyar, Madras-20.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Dated : 12-12-73.

Seal : .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-2, 123, MOUNT ROAD.

Madras-6, the 12th December 1973

No. F. 517/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. situated at No. 47, 3rd Main Road, Gandhinagar, Madras-20, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saidapet on 14-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Sec. 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—
16—376GI/73

(1) B. S. Saroja Ramachandran; Ramachandran; & R. R. Ganesh, 47, III Main Road, Gandhinagar, Madras 20.

(Transferor)

(2) G. K. Devi, D/o. N. Ganesh Mudaliar, 31, Sivan Koil St., Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land & building in No. 47, 3rd Main Road, Gandhinagar, Adyar, Madras-20.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Dated : 12-12-73.

Seal :

FORM ITNS

(2) Technics process Pvt. Ltd. 23, Camac Street, Calcutta. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE,
CALCUTTA-1

Calcutta-1, the December 1973

Ref. No. AC-74/R-II/Cal/73-74. Whereas, I M. N. Tiwary, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27 situated at Cockler Lane (Western portion) Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Sub-Registrar, Alipur on 22-6-1973, for an officer an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kumudini Biswas 16, South End Park, Calcutta. (Transferor).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 cottahs 11 chittacks 11 sq. ft. in premises no. 27 Cockler Lane (Western portion) Calcutta.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1

Date : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS.....

(1) Shri Mahanidrappa Kheny, 336, Palace Upper Orchards, Bangalore, (Transferor).

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 11th December 1973

No. CR. 62/1443/73-74Acq(B).—Whereas, I B. Madhavan Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 336 situated at Palace Upper Orchards Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on June 1973,

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(2) Shiva Kumar Kheny, 336, Palace Upper Orchards, Bangalore, (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 portion in premises No. 336 Palace Upper Orchards, Bangalore.

B. MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Range, Bangalore

Date : 11-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, P-13, CHOWRINGHEE SQUARE,
CALCUTTA-1

Calcutta, the 10th December 1973

Ref. No. AC-76/R-II/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Western portion of 264B, situated at Jatin Bagchi Road, Calcutta-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at District Registrar 24 Parganas, Alipur on 18-6-1973.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Annapurna Ghose, W/o. Late Harisadhan Ghose, 93A, Lenin Sarani, Calcutta. (Transferor).
- (2) Smt. Maya Malakar, W/o. Sri Narayan Chandra Malakar, 20B, Lake View Road, Calcutta-29. (Transferee).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 cottahs 5 chittacks 29 sq. ft. being Western portion of Premises No. 264B, Jatin Bagchi Road, Calcutta-29.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square, Calcutta-1.

Date : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kumudini Biswas 16, South End Park
Calcutta. (Transferor).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA-1

Calcutta, the 10th December 1973

Ref. No. AC-77/B-II/Cal/73-74.—Whereas, I M. N. Tiwary, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27 situated at Cookler Lane Eastern portion Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer District Registrar, 24-Parganas, Alipur on 22-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 2 cottahs 10 chittacks 34 sq. ft. being the Eastern Portion of 27 cookler Lane, Calcutta.

M. N. TIWARY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, P-13, Chowringhee Square,

Calcutta-1

Date : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA-1

Calcutta, the 12th December 1973

Ref. No. TR509/C-96/CAL-1/73-74.—Whereas, I S. K. Chakravarty, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58 situated at Meleod St. Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer The Registrar of Assurances, 5, Govt. Place North Calcutta on 1-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Sri Nil Ratan Auddy. (Transferor).
- (2) Shaikh Manuwer Ali & Shaikh Murshidul Islam. (Transferee).

- 1. Sri C. R. Lopez.
- 2. Sri Hari Sadhan Ghose Person in occupation of the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied brick built building with land containing an area of 3 Cottahs 1 Chittack at premises No. 58 Meleod St. Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, P-13, Chowringhee Square,
Calcutta-1

Date: 12-12-1973

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 14th December 1973

Ref. No. MKL/1023/73-74.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Malerkotla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Malerkotla in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Roshan, s/o Ummra, Chah Ghaiswal, Malerkotla. (Transferor).

(2) (i) Sarvashri Om Parkash, (ii) Des Raj, (iii) Hans Raj, (iv) Shyam Lal, (v) Hari Ram, (vi) Pyare Lal, (vii) Ram Dhari, sons of Shri Bhagi Ram, Near Nai Abadi, Near Burnah shell, Singla Bhawan, Malerkotla.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land in Malerkotla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1045 of June, 1973 of the Registering Officer, Malerkotla).

G. P. SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range,
Chandigarh

Date : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-IV, AAYAKAR BHAWAN, M. K. ROAD,
BOMBAY-20

Bombay, the 10th December, 1973

Ref. No. AP.120/I.A.C.A.R.IV/73-74.—Whereas, I Shri G. S. Rao, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 1000, Plot No. 1027 (Part) & 1028 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Bandra, Bombay, on 4-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Evergreen Builders, 149, Navin Niwas, 3rd Floor, Dadyseth Agiary Lane, Bombay-2.
(Transferor).
- (2) West Nandawan Co-operative Housing Society Ltd., 1028, Bawa Padumansingh Road, Off: Mahatma Gandhi Road, Mulund, Bombay-400080.
(Transferee(s))

- (3) Transferee—i.e. the Members of the West Nandawan Co-op. Housing Society Ltd., (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the ground and three storeyed building situated lying and being at Bawa Padumansingh Cross Road, Mulund, in Greater Bombay Suburban bearing Survey No. 1000, Plot No. 1027 (Part) and plot No. 1028 containing by admeasurement 2540.4 sq. yds. equals 2124 sk. metres in the Sub. Dist. of Bandra B.S.D. bounded as follows—that is to say—on or towards the north, partly by plot No. 1001 and plot No. 1002, on or towards the south by Bawa Padumansingh Cross Road, on or towards the West by property belonging to the Purshottam Damji Kothari and Velji Damji Kothari bearing Survey No. 1000 plot No. 1026 (part) and plot No. 1027 (part).

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
BOMBAY

Date : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE-IV, AAYAKAR BHAWAN, M. K. ROAD,
BOMBAY-20

Bombay, the 10th December 1973

Ref. No. AP119/L.A.C.AR-IV/73-74.—Whereas, I Shri G. S. Rao the Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, IV Bombay, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2, H. No. 3 (part) C.S.T. No. 538/2, 538 and 538/1 Plot Nos. 19, 20 & 21, situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Bombay, on 1-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Noshirwan Muluk Irani & Others, 15-Cawasji Patel Street, Fort, Bombay-1, (Transferor).
- (2) Shri Mukhtar C. Mujec & Others, Trustees of Muniwar Abad Charitable Trust, at 132, Mutton Street, Bombay-3. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

17—376GI/73

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

ANNEXURE

FIRST: All that piece or parcel of land or ground being Plot No. 19 of the Private Development Scheme admeasuring 530.70 square yards i.e. 444 square metres or thereabouts and according to the District Inspector of Land Records 444 square metres situate lying and being at Oshivara Village near Jogeshwari in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban within the limits of Greater Bombay and bearing S. No. 2 Hissa No. 3 (part) and which said plot is bounded as follows: i.e. to say on or towards the East by a twenty feet wide passage and beyond that by Plots Nos. 21 and 22 of the said Private Development Scheme and on or towards the West by land being Survey No. 2 Hissa No. 2, on or towards the North by Plot No. 20 of the said Private Development Scheme and on or towards the South by Plots Nos. 17 and 18 of the said Private Development Scheme and beyond that by 30 feet access road delineated by a red coloured boundary line on the plan thereof hereto annexed and theron marked Plot No. 19 and which said plot bears City Survey No. 538/2 K Ward No. 5391 (19) Street No. 19.

SECONDLY: All that piece or parcel of land or ground being plot No. 20 of the Private Development Scheme admeasuring 535.50 square yards i.e. 448 square metres or thereabouts and according to the District Inspector of Land Records 448 square metres situate lying and being at Oshivara Village near Jogeshwari in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban within the limits of Greater Bombay and bearing Survey No. 2 Hissa No. 3 (part) and which said plot is bounded as follows:—i.e. to say on or towards the East by Plot No. 21 of the said Private Development Scheme, Hissa No. 2, on or towards the North by land bearing Survey No. 2 Hissa No. 3 (part) on or towards the South partly by Plot No. 19 and partly by 20 feet wide part of land of the said Private Development Scheme & which plot of land is delineated by a red coloured boundary line on the plan thereof hereto annexed and theron marked Plot No. 20 and which said plot bears City Survey No. 538 K Ward No. 5391 (20) Street No. 20.

THIRDLY: ALL that piece or parcel of land or ground being Plot No. 21 of the Private Development Scheme admeasuring 555.8 square yards i.e. 465 square metres or thereabouts and according to the District Inspector of Land Records 465 square metres situate lying and being at Oshivara Village near Jogeshwari in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban within the limits of Greater Bombay and bearing Survey No. 2 Hissa No. 3 (part) and which said plot is bounded as follows:—i.e. to say on or towards the East by land bearing—Survey No. 17 Hissa No. 14 on or towards the West partly by Plot No. 20 of the said Private Development Scheme and partly by 20 feet wide piece of land on or towards the North by land bearing Survey No. 2 Hissa No. 3 (part) and on or towards the South by Plot No. 22 of the said Private Development Scheme and which plot of land is delineated by a red coloured boundary. Together with the strip of land admeasuring 376.97 square yards equivalent to 315.2 square metres connecting the above plots to the 30 feet wide road and which said plot bears City Survey No. 538/1 K Ward No. 5397 (21) Street No. 21.

G. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date : 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
RANGE HUBLI, METRANI BUILDING, VIDYA
NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 13th December 1973

No. 49/73-74/H.Acq.—Whereas, I. R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 4, situated at Curchorem Village of Quepem Taluk (Goa) in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quepem on 21-7-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have, not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vijala Naik alias, Vijaia Forgentina, Borda, Margao (Goa). (Transferor).

(2) Shri Bhaskar Pundalik Dhulapkar. (ii) Shri Kanta Pundalik Dhulapkar. (iii) Shri Ashok Pundalik Dhulapkar. (iv) Kumar Sanjeev Pundalik Dhulapkar, Minor by Guardian and father Shri Pundalik Nagesh Dhulapkar. Opposite Cine Prashant, Curchorem-Sanguem Road, Curchorem, Quepem Taluk, (Goa). (Transferee)

*(4) (i) Shri Pundalik Nagesh Dhulapkar. (ii) Shrimati Anusuya Pundalik Dhulapkar. Opposite Cine Prashant Curchorem-Sanguem Road Curchorem, Quepem Taluk, (GOA). (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half of the Property named "LOTE E" where Exists one House on a Plot on Curchorem-Sanguem Road at Curchorem village of Quepem Taluk, Goa, described in the Land Registration Office under No. 16633 Folio 158/Book B. 45 and bounded—

On the West :—By the property of Daquibai of Cacora.
On the East :—By the Property of Diogo Pereira and others.

On the North :—By the Property of Salino Fernandes.
On the South :—By Curchorem—Sanguem Road.

R. PARTHASARATHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hubli

Date : 13-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-2, 123, MOUNT ROAD

Madras-6, the 12th December 1973

No. F. 517/73-74.—Whereas, I, A. RAGHAVENDRA RAO, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. situated at 47, 3rd Main Road, Gandhinagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Saidapet on 14-6-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (M of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) B. S. Saroja Ramachandran; Ramachandran; & R. R. Ganesh, 47, III Main Road, Gandhinagar, Madras 20.

(Transferor)

(2) Uma Devi, D/o. N. Ganesh Mudaliar, No. 31, Sivan Koil St., Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land & building in No. 47, 3rd Main Road, Gandhinagar, Adyar, Madras-20.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-2, Madras-6.

Dated : 12-12-73.

Seal :

(1) Shri Noshirwan Muluk Irani & Others, 15, Cawsaji Patel Street, Fort, Bombay-1. (Transferor).

(2) Shri Mukhtar C. Munjee & Others, Trustees of Maniwar Abad Charitable Trust at 132, Mutton Street, Bombay-3. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or ground being Plot No. 17 of the Private Development Scheme admeasuring 731-57 square yards i.e. 611.66 square metres or thereabouts and according to District Inspector of Land Records 612 square metres situate lying and being at Oshivara Village near Jogeswari in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban within the limits of Greater Bombay and bearing S. No. 2 Hissa No. 3 part and which said Plot is bounded as follows :—i.e. to say on or towards the East by Plot No. 18 of the said Private Development Scheme on or towards the West by Plot No. 16 of the said Private Development Scheme on or towards the North partly by property bearing S. No. 2 Hissa No. 2 (part) and partly by plot No. 19 of the said Private Development Scheme and on or towards the South by the 30 feet wide Access Road leading from and to Swami Vivekanand Road and which plot of land is delineated on the plan thereof hereto annexed and thereon surrounded by a red coloured boundary line and which said plot bears City Survey No. 538/5 K Ward No. 5397(17) Street No. 17.

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Date 10-12-1973

Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 10th December 1973

No. AP 117/I.A.C., AR-IV/73-74.—Whereas, I. G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 2, H. No. 1 (part) & 3 (part) C.T.S. No. 538/4, Plot No. 16 situated at Oshivara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay, on 1-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely—

- (1) Shri Noshirwan Muluk Irani & Others, 15, Cawnpur Patel Street, Fort, Bombay-1. (Transferor).
- (2) Shri Mukhtar C. Munjee & Others, Trustees of Muniwar Abad Charitable Trust at 132, Mutton Street, Bombay-3. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of land or round being Plot No. 16 of the Private Development Scheme admeasuring 819.44 sq. yds. i.e. 698.50 sq. metres or thereabout and according to the District Inspector of Land Record 698 sq. metres situate lying and being at Oshivara Village near Joge Swari in the Registration Sub-District of Bandra District Bombay Suburban within the limits of Greater Bombay and bearing S. No. 2 Hissa No. 3 (part) S. No. 2 Hissa No. 1 (part) and which said Plot is bounded as follows: i.e. to say on or towards the East by Plot No. 17 of the said private Development Scheme on or towards the West by 44 feet wide road on or towards the North partly by property bearing S. No. 2 Hissa No. 2 and on or towards the South by the 30 feet wide Access Road leading from and to Swami Vivekanand Road and which Plot of land is delineated on the plan thereof hereto annexed and thereon surrounded by a red coloured boundary line. Land which said plot bears City Survey No. 538/4 K Ward No. 5397 (16) Street No. 16.

G. S. RAO
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 10-12-73.

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, METRANI BUILDING, VIDYA NAGAR, HUBLI-21

Hubli-21, the 13th December 1973

No. 51/73-74/H.Acq.—Whereas, I, R. Parthasarathy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hubli,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 3094 situated at Ward No. 3, Bhuspeth, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Hubli on 30-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Kodanpur Gurulingappa Mallikarjunappa, Retd. Engineer, Srisailam Building, House No. 24, West Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(2) Sri Kodanpur Gurulingappa Channaveerappa, Srisailam Building, House No. 24, West Park Road Malleswaram, Bangalore-3. (Transferors).

(2) (1) Shri Vasant Malharirao Kachure. (2) Shri Shrikant Malharirao Kachure. (3) Shri Subhas Malbarirao Kachure, Partner in Messrs. K. A. Nandgerikar, Bhupet, HUBLI. (Transferees).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One site measuring approximately 262 square yards with an old House on it in C. S. No. 3094 situated at Ward No. 3, Bhuspeth, Hubli and bounded by :—

On the East : C.T.S. No. 2756.

On the West : Municipal Road.

On the North : C.T.S. No. 3093.

On the South : C.T.S. No. 3095.

R. PARTHASARATHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hubli)

Date : 13-12-1973

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th December 1973

Ref. No. AP115/I.A.C. AR-IV/73-74.—Whereas, I. G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 8, H. No. 5 situated at Amboli Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per Deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of only income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Dilip Himatilal Talsania, 105, Princess Street, Bombay-2. (Transferor).

(2) Shri Keshavbhai Vallabhbhai Patel, Guru Nagar No. 1, Varsova Rd., Andheri, Bombay-58. (Transferee).

*(3) Shri Ganpat Babu. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land or ground lying and being and situate at Village ambivali, Andheri, B.S.D. bearing the following description; Registrar Sub Distt. and Distt. of Bombay City.

Survey No. 8, Hissa No. 5, Area in Sq. yds. 1328. Area in Sq. metres. 1110.38

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 5-12-73.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION
RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th December 1973

Ref. No. AP 114/I.A.C., AR-IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 16, H. No. 3 & 4, situated at Amboli, Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 19-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

- (1) Smt. Chandan Himatilal Talsania, 105, Princess Street, Bombay-2. (Transferor).

(2) Shri Ramesh Prabhubhai Patel, Guru Nagar No. 1, Varsova Rd., Andheri, Bombay-58. (Transferee).

*(3) Shri Ganpat Babu and Baijibai Tuljawali. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transference of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcels of agricultural land or ground lying and being and situate at Village Ambivali, Andheri B.S.D. bearing the following description registration Sub-district and district of Bombay City.

Survey No. 16, Hissa No. 3, Area in Sq. Yds. 576 Area in sq. Meters 481.61.

ALL THAT piece or parcels of agricultural land or ground lying and being and situate at Village Ambivali, Andheri B.S.D. bearing the following description registration Sub-district and district of Bombay City.

Survey No. 16, Hissa No. 4, Area in sq. yds. 333, Area in sq. metres 278.43.

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 5-12-73.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 5th December 1973

Ref. No. AP.113/I.A.C.A.R.IV/73-74.—Whereas, I, G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 138A (Part 3), Plot No. 28, situated at Ambivali Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 20-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kartarkaur Raghbir Sethi, Ramachandra Mansion, New Bhatwadi, A.G. Street, Bombay. (Transfer).

- (2) The Eminent Employees Co-operative Housing Society Ltd., Maker Bhavan No. 2, 90, New Marine Lines, Bombay-20. (Transferee).
- (3) Members of the Transferee-Society. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with structure standing thereon situate lying and being at Village Ambivali (also known as Amboli) South Salsette Taluka, in the Registration Sub-District Bandra, District Bombay Suburban bearing Plot No. 28, admeasuring 876 square yards equivalent to 732.42 sq. metres or thereabouts and being part of Survey No. 138A (Part 3) and shown on the Plan annexed hereto and thereon surrounded by red coloured boundary line and bounded as follows :—that is to say on or towards the north by property bearing Plot No. 29, on or towards the south by property bearing No. 27, on or towards the East by Dhake Colony, and on or towards the West by 30 feet wide road.

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 5-12-73.

Seal :

FORM ITNS

2. Shri Amichand & Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1973

Ref. No. 23-A/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 59, 62 & 63 situated at Distt. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Haldwani on 4-6-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Daulat Ram. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agricultural land measuring 70 Bighas and 12 Biswas situated in Distt. Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 11-12-1973.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS—

1. Shri Deo Singh. (Transferor).

2. Smt. Bachan Kaur. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
 RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1973

Ref. No. 38-B/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khata No. 3 situated at Vadhi Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 26-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 42 Bighas 5 Biswas situated at Vill. Vadhi Nagar Distt. Nainital.

S. C. BAHL
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow

Dated : 10-12-1973.

Seal :

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS

2. Shri Virendra Kumar Bansal, (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th December 1973

Ref. No. 37-B/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 684/7, 690/1/1C situated at Distt. Nainital, Village Tali Bamori

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani on 14-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

1. Shri Jagannath Verma, (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 2 Bighas 5 Biswas and a plot 82.10 x 185 ft. situated in Distt. Nainital, at Vill. Tali Bamori.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 10-12-1973.

Seal :

*(Strike off where not applicable,

FORM ITNS—

2. Shri Pritam Singh. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1973

Ref. No. 20-P/Acq.—Wherein I, S. C. Bahl, IAC Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 to 30 & 195 situated at Vill. Koth Giri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani on 4-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

1. Shri Saudagar Singh. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 68 Bighas 12 Biswas 10 Biswansi situated at Vill. Koth Giri, Distt. Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 7-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

2. Shri Ajay Singh. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1973

Ref. No. 24-A/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq.
Range, Lucknow,
being the competent authority under section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason
to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 80 and 96 to 100 situated at Shahdora (and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
registering officer at Haldwani on 13-6-1973 for an apparent
consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer
as agreed to between the transferor(s) and the trans-
feree(s) has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been record-
ed by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely:—

1. Shri Jaswant Singh. (Transferor).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against
the acquisition of the immovable property will be fixed, and
notice thereof shall be given to every person who has made
such objection, and the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.—EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 80 Bighas situated at Vill.
Shahdora in District Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow)

Dated : 11-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

2. Shri Gurvindamal & Others. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
 RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th December 1973

Ref. No. 21-G/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 90 + 93 situated at Sahdora (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani on 2-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

1. Shri Harpal Singh. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 80 Bighas situated at Vill. Sahdora, Distt. Nainital.

S. C. BAHL
 Competent Authority.
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow)

Dated : 11-12-1973,

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Wasiuddin. (Transferor)

(2) Shri Raj Sankari Grah Sahkari Samiti Ltd., Lucknow
(Transferee).NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 42-R/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing No. Kahiyan situated at Wazir Hasan Road (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the registering officer at Lucknow on 27-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"All that free hold of land No. 5 measuring 6949 Sq. ft. with servants' quarters thereon together with all easementary rights attached to it and appurtenant thereto known as "Khiyaban" and situated on Wazir Hasan Road, Lucknow bounded as below and delineated in Red on the map attached thereto.

East—Sipoli House
West—Plot No. 6,
North—Plot No. 4
South—Lane."

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-12-1973.

Seal

FORM ITNS

(2) Shri Jagan Singh & Others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 21-J/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 87/1 situated at Vill. Patseni

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 16-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bimla Devi. (Transferor)

|9—376GJ|73

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agricultural land measuring 57 Bighas and 12 Biswas situated at Vill. Patseni in Dist. Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-12-1973.

Seal

FORM ITNS

(2) Shri Mohanlal Bhudarbai Gandhi Trust, Devkar Mansion, 1st Flr., 63, Princess Str., Bombay-2. (Transferee).

*(3) M/s. Kanji Shavji Parekh, 51, Mangaldas Road, Bombay-2. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of agricultural lands or ground situate in the village of Tungwa in the Pawai Estate in the Bombay Suburban District in the registration sub-district of Bandra registration sub-district Bombay Suburban containing by admeasurement in aggregate 13115 sq. yds. or thereabouts equivalent to 10963.84 sq. metres or thereabout (on actual measurement ascertained to be 13204 sq. yds. i.e. 11039.86 sq. metres or thereabouts) bearing previous landlords old Survey No. 31 (part) admeasuring 12485 sq. yds. or thereabouts equivalent to 10439 sq. metres or thereabout and bearing previous landlords old Survey No. 88 (part) admeasuring 630 sq. yds. or thereabouts equivalent to 526.76 sq. metres or thereabouts which lands now bear New Survey Nos. 41 (part) and 48 (Part) and C.T.S. Nos. 114 (part) and 113 (part) and bounded as follows : i.e. on or towards the East by Saki Vihar Road on or towards the West by the property bearing previous landlords Old Survey No. 30 (part) on or towards the North partly by the property of M/s. Khandelwal Bros and partly by Watch Factory and bearing previous landlords Old Survey No. 31 (part) and on or towards the South by the property bearing previous landlords Old Survey No. 88 (part) and which pieces or parcels of lands bearing New Survey No. 41 (part) and 48 (part) are shown delineated on the plan annexed hereto and thereon shown surrounded by red coloured boundary lines.

G S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date : 10-12-73.

Seal :

* (Strike off where not applicable)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-IV, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 10th December 1973

Ref. No. AP116/I.A.C. AR-IV/73-74.—Whereas, I. G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-IV, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 41 (Part) & 48 (Part) C.T.S. No. 113 & 111 (Part) situated at Tungwa Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Durgadevi Wife of Chandrabhen Bhuramal Sharma, Durga Niwas, Pawai, Bombay-78. (Transferor).

FORM ITNS.—

(1) Shri Rash Behari Agarwal. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pratap Narain Singh. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 17/P/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 286/1 situated at Ganeshpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 4-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 36 Dicimals & four small rooms, latrine, one drawing room, one well, one bath room situated at Ganeshpur, Varanasi.

S. C. BAHL

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-12-1973.

Seal

FORM ITNS—

(2) Shri Amulya Chandra Ray. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 262/A/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Agastkunda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Raju Bala. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building situated at Mohalla Agastkunda Dist. Varanasi.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-12-1973.

Seal

FORM ITNS —————

(2) Smt. Amar Kaur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th December 1973

Ref. No. 22-A/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 955 situated at Pratapur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Haldwani on 11-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit Singh, Jageer Singh & others. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 55 Bighas situated at Pratapur, Dist. Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-12-1973.

Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Proshotam Lal. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amar Singh & others. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th December 1973

Ref. No. 21-A/Acq. Whereas, I, S. C. Bahl, IAC. Acq. Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 62/7/75065 situated at Sripur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Haldwani on 28-6-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agricultural land measuring 69 Bighas situated at Sripur in Dist. Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 6-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mahinder. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Balwant Singh. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1973

Ref. No. 36-B/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/1, 39/1 situated at Ratanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 18-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 80 Bighas situated at Vill. Ratanpur, Dist. Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 7-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1973

Ref. No. 19-G/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 232/1 situated at Dist. Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Haldwani on 4-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar Singh. (Transferor)
- (2) Shri Gopal Singh. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is therby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 63 Bighas 12 Biswas situated in Dist. Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 7-12-1973,

Seal :

FORM ITNS

tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons
namely :—

**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1973

Ref. No. 22-K/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Dist. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-
20—376GI/73

- (1) Shri Prithvi Raj. (Transferor)
- (2) Shri Kewal Singh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 50 Bighas 12 Biswas situated in Nainital District.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 7-12-1973.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1973

Ref. No. 10-C/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Girdharnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 20-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Singh. (Transferor)
- (2) Shri Chaudhari Ram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 47 Bighas 6 Biswas and a house 10 × 12 situated at Girdharnagar, Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 7-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Surjit Kaur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1973

Ref. No. 45S/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22 to 26 situated at Kathgiri and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Haldwani on 4-6-1973 registering officer at on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Saudagar Singh. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 68 Bighas 12 Biswas 10 Biswansi situated at Vill. Kathgiri, Nainital.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 17-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1973

Ref. No. 9-L/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7 situated at Dist. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haldwani on 5-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Sona Ram. (Transferor)

(2) Shri Ludin Chan. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 46 Bighas situated in Nainital District, Vill. Jagat Pur.

S. C. BAHL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 7-12-1973.

Seal

FORM ITNS

(2) Smt. Shyama Rani. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 44-S/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq.
Range,Lucknow, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Nos. 136, 118 situated at Tagore Town.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
registering officer, at Allahabad on 16-6-1973.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the transferor(s) and the
transferee(s) has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).And whereas the reason for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter
XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been
recorded by me.Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid
property by the issue of this notice under sub-section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later:(b) by any of the person interested in the said im-
movable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and notice
thereof shall be given to every person who has made such
objection, and the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 1165 Sq. Yds. and a plot situated at
Tagore Town, Dist. Allahabad.S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-12-1973.

Seal :

(1) Shri Kunj Mohan Banerjee. (Transferor)

FORM ITNS

(1) Shri Dush Nath & others. (Transferor)

(2) Shri Jagram & others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 20-J/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 193/2, 337/6 situated at Ramna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 23-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under Sub-section (I) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 8.45 Acres situated at Vill. Ramna, Dist. Varanasi.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-12-1973.

Seal :

FORM ITNS —————

section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 19-P/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-48/136 situated at Misrar Pokhar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 13-6-73

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

(1) Shri Kumud Kumar Singh. (Transferor)

(2) Smt. Phoolmati Devi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house having 10 rooms one kitchen a big roof and one court yard situated at Varanasi.

S. C. BAHL

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Dated : 5-12-1973.

Seal

FORM ITNS

(2) Shri Somma Mal. (Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 45/RS/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/361 situated at Pandeypur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 13-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Sohan Lal. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house and a plot measuring 13318 Sq. Ft. situated at Mohalla Pandeypur, Dist. Varanasi.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-12-1973.

Seal

FORM ITNS

(2) Shri Prem Nath Kapoor & others. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 18-P/Acq.—Whereas I, S. C. Bahl, IAC Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 274 situated at Khanipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lakhimpur on 16-1-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Balbir Kaur & others. (Transferor)

21—376GI|73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 50 Acres situated at Vill. Khanipur, Dist. Lakhimpur.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 5-12-1973.

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1973

Ref. No. 6-V/Acq.—Whereas I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range,
Lucknow, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 42/95 situated at Peerpur Square (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 18-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XVA of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of

Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Pt. Prem Chand Chaturvedi, (Transferor)

(2) Smt. Vidyawati, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A two storied building situated at Peerpur Square, Lucknow.
Dated : 5-12-1973.

S. C. BAHL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Dayal.

(Transferor)

(2) Shri Sahas Singh & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 7th December 1973

Ref. No. 48-S/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow

being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83/88/71 & 90/17/3 situated at Govindpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Haldwani on 19-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Indian Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural and measuring 101 Bighas situated at Vill Govindpur Dist. Nainital.

S. C. BAHL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 7-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagannath & Others.

(Transferor)

(2) Shri Sunder Singh & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 7th December 1973

No. 47-S/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl IAC, Acq. Range, Lucknow being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 19 & 19/88 situated at Atakhdai and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Haldwani on 20-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 52 Bighas and a house 12 X 30 Sq. Ft. situated at Vill. Atakhdai, Nainital.

S. C. BHAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 7-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 4th December 1973

No. 4-T/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, I.A.C. Acq. Range, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 138, situated at Gonari

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pilibhit on 25-6-73 for an apparent considera-

tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Mohd. Yusuf.

(Transferor).

(2) Shri Tej Singh & others.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 16.39 Acres situated at Vill. Gonari, Distt. Pilibhit.

S. C. BAHL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 4-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 4th December 1973

Ref. No. 16-P/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18 situated at Fatehullah/Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at Nagina on 25-6-73,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- | | |
|-----------------------------------|--------------|
| (1) Shri Surenderjit Singh. | (Transferor) |
| (2) Shri Paramjit Singh & others. | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 16 Bighas situated at Vill. Patchullabnagar, Distt. Bajnore.

S. C. BAHL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated : 4-12-73.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohd. Ishaq,
(2) Shri Resham Singh & others.(Transferor)
(Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 4th December 1973

Ref. No. 41-R/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36, 70/2 situated at Babli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Nagina on 5-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land measuring 14 Bighas 17 Biswas situated at Vill. Babli, Distt. Bijnore.

S. C. BAHL,
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range,
Lucknow.

Dated : 4-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Dhin & others.
(2) Shri Babu Ram.(Transferor).
(Transferee).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 4th December 1973

Ref. No. 40-R/Acq.—Whereas, I, S. C. Bahl, IAC, Acq. Range, Lucknow, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/1 situated at Govindpur, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kashipur on 29-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely,—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Agricultural Land measuring 64 Bighas situated at Govindpur District Nainital.

S. C. BAHL,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax,
Acquisition Range Lucknow,

Dated : 4-12-1973.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th December 1973

Ref. No. J. No. I(419)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40-1-14A situated at Labbipeta Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada on 14-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Vemilapalli Madhusudhanarao S/o Anjayya, 22—376GI/73

- 2. Shri Vemilapalli Pattabhiramaiah S/o Anjayya,
- 3. Shri Yelamanchilli Venkatasubbarao S/o Surya-prakasarao P/rs in Sri Satyanarayana Lorry Service, VIJAYAWADA. (Transferor)
- (2) Shri Chukkapalli Venkateswararao S/o Kushalarao, P/r Bharat Automobiles, Governorpet, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House site and three zinc sheds in N.T.S. No. 87 and 88, Revenue Ward No. 11—Block No. 4—ASST. No. 26436A—Door No. 40-1-14A—Labbipeta, Vijayawada.
Extent : 1267 1/18 Sq. Yds. or 1059.42 Sq. Mtrs.
Bounded by : East : Vallusupalli Kesavarao chowdary etc.,
South : Chukkapalli Suseels etc.,
West : Mahaboob Ali saheb
North : Road.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 11-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th December 1973

Ref. No. J. No. I(521)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-24-16 situated at Brahmaiah Pantulu St. Satyanarayapuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada on 16-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Adivi Venkataraman S/o Subbarao Garu, (Employed in Electronic Corporation of India, Moula Ali) Residence : Chikalapalli, Hyderabad Dist. (Transferor)

- (2) Shri Banda Suryanarayana, S/o Bhaskararao, Ashok Pulvarizers, Satyanarayananapuram, Vijayawada. (Transferee)
- * (3) 1. Shri B. Prasadaraao
2. Shri B. Satynarayana
3. Shri B. Ramachandraraao
4. Shri P. S. R. Sarma
All r/o 23-24-16, Brahmaiah Pantulu St. Satyanarayapuram, Vijayawada.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Terraced building—Zinc sheet sheds etc.—R.S. No. 118/1 of Vijayawada Village portion—Municipal ward No. 21—Asst. No. 17925/B&C Door No. 23/24/16 Brahmaiah Pantulu Street—Satyanarayananapuram.

Extent : 400 S. Yds. House site.

East : Kanchubotla Pullamaa 72'-6" or 21.94 mts.

South : Brahmaiah Pantulu Road 50' or 15.24 mts.

West : Chilla Bala Venkateswararao 71'.5" or 21.17 mts.

North : Sumanam Ramakrishna 50' or 15.24 mts.

K. SUBBARAO.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 11-12-1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA**

Kakinada, the 10th December 1973

Ref. No. J. No. 1(523)/73-74.—Whereas, I. K. Subbarao, being the competent authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-1-6/13 situated at Chandramoulipuram Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 14-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Pasupaty Venkatnarasayyanuma w/o Sri Bangaru Raju Jonnavajala Village, Vijayanagaram Tq., Visakhapatnam Dist. (Transferor)
- (2) Shri Kanuri Jayadev, partner in M/s. Lakshmi Combines Gandhinagar, Vijayawada. (Transferee)
- (3) Sri B. Sivaramakrishna, partner in M/s. Lakshmi Combines, Gandhinagar, Vijayawada. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property shall be fixed, and notice thereof shall be given to every such person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Building in N.T.S. No. 133—Rev. Ward No. 11, Block No. 6, Asst. No. 2619; Dr. No. 5-1-6/13, Chandramoulipuram—Measures 853-4 sq. yds. or 713-55 sq. mtrs.

Boundaries.

East : Sri P. S. Gopalakrishna Rao's property.

South : Sri S. Venkatasundraiah's site.

West : Road.

North : Vacant site of Sri D. Venkataswamy.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 10-12-1973.

Seal :

FORM ITNS —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th December 1973

Ref. No. J. No. I(531)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29-37-52 & 52B situated at Eluru Road, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vijayawada in June, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kopuri Basavaiah alias Devasahayam, S/o Late Venkataswamy, Retd. Sales Tax Officer, Seetharamapuram, Vijayawada. (Transferor)
- (2) Shrimati Adidamu Nagaratnamma, W/o Kanaka Veerabhadra Rao, Bhadrirajupalem, Vijayawada Taluk. (Transferee)
- * (3) 1. Smt. Beharilal Ahuja, Wine Centre, Vijaya Talkies Centre, Eluru Road, Vijayawada. 2. Padmaja Book Centre, Vijayawada. (Person in occupation of the property).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated in Vijayawada town, Arundalpet, Municipal Ward No. 29, Revenue ward No. 9, Block No. 13, N.T.S. Nos. 694, 317, Asst. No. 21481, Door Nos. 29-37-52 & 52B and bounded by :

East : Veligeti Ramayya's building.

South : Yeleswarapu Krishnamurty's building lane.

North : Eluru Road.

with in these boundaries site measuring 200 Sq. Yds. or 167,226 Mtrs and a storeyed building therein.

K. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 11-12-1973.

Seal :

*Strike off where not applicable.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 11th December 1973

Ref. No. J. No. I(561)/73-74.—Whereas, I, K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29-1-9 & 29-7-4 situated at Vallabhai Street, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Kakinada on 19-6-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yenumala Mallu Dora, S/o Lachanna Dora, Vallabhai Street, Kakinada. (Transferor)
- (2) Yenumala Venkatarayulu, S/o Malludorn, Vallabhai Street, Kakinada. (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and site measuring 840 Sq. Yds. or 702.356 Sq. Mts. in Ward 18 of Kakinada Municipality Band Road (Vallabhai Road) on the eastern side bearing door No. 29-1-9 and 29-7-4, Asst. No. 8601 and 8643 teraced building and out house. Bounded By :

East : Wall relating to the house sold by Maddala Manikyam 12.00 Yds. or 10.03 Mts.

South : Public lane 70 Yds. or 64.02 Mts.

West : Vallabhai Street 12.00 Yds. or 10.03 mts.

North : Public lane 70 Yds. or 64.02 mts.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 11-12-1973.

Seal :

FORM ITNS ——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/AP-394/73-74/3305.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 938 of June, 1973 situated at Br. Chowk Baba Sahib, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kailash s/o Shri Mangat Ram Chowk Baba Sahib, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Faqir Chand s/o Shri Jagat Ram, Chowk Baba Sahib, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at St. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 938 of June, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 12-12-73.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref No. ASR/AP-395/73-74/3306.—Whereas, I, D. S. GUPTA,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1060 of June, 1973 situated at Lohgarh Chowk, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in June 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sudesh Kumar s/o Shri Shori Lal, Jail Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Shri Ramesh Kumar & Vijay Kumar s/o Shri Tara Chand Handa, Durgiana Abadi, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1060 of June 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/Jul/AP-396/73-74/3307.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 8 as mentioned in the Registered Deed No. 2553 of June, 1973 situated at Satluj Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under

sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Satluj Chil Fund (P) Ltd., Jullundur through Shri Ajit Singh Devgan. (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh s/o Shri Surain Singh s/o Shri Labh Singh, E. F. 419 Krishan Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8 Satluj Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 2553 of June, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Satluj Chit Fund (P.) Ltd., Jullundur through
Shri Ajit Singh Devgan Sutlej Market, Jullundur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/Jul/AP-397/73-74/3308.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 7 Sutlej Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 2554 of June, 1973 situated at Satluj Market, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—
23—376GI|73

(2) Shri Nimal Singh s/o Shri Surain Singh s/o Shri Labh Singh, E.F. 419 Krishan Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 Satluj Market, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 2554 of June, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-1973.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Jul/AP-398/73-74/3309.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 2910 of June, 1973 situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Guru Dass Gupta S/o, Shri Faqir Chand Gupta S/o, Shri Radha Krishan Gupta, 263 Civil Line, Dharm Sala.
(Transferee)
- (2) Shri Jasbir Singh S/o, Capt. Umrao Singh of Jullundur, 34-L Model Town Jullundur.
(Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2910 of June, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-3 CHANDERPURI,
TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/BTL/AP-399/73-74/3310.—Whereas I. D. S. GUPTA, being the competent authority under Section 269 B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1008 of June, 1973, situated at G.T. Road, Batala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Batala in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Iqbal Chand s/o Shri Khushal Chand R/o Batala. (Transferor)
- (2) M/s. Atlas Engg : Industries, G. T. Road, Batala. (Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above, (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property, (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice therefore shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanals 15 Marla in G.T. Road, Batala as mentioned in the Registered Deed, No. 1008 of June, 1973 of the Registering Officer, Batala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/SML/AP-400/73-74/3311.—Whereas I, D. S. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 308 of June, 1973, situated at Simla, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in June 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar Singh Thakur S/o. Shri Thakur Dass V. Reha Teh. & Distt. Simla. (Transferor)
- (2) Shri Ram Sarup Thakur S/o Shri Thakur Dass, Royal Hotel, Simla. (Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 308 of June, 1973 of the Registering Authority, Simla.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-3 CHANDERPURI,
TAYLOR ROAD. AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/SML/AP-401/73-74/3312.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 285 of June, 1973, situated at Near Railway Station, Balu Ganj (Simla), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Simla in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Col. Madan Singh, Jaspal and Avtar Singh S/o. Shri Nirjan Singh r/o Dal Villa, Simla.
(Transferor)

(2) Shri Basheshar Dass S/o Shri Kirpa Ram and Shri Rajinder Lall S/o Shri Basheshar Dass, Ram Bazar, Simla.

(Transferee)

(3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 285 of June, 1973 of the Registering Authority, Simla.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, dated 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-402/73-74/3313.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 944 of June 1973, situated at V. Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sohan Singh s/o Shri Dehra Singh Vill. Lahori Gate, Kapurthala.
(Transferee)

- (2) Smt. Kartar Kaur W/o Shri Shangara Singh Vill. Koklipur, Distt. Kapurthala.
(Transferee).
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the Objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 944 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-403/73-74/3314.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land is mentioned in the Registered Deed No. 946 of June, 1973, situated at V. Bhavanipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Dewan Singh s/o Shri Gulab Singh R/o Kot Bhavanipur Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shri Dharam Singh s/o Shri Wasava Singh R/o Gopipur Distt. Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land is mentioned in the Registered Deed No. 946 of June, 1973 of the Registering Authority Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-404/73-74/3315.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 482 of June, 1973, situated at V. Bahoi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Harbans Singh s/o Shri Hukam Singh Village Shekhupur Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Gurcharan Singh s/o Shri Pur Singh V. Bhagwanpur, Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 482 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM, ITNS—

- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-406/73-74/3316.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 669 of June, 1973, situated at Shaifabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Karam Kaur w/o Shri Teja Singh, V. Shaifabad Distt. Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shri Piara Singh s/o Shri Ujjager Singh Village Shaifabad, Distt. Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
24—376GI/73

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 669 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-407/73-74/3317.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 759 of June, 1973, situated at Sat Narain Bazar, Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in term of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Umesh Chander Dhir s/o Shri Kesav Chander Dhir, Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shri Kimti Lal s/o Shri Duni Chand s/o Shri Dial Chand c/o M/s Laxmi Refreshment Sat Narain Bazar, Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 759 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-408/73-74/3318.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 854 of June, 1973, situated at Village Lakan Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kartar Singh, Dal Singh SS/o Shri Harnam Singh, V. Lakan Kalan.

(Transferor)

(2) Shri Basti Ram, Khiraiti Lal SS/o Shri Devi Ditta Mal, Mohd. Araf Wallah, Kapurthala.
(Transferee)

- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice hereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 854 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-409/73-74/3319.—Whereas I, D. S. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 946 of June, 1973, situated at Village Bhiwanipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dewan Singh s/o Shri Gulab Singh s/o Shri Gurjan Ditta R/o Kot Bhiwani, Tehsil Kapurthala.
(Transferor)

(2) Shri Dharam Singh s/o Shri Wasawa Singh R/o Gopian Tehsil Kapurthala.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the Property)

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 946 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973.

No. ASR/KPR/AP-410/73-74/3320.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 722 of June, 1973, situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973, on 25-6-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gujjar Mal s/o Shri Pohlo Mal, Kapurthala. (Transferor)
- (2) Shri Ram Lal s/o Shri Sobha Ram, Depot Holder, Moh. Khazanchian, Kapurthala. (Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 722 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-411/73-74/3321.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 642 of June, 1973, situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sant Ram Singh s/o Shri Deva Ram Singh, Mohalla Bawali, Kapurthala.

(Transferor)

- (2) Shri Kartar Singh s/o Shri Ishwar Singh, Mohalla Karim Pura, Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 642 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Hazoor Singh Legal heir Shri Khushal Singh
R/o Kanjali.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/KPR/AP-412/73-74/3322.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 464 of June, 1973, situated at Kapurthala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Capt. Maharaj Dass s/o Rai Sahib Bhagwan Dass, Kapurthala.
(Transferor)

- (2) Shri Hazoor Singh Legal heir Shri Khushal Singh R/o Kanjali.
(Transferee)
- (3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 464 of June, 1973 of the Registering Authority, Kapurthala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/PHG/AP-413/73-74/3323.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269D, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 682 of June, 1973, situated at V. Bhagana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Sham Singh s/o Shri Ishar Singh of Village Rehana Jattan.
(Transferor)

(2) S/Shri Darshan Singh, Sewa Singh, Sohan Singh s/o Shri Jagat Singh of Village Rehana Jattana.
(Transferee)

(3) As at S.No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 682 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahan Singh s/o Shri Bhagat Singh R/o Palahi Teh. Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP/414/73-74/3324.—Whereas J. D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 487 of June, 1973, situated at V. Palahi, Teh. Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :

25—376GI/73

- (1) Shri Mahan Singh s/o Shri Bhagat Singh R/o Palahi Teh. Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Amarjit, Sukhjit, Kuldip Singh SS/o Shri Swaran Singh of Palahi, Teh. Phagwara.
Shri Tara Singh s/o Shri Jagat Singh of Palahi Teh. Phagwara.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 487 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-415/73-74/3325.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 543 June, 1973 situated at Model Town, Phagwara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phagwara in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurmit Kaur w/o Sh. Malkiat Singh R/o Rajipur Teh. Phagwara, Sh. Mukhtiar Singh, Paramjit Singh R/o Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Sukhvir Singh, Avtar Singh SS/o Shri Swaran Singh R/o Phagwara.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 543 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara,

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM IIINS —————

(1) Shri Atma Ram s/o Shri Ganga Ram of Narang Shahpur Teh. Phagwara.
(Transferor)

(2) Smt. Nasib Kaur w/o Shri Rup Singh of Narang Shahpur Teh. Phagwara.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 553 of Junc, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-2416/72-73/3326—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 553 of June, 1973 situated at Narang Shahpur Teh. Phagwara, (and more

fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-417/73-74/3327.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 554 of June, 1973 situated at Village Sangatpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phagwara in June 1973 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gurdev Singh s/o Shri Mela Singh Shri Hari Singh s/o Shri Naranjan Singh Shmt. Pritam Kaur w/o Sh. Gurdial Singh Village Sangatpur, (Transferor)
- (2) Smt. Gurbachan Kaur w/o Shri Mohinder Singh of Sangatpur, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 554 of June, 1973 of the Registering Authority Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR**

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Pbg/AP-418/73-74/3328.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 555 of June, 1973 situated at Dewa Singh Wallah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Udo Ram s/o Shri Ram Dhan of Vil. Khera.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdial Singh s/o Shri Tulsa Singh Smt. Pritam Kaur w/o Shri Gurdial Singh V. Akalgarh Teh.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 555 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI
 RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
 AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-419/73-74/3329.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 576 of June, 1973 situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Dilbagh Singh, Nirbail Singh SS/o Shri Atma Singh, Smt. Tej Kaur Wd./o Shri Chanan Singh, Phagwara East. (Transferor)
- (2) Shri Mohan Lal s/o Shri Gurdas Ram Sharma R/o Kotharan Teh. Nawan Shehar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 576 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/PHg/AP-420/73-74/3330.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 686 of June, 1973 situated at V. Meeranpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Karam Singh R/o Gujratn. Teh. Phagwara.
(Transferor)

(2) Shri Jaimal Singh s/o Shri Santokh Singh Kot Kalan.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 686 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-421/73-74/3331.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 706 of June, 1973 situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohan Singh s/o Shri Naranjan Singh, Kot Kalan Khetwar, Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Paramjit Singh, Kuldip Singh s/o Shri Gian Singh V. Nangal Majha, Teh. Phagwara.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 706 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-422/73-74/3332.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 727 of June, 1973 situated at G.T. Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

New, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—
26—376GI/73

- (1) Shri Lal Chand s/o Shri Ram Dass, S/Shri Sant Ram Chaman Lal, Roop Chand, Ved Parkash SS/o L. Telu Ram of Phagwara, (Transferor)
- (2) L. Telu Ram s/o Shri Ram Chand of Phagwara, (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 727 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-423/73-74/3333.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 745 of June 1973 situated V. Panchhia (and more fully described in the Scheduled annexed here to), has been transferred as per deed registered and the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of The Registering Officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Bhagwanti Wd/o Shri Babu Ram s/o Shri Gopi Ram of V. Panchhia.
(Transferor)
- (2) Shri Satnam Singh, Jasbir Singh ss/o Shri Raghbir V. Panchhia.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objection, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 745 of June 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-12-73.

Seal ;

FORM ITNS

(3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-424/73-74/3334.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 612 of June, 1973 situated at Village Chachoki Teh. Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Kehar Singh s/o Shri Nand Singh R/o Chachoki Teh. Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Ranjit Singh, Amrik Singh, Resham Singh SS/ Shri Niranjan Singh V. Birk Teh. Phillaur.
(Transferee)

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 612 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D-(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Phg/AP-425/73-74/3335.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 506 of June, 1973 situated at V. Hadiabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manchander Nath s/o Shri Durga Dass V. Hadiabad (Transferor)
- (2) Shri Hem Raj s/o Rakha Ram, Tara Rani w/o Shri Hem Raj, Asha Rani w/o Shri Gian Singh, V. Hadiabad. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Model Town, Jullundur as mentioned in the June, 1973 of the Registering Authority Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/Jul/AP-420/73-74/3336.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 2192 of June, 1973 situated at Model Town, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in June 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Devi w/o Shri Shiva Nand s/o Shri Hans Raj, Model Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Prem Vati w/o Shri Vazeer Chand, Jullundur. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Model Town, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 2192 of June, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
 RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
 AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/NDR/AP-431/73-74/3337.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 12 Marlas Araji Nisam Village Nakodar as mentioned in the registered deed No. 536 of S. R. Nakodar of June, 1973 situated at Village Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Bagga Singh alias Rakha Singh s/o Kala Singh of Nakodar.

(Transferor)

- (2) Shri Nazar Singh Adopted son of Bhagwan Singh r/o Pandori Tehsil Nakodar.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 536 of June, 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of
 Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Harnam Kaur Wd/o Sh. Ishar Singh s/o Shri Doda Singh Mahitpur, Teh. Nakodar.
(Transferor.)

(2) S/Shri Ranbir Singh, Balwant Singh and Kulwant Singh ss/o Shri Harbhajan Singh V. Sarib.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/NDR/AP-432/73-74/3338.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the registered deed No. 670 of June, 1973 situated at Village Mehatpur, Teh. Nakodar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nakodar in June, 1973 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 670 of June, 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
 RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
 AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/NDR/AP-433/73-74/3339.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 772 of June, 1973 situated at V. Khaira Mustaka Teh. Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Nakodar in June, 1973, for and apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) S/Shri Darshan Singh and Gurdial Singh sons of Shri Dalel Singh Alias Dalip Singh s/o Hari Singh r/o Khaira Musrka, Teh. Nakodar.
 (Transferor)

- (2) Shri Khazan Singh s/o Jawala Singh s/o Budh Singh r/o Singhpur Bet, Teh. Nakodar.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 772 of June, 1973 of the registering authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

No. ASR/INDR/AP/434/73-74/3340.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the registered deed No. 802 of June, 1973 situated at V. Talwandi Bhaso (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Nakodar in June, 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

27—376GI/73

(1) Smt. Budh Kaur Wd & Harnam Kaur d/o Khushal Singh Talwandi Bhaso.
(Transferor)

(2) Shri Kashmir Singh s/o Tarlochan Singh Talwandi Bhaso.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, [Persons(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 802 of June, 1973 of the registered authority.

D. S. GUPTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/NDR/AP-435/73-74/3341.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in registered deed No. 804 of June, 1973 situated at V. Talwandi Bhaso

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nakodar in June, 1973 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Smt. Budh Kaur Wd & Harnam Kaur d/o Shri Khushal Singh Talwandi Bhaso.
(Transferor)

(2) Shri Jagat Singh s/o Shri Khushal Singh Talwandi Bhaso.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 804 of June, 73 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, 3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/NDR/AP-436/73-74/3342.—Whereas I, D.S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. HQ One shop as mentioned in registered deed No. 793 of June, 73 situated at Tehsil Chowk, Nakodar (and more fully described in annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Chaman Lal s/o Charan Dass, of Nakodar. (Transferor)

(2) Shri Amar Singh s/o Shri Sunder Singh s/o Sohna of Nakodar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above, [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop as mentioned in the registered deed No. 793 of June, 1973 of the Registering Authority, Nakodar,

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD,
AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/NDR/AP-437/73-74/3343.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 506 of June, 1973 situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in June, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1962) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Sadhu Ram s/o Shri Thakur Dass r/o Kahnai, Nakodar.
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Som Parkash s/o Lekh Raj, Nakodar.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Persons(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 506 of June, 1973 of the registering authority, Nakodar.

D. S. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 14-12-73.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/SRR/AP-438/73-74/3344.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 181 of June, 1973, situated at All a Ditta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sultanpur Lodhi in June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Maghar Lal s/o Sh. Mohan Das, Mukhtiar-
am Sh. Viru Bhai, Shmt. Gopali Bhai d/o Bhadhu
Ram, Sh. Aaya Ram s/o Deva Ram s/o Mohan
Das, Satish Kumar s/o Baksha Ram s/o Aaya
Ram, Shri Hira Nand s/o Jinda Ram s/o Aaya Ram
of All a Ditta. (Transferor).

(2) Shri Mejar Singh, Satiwan Singh s/o Tara Singh
s/o Inder Singh of Kular. (Transferee).

(3) As at Sr. No. 2 above.
(Person(s) in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person(s)
whom the undersigned knows to be interested in the
property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 181 of June, 1973 of the Registering Authority, Sultanpur Lodhi.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 14-12-1973
Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/SPR/AP-439/73-74/3345.—Whereas J. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 353 of June, 1973, situated at Nathupur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sultanpur Lodhi in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balkar Singh s/o Shri Surta Singh r/o Rodala Teh. Ajnala Shri Gajan Singh s/o Mahan Singh, Smt. Sukhwant Kaur d/o Gajan Singh Mukhtiaran Sukhwant Kaur r/o Jalabad, (ASR.). (Transferor).
- (2) Shri Rattan Singh, Mukhtiar Singh, Avtar Singh, Banta Singh sons of Ralla Singh s/o Tahel Singh V. Dandopur, Shri Hari Singh s/o Sher Singh r/o Jaitu Sitar. (Transferee).
- (3) As at Sr. No. 2 above. (Person(s) in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 353 of June, 1973 of the Registering Authority, Sultanpur Lodhi.

D. S. GUPTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Surain Singh s/o Shri Sham Singh, Shri Sadhu Singh, Jagir Singh sons of Sh. Surain Singh, Sowal, Teh. Sultanpur Lodhi. (Transferee).

(3) As at Sr. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/SPR/AP-440/73-74/3346.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 193 of June, 1973, situated at Meera (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Sultanpur Lodhi in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mengha Mal so/Sant Ram s/o Hira Nand Bhandari of Sultanpur Lodhi. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in registered deed No. 193 of June, 1973.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS

(2) Sh. Gurdial s/o Sh. Milkhi r/o Bopa Rai.
(Transferee).(3) Sh. Gurdial s/o Sh. Milkhi r/o Bopa Rai.
(Person(s) in occupation of the property).(4) Any person interested in the property. (Person(s)
whom the undersigned knows to be interested in the
property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/Bhulat/AP/441/73-74/3347.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 602 of June, 1973 situated at Bhoparai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhulath on June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Jagir s/o Shri Bela s/o Harnam r/o Boparal.
(Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof, shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 602 of June, 1973 of the Registering Authority, Bhulath.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner
of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR**

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/Bhulath/AP-442/73-74/3348.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 603 of June, 1973 situated at Bopa Rai (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhullath on June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Jagir s/o Shri Bela s/o Shri Harnam r/o Bopa Rai. (Transferor).
- (2) Shri Gurdev s/o Sh. Milkhi Ram r/o Bopa Rai. (Transferee).
- (3) Shri Gurdev s/o Sh. Milkhi Ram r/o Bopa Rai. (Person(s) in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 603 of June 1973 of the Registering Authority, Bhullath.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 14-12-1973

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3, CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/Phg/AP-446/73-74/3349.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 687 of June, 1973, situated at V. Meeranpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Phagwara on June 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Shri Karam Singh R/o Gujratian, Teh, Phagwara. (Transferor).
- (2) Shri Mohinder Singh & Shri Gurdev Singh ss/o Shri Putan Singh Kot Kalan. (Transferee).
- (3) Shri Mohinder Singh & Shri Gurdev Singh ss/o Shri Putan Singh, Kot Kalan. (Person(s) in occupation of the Property).

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immoveable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 687 of June, 1973 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
3 CHANDERPURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1973

Ref. No. ASR/NDR/AP-447/73-74/3350.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the registered deed No. 527 of June, 1973 situated at Nakodar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nakodar in June, 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sadhu Ram s/o Shri Thakar Dass s/o Kahn of Nakodar. (Transferor).

(2) Shri Tirath Ram s/o Shri Sohan Lal s/o Sh. Lekh Raj, of Nakodar. (Transferee).

(3) Shri Tirath Ram s/o Shri Sohan Lal s/o Sh. Lekh Raj, of Nakodar. Person(s) in occupation of the property.

(4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registered deed No. 527 of June, 1973 of the Registering Authority, Nakodar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Range, Amritsar

Date 14-12-1973

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 11th December 1973

CR. No. 62/1442/73-74. Whereas, I B. Madhavan, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 336 situated Upper Palace Orchards, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering office at Gandhinagar, Bangalore on June 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahanidrappa Kheny, 336, Palace Upper Orchards, Bangalore. (Transferor).

(2) Shri Ashok Kumar Kheny, by G.P.A. Holder Shiva Kumar Kheny, 336 Palace Upper Orchards, Bangalore. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 portion in house property No. 336, Palace Upper Orchards, Bangalore.

B. MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Range, Bangalore

Date : 11-12-1973

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Advertisement No. 51

Applications are invited for undermentioned posts. Age as on 1-1-1974 must be within the prescribed age limits but is relaxable for Government servants except where otherwise specified. Upper age limit relaxable upto 45 years for certain categories of displaced persons from erstwhile East Pakistan, repatriates from Burma and Sri Lanka and for persons who migrated from East African countries of Kenya, Uganda and United Republic of Tanzania. Upper age limit relaxable by 5 years for Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates. No relaxation for others save in exceptional circumstances and in no case beyond a limit of three years. Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified. Higher initial pay may be granted to specially qualified and experienced candidates except where otherwise specified.

Particulars and application forms obtainable from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, Shahjahan Road, New Delhi-110011. Requests for forms must specify name of post, advertisement number and item number and should be accompanied by self-addressed unstamped envelopes for each post at least of size 23×10 cms., indicating thereon name of post for which forms are required. Commission may remit fee in the case of genuinely indigent and bona-fide displaced persons from erstwhile East Pakistan who migrated on or after 1-1-1964 but before 25-3-1971 and to repatriates from Burma and Sri Lanka who migrated on or after 1st June, 1963 and 1st November, 1964 respectively. Separate application with separate fee required for each post. Candidates abroad may apply on plain paper if forms are not available and deposit fee with local Indian Embassy. If required, candidates must appear for personal interview. Closing date for receipt of applications with crossed INDIAN POSTAL ORDER for Rs. 8.00 (Rs. 2.00 for Scheduled Castes and Scheduled Tribes), 21st January, 1974 (4th February, 1974 for applicants from abroad and for those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Treasury receipts not acceptable.

Posts at S. Nos. 17 and 27 permanent. Posts at S. Nos. 2, 4, 11, 18 and 35 permanent but appointment on temporary basis. Post at S. No. 1 permanent but appointment on contract/tenure basis for five years. Posts at S. Nos. 12, 14, 28 and 29 temporary but likely to be made permanent. Posts at S. Nos. 3, 5, 6, 7, 8, 9, 13, 15, 16, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 31, 32, 34 and 36 temporary but likely to continue indefinitely. Post at S. No. 20 temporary but likely to continue on long term basis, posts at S. Nos. 10, 30 and 33 temporary but likely to continue.

Posts at S. Nos. 11, 25, 32 and one post at S. No. 36 reserved for Scheduled Castes candidates who alone need apply. One post each at S. Nos. 22 and 30 and two posts at S. No. 29 reserved for Scheduled Castes candidates. One post at S. No. 27 reserved for Scheduled Castes candidates if available otherwise to be treated as unreserved.

One post each at S. Nos. 29 and 30 reserved for Scheduled Tribes candidates. Post at S. No. 19 reserved for Scheduled Tribes candidates but to be treated as unreserved if no suitable Scheduled Tribes/Scheduled Castes candidate is available. One post each at S. Nos. 26 and 27 and post at S. No. 14 reserved for Scheduled Tribes candidates failing which reserved for Scheduled Castes candidates and failing both to be treated as unreserved.

Post at S. No. 24 reserved for Emergency Commissioned Officers/Short Service Commissioned Officers, who were commissioned in the Armed Forces on or after 1-1-1962 but before 10-1-1968 or who had joined any pre-Commission training before the latter date, but who were commissioned after that date and are released/invalided owing to disability attributable to Military service/due to be released, if such a suitable candidate is available; otherwise to be treated as unreserved.

1. One Director, National Library, Calcutta, Department of Culture. Pay : Rs. 2500/- (fixed). Age Limit : 50 years. Qualifications : Essential : (i) At least a Second Class Master's degree in a major discipline of a recognised University in Humanities, Social Sciences, Natural Sciences or Library Science. (ii) Must be a distinguished Scholar with national recognition and high standard of published work to his credit.

2. One Professor in Mechanical Engineering (Design), Delhi College of Engineering, Delhi, Delhi Administration. Pay : Rs. 1100—50—1300—60—1600. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) At least 2nd Class Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Post-graduate degree in Mechanical Engineering from a recognised University or equivalent with specialisation in Design. (iii) At least 10 years' experience for Master's degree holders (8 years' experience for Doctorate Degree holders) in research/professional work/teaching (including at least 3 years' experience in teaching of degree/post-graduate classes).

3. One Principal Scientific Officer, Solidstate Physics Laboratory, Delhi, Research & Development Organisation, Ministry of Defence. Pay : Rs. 1100—50—1200—100—1500. Age : Preferably below 45 years. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About six years' experience in design and fabrication of precision components, equipments and machines needed in R&D scientific research with ability to control large workshops and handling labour problems, of which at least three years must be in a responsible directing and administrative capacity.

4. One Examiner of Personnel, Civil Aviation Department, Ministry of Tourism & Civil Aviation. Pay : 700—40—1100—50/2—1250 plus special pay of Rs. 100/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : 1st Class British or Indian Navigator's or a British Flight Navigators' Licence with not less than 100 hours air experience.

5. One Senior Scientific Officer, Grade I, Himalayan Radio Propagation Unit, Research and Development Organisation, Ministry of Defence. Pay : Rs. 700—50—1250. Age : Preferably below 40 years. Qualifications : Essential : (i) Second Class Degree in Electronics or Telecommunication Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 4 years' experience in design and development in VHF and Microwave hardware specially meant for communication systems.

6. One Senior Scientific Officer, Grade I, Directorate of Aeronautics, Research & Development Organisation, Ministry of Defence. Pay : Rs. 700—50—1250. Age : Preferably below 40 years. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class Degree in Electrical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 4 years' experience in Research Design and Development in the field of Aircraft Electrical Systems and Airborne Electrical Equipment.

7. One Lecturer in Electronics & Electrical Communication, Punjab Engineering College, Chandigarh Administration. Pay : Rs. 400—30—700/40—1100. Age Limit : 30 years. Qualifications : Essential : At least Second Class Degree in Electronics & Electrical Communication Engineering from a recognised University or equivalent.

8. Five Senior Scientific Officers Grade II, Vehicle Research and Development Establishment, Avadi, Research and Development Organisation, Ministry of Defence. Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : (i) Second Class Degree in Mechanical/Automobile Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' experience in research/design and development.

9. One Workshop Superintendent (Automobiles), Boys Polytechnic, Delhi Administration, Delhi. Pay : Rs. 400—400—450—450—30—600—35—670—FB—35—950. Age Limit : 40 years. Qualifications : Essential : (i) Degree/Diploma in Automobile/Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) Professional experience in an Automobile Workshop of repute for about 2 years in case of degree holders and 5 years in case of Diploma holders.

10. One Master for Motor Launch 'Bitra', Ministry of Shipping & Transport. Pay : Rs. 725—25—825. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : Certificate of Home Trade Master or Mate of foreign going ships or equivalent in the Indian Navy.

11. One Deputy Director (Sugar Control), Directorate of Sugar and Vanaspati, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture). Pay : Rs. 700—40—1100—50/2—1250. Age Limit : 50 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Arts, Commerce or Science of a recognised University or equivalent.

(ii) About five years' experience, in a responsible post, in sugar industry or a Government organisation dealing with sugar or food controls.

12. One Assistant Director (Chemistry), Bureau of Police Research & Development, Ministry of Home Affairs. Pay : Rs. 700—50—1250. Age Limit : 40 years. Not relaxable for Government servants. Qualifications : Essential : (i) M.Sc. Degree in Chemistry or equivalent. (ii) 7 years' experience of analytical methods and research therein.

13. One Deputy Director in the National Atlas Organisation, Department of Science and Technology. Pay : Rs. 700—40—1100—50—1250. Age Limit : 50 years. Qualifications : Essential : (i) Master's degree in Geography or allied subject of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in responsible position in a map publication office of standing, with knowledge of different operations of production of maps, including drawing and printing.

14. One Public Analyst, Andaman and Nicobar Islands Administration, Ministry of Health and Family Planning. Pay : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : I. Degree in Science with Chemistry as one of the subjects from a University established in India by Law or equivalent qualifications recognised by the Central Government in this behalf and not less than 3 years' experience in the analysis of Food in Laboratory under the control of (a) a Public Analyst appointed under the Act or (b) a Chemical Examiner to Government or (c) a Fellow of the Royal Institute of Chemistry of Great Britain (Branch E) or (d) the Head of an Institution specially approved for the purpose by the Central or State Government or (e) the Director General Food Laboratory; OR II. M.Sc. in Chemistry of Biochemistry or Agriculture or Food Technology or Foods and Drugs from a University established in India by law or qualifications of Associatehip of the Institute of Chemists (India) by Examination in the Section of Analysis of Food conducted by the Institute of Chemists (India) or equivalent qualifications recognised by the Central Government in this behalf and not less than 3 years' experience in the analysis of food in any of the laboratories referred to in clause I; OR III. Graduate in Medicine from a University established in India by law or equivalent qualifications recognised by the Central Government in this behalf, with Post-Graduate qualifications in Public Health or Bio-Chemistry and not less than 3 years' experience in the analysis of food in any of the laboratories referred to in clause I; OR IV. Fellow of the Royal Institute of Chemistry of Great Britain (Branch E) with at least one year's experience of Food analysis in India.

15. One Senior Scientific Officer, Grade II, Defence Science Laboratory, Delhi, Ministry of Defence. Pay : Rs. 400—40—800—50—950. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : (i) At least Second Class Master's Degree in Chemistry of a recognised University or equivalent. (ii) About 2 years' research experience on problems in Physical, Inorganic or Industrial Chemistry.

16. Two Junior Scientific Officers, Solidstate Physics Laboratory, Ministry of Defence. Pay : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—35—900. Age : Preferably below 30 years. Qualifications : Essential : At least Second Class Master's Degree in Physics with solid-state physics as one of the subjects.

17. One Superintendent, Livestock Farm, Government of Goa, Daman & Diu. Pay : Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Veterinary Science/Animal Husbandry of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years' experience in the management of cattle breeding.

18. One Assistant Director, Grade II, (Fruit Preservation), Ministry of Industrial Development. Pay : Rs. 400—25—500—30—680. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Science or Degree in Agriculture or Horticulture from a recognised University/Institution or equivalent. (ii) About two years' experience of food and vegetable preservation or in a fruit canning factory.

19. One Senior Scientific Assistant (Photography), Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation,

New Delhi, Ministry of Home Affairs. Pay : Rs. 325—15—475—EB—20—575. Age Limit : 35 years. Qualifications : Essential : (i) Degree of a recognised University or equivalent preferably with a Science subject. OR Matriculation of a recognised University or equivalent with diploma in Photography from a recognised Institute. (ii) About 2 years' experience in various branches of photography including experience of scientific photography, with good theoretical and practical knowledge, of all its techniques.

20. One Director (Medical), Directorate General of Posts and Telegraphs, Ministry of Communications. Pay : Rs. 1300—60—1600—100—1800 plus N.P.A. at the rate of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 50 years. Qualifications : Essential : (i) A recognised Medical qualification included in the First or Second Schedule or Part II of the Third Schedule (Other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of educational qualifications included in Part II of the Third Schedule should also fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956. (ii) Post-graduate qualification in Medicine viz. M.D., M.R.C.P., etc. (iii) About 12 years' standing in the profession (iv) Extensive practical and administrative experience, preferably in the supervision of Dispensaries.

21. One Principal, Nehru Homoeopathic Medical College and Hospital, Delhi Administration, Delhi. Pay : Rs. 1100—50—1300—60—1600. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Degree in Homoeopathy from a recognised University or at least four years' diploma in Homoeopathy from a recognised Homoeopathic Faculty or Board or equivalent. (ii) At least 10 years' teaching and administrative experience in a recognised teaching Homoeopathic Institution of repute.

22. Two Surgical Specialists, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). Specialists' Grade of the Central Health Service, Class I. Pay : Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of the pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Same as (i) in item 20 above. (ii) Post-Graduate qualification in Surgery e.g. M.S., F.R.C.S., F.A.C.S. or equivalent. (iii) At least 3 years' experience in a responsible position connected with the speciality.

23. One Gynaecologist, Ministry of Health & Family Planning (Department of Health). Specialists' Grade of the Central Health Service, Class I. Pay : Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Same as (i) in item 20 above. (ii) Post-Graduate qualification in Gynaecology e.g. M.D., M.O., M.R.C.O.G., F.R.C.S., or M.S. (Gynaecology), D.G.O. or equivalent. (iii) At least three years/five years' work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate Degree/Diploma holders, respectively.

24. One Officer-in-Charge, Rural Health Training Centre, Najafgarh, Delhi, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). Specialists' Grade of the Central Health Service, Class I. Pay : Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : (i) Same as (i) in item 20 above. (ii) Post-Graduate qualification in Public Health viz. M.D. with Public Health D.Sc. (Public Health), Dr. P. H., M.P.H., D.P.H. D.T.M. and H., L.P.H., D.T.M., D.I.H. or equivalent. (iii) At least three years' work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate degree holders or at least 5 years work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate diploma holders.

25. One Physician, Ministry of Health and Family Planning (Department of Health). Specialists' Grade of the Central Health Service, Class I. Pay : Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : Same as (i) in item 20 above. (ii) Post-Graduate qualification in Medicine e.g. M.D., M.R.C.P., Ph.D. (Medical), (Medical), M.Sc. (Medicine) (Nagpur) or L.Med. (D.M. or equivalent. (iii) At least 3 years' work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate degree holders and at least 5 years work in a responsible position connected with the speciality or post-graduate diploma holders.

26. Two Gynaecologists, Dandakaranya Project, Department of Rehabilitation. Pay : Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus N.P.A. @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. Age Limit : 45 years. Qualifications : Essential : Same as (i) in item 20 above. (ii) Post-Graduate qualification in Gynaecology e.g. M.S., F.R.C.S., F.A.C.S. or equivalent. (iii) At least 3 years' work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate degree holders and at least 5 years work in a responsible position connected with the speciality or post-graduate diploma holders.

us NPA @ 25% of pay subject to minimum of Rs. 150/- and maximum of Rs. 400/- p.m. *Age Limit.*—45 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Same as (i) in item 20 above. (ii) Post-graduate qualification in Gynaecology e.g., M.O., M.R.C.O.G., F.R.C.S., or M.S. (Gynaecology), D.G.O. or equivalent. (iii) At least three years/ five years work in a responsible position connected with the speciality for post-graduate Degree/Diploma holders, respectively.

27. Two District Medical Officers in the Indian Railway Medical Service, Class I, Ministry of Railways (Railway arc). Pay.—Rs. 700-40-1100-50/2-1300 plus restricted non-practising allowance @ 35% of pay subject to a maximum of Rs. 400/- p.m. *Age Limit.*—42 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Same as (i) in item 20 above. (ii) Post-graduate qualification in General Medicine or General Surgery, e.g. M.D., M.R.C.P., M.S., F.R.C.S., F.A.C.S. or equivalent. (iii) Seven years standing in the profession with at least 5 years work in a responsible position connected with the speciality.

28. One Project Director in the Maternity Hospital, Health and Family Planning Department, Government of Pondicherry. Pay.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-FB-35-950. *Age Limit.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Same as (i) in item 20 above. (ii) Recognised post-graduate diploma or degree in Obstetrics and Gynaecology. (iii) About three years' experience in Obstetrics and Gynaecology.

29. Seven Demonstrators, Armed Forces Medical College, Ponda, Directorate General of Armed Forces Medical Service, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 335-15-425 plus non-practising allowance at the rate of 25% of pay subject to a minimum of Rs. 150/- per month. *Age.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—Same as (i) in item 20 above.

30. Five Lecturers, Nehru Homoeopathic Medical College and Hospital, Delhi Administration, Delhi. Pay.—Rs. 400-30-450-30-600-35-670-FB-35-950. *Age Limit.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Degree in Homoeopathy from a recognised University or at least 4 years' diploma in Homoeopathy from a recognised Homoeopathic faculty or Board or equivalent. (ii) At least 5 years' standing in the profession out of which 3 years should be teaching experience as a Demonstrator/Assistant Lecturer.

31. One Associate Professor in Applied Sciences (Mathematics), Punjab Engineering College, Chandigarh, Chandigarh Administration. Pay.—Rs. 800-50-1300/50-1600. *Age Limit.*—40 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Doctorate degree in Mathematics with at least Second Class Master's degree in Mathematics from a recognised University or equivalent. (ii) At least 3 years teaching experience of degree classes. OR (i) At least Second Class Master's degree in Mathematics from a recognised University or equivalent. (ii) At least 8 years teaching and/or research experience including

at least 3 years teaching experience of degree classes in Engineering Institute.

32. One Deputy Director in Grade III of the Indian Statistical Service Class I, Department of Personnel and Administrative Reforms, Cabinet Secretariat. Pay.—Rs. 700-40-1100-50/2-1250. *Age.*—Between 25 and 40 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Second Class Master's Degree in Statistics or Mathematics or Economics or Degree of a recognised University with Mathematics or Statistics as a subject plus a recognised diploma obtained after at least 2 years post-graduate training in Statistics. (ii) Five years experience in Statistical work/investigation/research in recognised Institutions or Govt. departments or commercial concerns of repute. (iii) Evidence of acquaintance with modern developments in Statistical and allied sciences.

33. One Professor (Fishery Economics), Central Institute of Fisheries Education, Bombay, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture). Pay.—Rs. 700-40-1100-50/2-1250. *Age Limit.*—45 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Master's degree in Economics of a recognised University or equivalent. (ii) About seven years experience of investigations or research in the field of Economics, including experience in Fisheries Economics.

34. One Lecturer in Pashto in the School of Foreign Languages, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 400-400-450-30-600-35-670-FB-35-950. *Age Limit.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) Degree or Diploma of a recognised University/Institution or equivalent in Modern Pashto. (iii) Proficiency in English.

35. One Photographic Officer, Ministry of Defence. Pay.—Rs. 350-25-500-30-590-FB-30-800. *Age Limit.*—35 years. Not relaxable for Government servants. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Matriculation of a recognised University or equivalent. (ii) About 7 years experience in a Government or Semi-Government department or Commercial concern of repute in Photography, including adequate experience as a cine-cameraman, preferably in newsreel or documentary film assignments.

36. Two Technical Assistants (Advertising), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Ministry of Information and Broadcasting. Pay.—Rs. 325-15-475-FB-20-575. *Age Limit.*—35 years. *Qualifications.*—*Essential.*—(i) Degree of a recognised University or equivalent. (ii) About 3 years experience in selection of media for press advertising and/or production of mechanicals in the production department of an advertising agency or advertising department of a newspaper or periodical or in a Government or Commercial Organisation.

A. C. BANDYOPADHYAY
Secretary
Union Public Service Commission

